नई दिल्ली । शनिवार, 09 मई, 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष सप्तमी, सिद्धार्थी संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :123 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली संस्करण
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari_news
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल सीएसके में कैसे हुई थी अश्विन की एंट्री? @ विचार मनुष्य का पहला विद्यालय है माँ @ व्यापार अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने के चलते शेयर...

बीजेपी के लाडले सुवेंदु होंगे बंगाल के सीएम

लोकतंत्र का नया अध्याय- 11 बजे मुख्यमंत्री की लेंगे शपथ

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री पद के लिए चेहरे को लेकर लग रही अटकलों पर विराम लग गया है। मुख्यमंत्री पद के लिए सुवेंदु अधिकारी का नाम तय हो गया है। सुवेंदु भारतीय जनता पार्टी विधायक दल के नेता चुने गए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में हुई विधायक दल की बैठक में सुवेंदु अधिकारी के नाम पर मुहर लगी है। ऐसे में सुवेंदु अधिकारी का बंगाल का नया मुख्यमंत्री बनना तय हो गया है।

भवानीपुर विधानसभा जैसी हॉट सीट से तृणमूल चीफ ममता बनर्जी को 15 हजार वोटों से हराने के बाद सुवेंदु अधिकारी को मुख्यमंत्री पद के लिए सबसे प्रबल उम्मीदवार माना जा रहा था। भाजपा के मुताबिक, सुवेंदु 9 मई, यानी रवींद्र जयंती के मौके पर ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड ग्राउंड में पश्चिम बंगाल के अगले मुख्यमंत्री के पद की शपथ लेंगे। इस बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि अभी कुछ समय पहले ही चुनाव की प्रक्रिया पूरी हुई। 8 प्रस्ताव और समर्थन मिले हैं, सभी में एक ही नाम मिला है। मैं सुवेंदु अधिकारी को

पश्चिम बंगाल विधानमंडल दल के नेता के रूप में निर्वाचित घोषित करता हूं। इस बीच, ममता बनर्जी अब आधिकारिक तौर पर पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री बन गई हैं। यह स्थिति तब बनी जब राज्यपाल आर.एन. रवि ने राज्य विधानसभा को भंग करने की घोषणा की। इसका यह भी अर्थ है कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पिछली राज्य कैबिनेट भी स्वत: ही समाप्त हो गई है। चुनावी नतीजे के बाद 5 मई को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में तत्कालीन सीएम ममता बनर्जी ने कहा था कि वह राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंपने की परंपरा का पालन नहीं करेंगी, क्योंकि उन्हें लगता था कि आधिकारिक नतीजे असल जनमत को नहीं दर्शाते हैं।

इस तरह उन्होंने यह साफ कर दिया कि वह न तो पूरे पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की हार स्वीकार कर रही हैं और न ही भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र से अपनी निजी हार। ममता बनर्जी 2011 से लगातार पश्चिम बंगाल की सत्ता पर काबिज थीं। वह तीन बार राज्य की मुख्यमंत्री रह चुकी हैं।

2026 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बड़ी जीत हासिल की है। भाजपा ने 293 में से 207 सीट हासिल की है, जबकि तृणमूल 80 सीटों तक ही सिमट कर रह गई है। बंगाल में बहुमत का जादुई आंकड़ा छूने के लिए 148 सीट चाहिए थीं, लेकिन भाजपा ने 207 सीटों के साथ यह आंकड़ा भी पार कर लिया है।

तमिलनाडु में सस्पेंस बरकरार

चेन्नई। तमिलनाडु में सरकार गठन को लेकर जारी राजनीतिक सस्पेंस खत्म नहीं हुआ है। टीवीके चीफ और एक्टर विजय ने शुक्रवार को राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से मिलकर सरकार बनाने का दावा तीसरी बार पेश किया। राज्यपाल ने विजय को सरकार बनाने की मंजूरी दे दी है। किन्तु विजय शनिवार को सीएम पद की शपथ ले सकते हैं इस पर संशय बना हुआ है। विजय ने शुक्रवार को लोकभवन में लगातार तीसरे दिन राज्यपाल से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया। उन्होंने राज्यपाल को टीवीके, कांग्रेस, सी.पी.आई., सीपीआई (एम) और वीसीके के कुल 118 विधायकों का समर्थन पत्र सौंपा। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में टीवीके ने 234 में से 108 सीटें जीती हैं। इनमें दो सीटों पर विजय जीते हैं। कांग्रेस के 5 और सी.पी.आई., सीपीआई (एम), वीसीके के 2-2 विधायकों के समर्थन से टीवीके ने बहुमत का आंकड़ा हासिल कर लिया है। इससे पहले विजय ने 6 और 7 मई को भी सरकार बनाने का दावा पेश किया था।

आतंकवाद पर भारत और सिंगापुर का 'जीरो टॉलरेंस' रुख

बहुपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर सहमति

एजेंसी ■ नई दिल्ली

नई दिल्ली। आतंकवाद से मुकाबला करने के लिए लगातार, मिलकर और हर स्तर पर काम करने की जरूरत पर जोर देते हुए भारत और सिंगापुर ने आतंकवाद विरोधी सहयोग को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। दोनों देशों ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन), आसियान, फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) और दूसरे बहुपक्षीय मंचों पर साथ मिलकर काम बढ़ाने पर सहमति जताई।

विदेश मंत्रालय (एमईए) की ओर से शुक्रवार को जारी संयुक्त प्रेस बयान के मुताबिक, भारत और सिंगापुर के बीच आतंकवाद और अंतरराष्ट्रीय अपराध से निपटने पर संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की पांचवीं बैठक गुरुवार को नई दिल्ली में आयोजित हुई। दोनों देशों ने रणनीतिक साझेदार होने के नाते आतंकवाद के खिलाफ द्विपक्षीय सहयोग की अहमियत पर जोर दिया। बैठक की सह-अध्यक्षता भारत के विदेश मंत्रालय में काउंटर टेररिज्म के संयुक्त सचिव विनोद बहाडे और सिंगापुर के गृह मंत्रालय में डिप्टी सेक्रेटरी (पॉलिसी) नगियाम शिह चुन ने की।

संयुक्त बयान में कहा गया कि जेडब्ल्यूजी ने हर तरह के आतंकवाद, खासकर सीमा पार आतंकवाद की कड़ी और स्पष्ट शब्दों में निंदा की। साथ ही आतंकवाद के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' यानी बिल्कुल भी बर्दाश्त न करने की नीति को दोहराया गया। बैठक में 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले और 10 नवंबर 2025 को नई दिल्ली के लाल किले के पास हुई आतंकी घटना की भी कड़ी निंदा की गई। दोनों देशों ने कहा कि इन हमलों के जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

सम्राट सरकार में पहला लाठी-प्रहार, टीआरई-4 अभ्यर्थियों को दौड़ाकर पीटा गया

एजेंसी ■ पटना

पटना में शुक्रवार को टीआरई-4 अभ्यर्थियों पर पुलिस ने लाठी-प्रहार किया। अभ्यर्थियों को सड़कों पर दौड़ा-दौड़ाकर पीटा गया। इस दौरान अनेक लोगों के सिर फट गए।

एक महिला अभ्यर्थी को पुलिसकर्मियों ने पैरों से रौंद दिया। अभ्यर्थियों ने कहा, हम भविष्य के शिक्षक हैं, किन्तु हमारे साथ अपराधियों जैसा व्यवहार किया जा रहा है। लाठी-प्रहार के बाद सड़कों पर अभ्यर्थियों की चप्पलें बिखरी हुई दिखाई दीं। एक अभ्यर्थी के वस्त्र छाती तक रक्त से सने हुए थे। इसके पश्चात अभ्यर्थियों ने आंशिक रूप से वस्त्र उतारकर सड़क पर बैठकर नारे लगाने प्रारंभ कर दिए। वर्षा के बीच भी अभ्यर्थी सड़क पर डटे रहे। तथापि, सात घंटे बाद पुलिस ने जेपी गोलंबर से सभी अभ्यर्थियों को खदेड़कर हटा दिया, जिसके बाद प्रदर्शन समाप्त हो गया। आज प्रात: 10 बजे अभ्यर्थी रिक्तियों की घोषणा की मांग को लेकर पटना कॉलेज से निकले थे। वे बीपीएससी कार्यालय तक मार्च कर रहे थे। पुलिस ने जेपी गोलंबर पर बैरिकेड लगाकर उन्हें रोक दिया, जिसके बाद लाठी-प्रहार किया गया।

सद्भावना यात्रा : युवाओं को रोजगार नहीं, सोशल मीडिया का नशा दिया जा रहा - राहुल गांधी

एजेंसी ■ गुरुग्राम

कांग्रेस नेता राहुल गांधी गुरुग्राम के दौरे पर हैं। राहुल गांधी सद्भावना यात्रा में शामिल हुए हैं। इस यात्रा के दौरान राहुल गांधी एक जनसभा को भी संबोधित किया।

राहुल गांधी ने गुरुग्राम में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ साल पहले उन्होंने कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा निकाली थी, जिसमें लाखों लोग शामिल हुए थे। उस दौरान 'नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान' का नारा जनता के बीच से निकला था। राहुल गांधी ने कहा कि यह सिर्फ कांग्रेस का नहीं, बल्कि देश की भावना का नारा है और आज भी देश को इसकी जरूरत है।

उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ियां की जाती हैं। राहुल गांधी ने कहा कि लाखों वोटरों के नाम काटे जाते हैं और लाखों नाम जोड़े जाते हैं। उन्होंने चुनाव आयोग पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि जनता अब सब समझ चुकी है और आने वाले समय में इसका जवाब देगी।

कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि देश की संपत्तियां कुछ बड़े उद्योगपतियों को सौंपी जा रही हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि जनता का धन छीनकर उद्योगपति गौतम अदानी और अंबानी को फायदा पहुंचाया जा रहा है।

राहुल गांधी ने कहा कि हरियाणा और पूरे देश में सबसे बड़ा मुद्दा बेरोजगारी है। उन्होंने कहा कि युवाओं को कॉलेजों से डिग्रियां तो मिल रही हैं, लेकिन रोजगार नहीं मिल रहा। उनके मुताबिक सरकार की नीतियों के कारण देश में चीन का सामान बिक रहा है और युवाओं को रोजगार देने के बजाय उन्हें सोशल मीडिया और इंस्टाग्राम में उलझाया जा रहा है।

बता दें यह यात्रा खांडसा मंडी से शुरू हुई। इसका समापन एसडी स्कूल खांडसा सड़क हुई। सद्भावना यात्रा की शुरुआत पांच अक्तूबर को नरवाना से हुई थी। इस यात्रा को पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह के बेटे और कांग्रेस नेता बृजेंद्र सिंह ने प्रारंभ किया था। राहुल गांधी के आगमन के कारण पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा भी गुरुग्राम पहुंचे। उनके साथ कांग्रेस विधायक मामन खान और आफताब अहमद भी मौजूद रहे।

अभिनेता और गुरुग्राम लोकसभा से सांसद प्रत्याशी रहे राज बब्बर भी गुरुग्राम पहुंचे। चौधरी बीरेंद्र सिंह, कुलदीप शर्मा और रणदीप सिंह सुरजेवाला भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह भी गुरुग्राम पहुंचे। इन सभी प्रमुख नेताओं की उपस्थिति से सद्भावना यात्रा को मजबूती मिलेगी। यह यात्रा कांग्रेस के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

घुसपैठ, गो तस्करी असंभव होगी' : अमित शाह

एजेंसी ■ गुरुग्राम

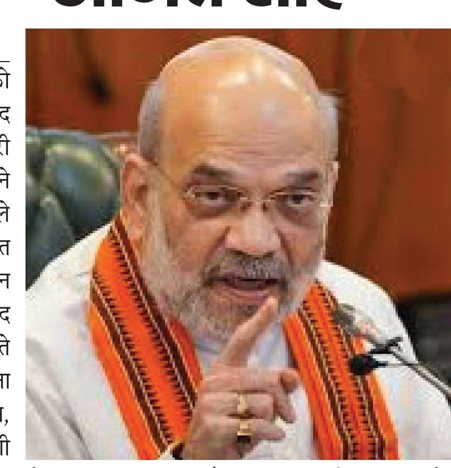

पश्चिम बंगाल में भाजपा को मिले प्रंचड बहुमत के बाद शुक्रवार को शुभेंदु अधिकारी पार्टी के विधायक दल के नेता चुने गए। वह राज्य के अगले मुख्यमंत्री होंगे। गृह मंत्री अमित शाह ने उनके नाम का एलान किया। नाम के एलान के बाद विधायक दल को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा, इतना बड़ा विधायक दल देखकर मन, आत्मा, शरीर, सबके अंदर खुशी की लहर उठती है। मैं दोनों हाथ जोड़कर जिम्मेदारी के साथ बंगाल की जनता को कोटि-कोटि धन्यवाद देना चाहता हूं।

अमित शाह ने कहा जिस तरह का मौहाल सीपीआईएम के समय से यहां बनाया जाता था, ममता ने इसे और गहरा भय में बदला। वहां मत की अभिव्यक्ति लगभग असंभव थी। सैंकड़ो उदाहरण हिंसा के, क्रूरता के थे। उसके बीच भाजपा पर भरोसा करके बंगाल की जनता को प्रचंड विजयी देने के लिए धन्यवाद। बंगाल की जनता ने जो अपेक्षाएं रखी हैं, हम पूरी कोशिश करेंगे कि आपके भरोसे को थोड़ा भी ठेस न पहुंचे। अमित शाह ने कहा हम सब भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं का दायित्व है, हम जनता की आकांक्षाओं को पूरा करें। अमित शाह ने आगे कहा, त्रिपुरा में हमारी सरकार है, असम में भाजपा सरकार है अब बंगाल में भी भाजपा की सरकार है। अब घुसपैठ असंभव होने वाली है, गौ तस्करी असंभव होने वाली है। दृढ़ता के साथ बंगाल सरकार और भारत सरकार इस क्षेत्र को सुरक्षा के अभेद्य किले के रूप में परिवर्तित करेगी।

ममता पर शाह का तंज

अमित शाह ने ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा, भवानीपुर की जनता का भी बहुत बहुत धन्यवाद। शुभेंदु ने पिछले चुनाव में नंदीग्राम में हराया था। दीदी इस बार तो सुवेंदु दा ने आपको आपके घर में हराया है।

क्रूज़ जहाज़ पर हंटावायरस का प्रकोप, दो भारतीय निगरानी में

डल्यूएचओ ने कहा- कोविड जैसी महामारी का खतरा नहीं

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय क्रूज़ जहाज़ एमवी होंडियस पर हंटावायरस संक्रमण के आठ संभावित मामलों पर कड़ी निगरानी रखे हुए है। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इनमें से पांच मामलों की प्रयोगशाला में पुष्टि हो चुकी है, जबकि तीन लोगों की मृत्यु की सूचना है।

वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियम माध्यम से प्राप्त जानकारी से पता चला है कि जहाज़ पर वर्तमान में दो भारतीय नागरिक सवार हैं। दोनों व्यक्तियों में फिलहाल कोई लक्षण नहीं हैं और उन्हें निर्धारित अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रोटोकॉल के तहत निगरानी में रखा गया है।

इस संक्रमण का कारण हंटावायरस का एंडीज़ प्रकार है, जिसे विश्व स्वास्थ्य संगठन ने

कम सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिम वाला बताया है। हालांकि, संक्रमण की अपेक्षाकृत लंबी ऊष्मायन अवधि के कारण आगे और मामले सामने आ सकते हैं। डब?ल ?यूएचओ ने यह भी साफ किया कि यह खतरनाक हंता वायरस संक्रमण 'कोविड जैसी नई महामारी की शुरुआत' नहीं है और आम लोगों के लिए इसका खतरा फिलहाल कम है।

मंत्रालय इस स्थिति की निगरानी के लिए राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम और विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ समन्वय कर रहा है। अधिकारी ने बताया कि हंटावायरस का एंडीज़ प्रकार मनुष्य से मनुष्य में सीमित रूप से फैलने की क्षमता रखता है और सामान्यत: इसके प्रसार के लिए निकट एवं लंबे समय तक संपर्क आवश्यक होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस माह के प्रथम सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियम ढांचे के अंतर्गत इस घटना की सूचना दी थी। यह संयुक्त राष्ट्र एजेंसी की वह व्यवस्था है, जिसके तहत देशों को सीमा-पार फैलाव की संभावना वाले रोग प्रकोपों की जानकारी देना अनिवार्य होता है। इसके जवाब में, एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र के अंतर्गत सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात संचालन केंद्र ने वरिष्ठ अधिकारियों की भागीदारी के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की, जिसमें स्थिति का आकलन और तैयारियों की समीक्षा की गई।

बिहार में तेज बारिश और आंधी से भीषण तबाही, सात लोगों की मौत

एजेंसी ■ पटना

पटना में शुक्रवार को तेज बारिश और आंधी से भीषण तबाही मचाई। कई जगह अब भी जाम की स्थिति बनी हुई है। आलम यह है कि पूरे पटना की लगभग सभी सड़कें जाम हैं और उन सड़कों प[आर गाड़ियों की रफ़्तार पर ब्रेक लग गया है। वहीं पटना में पेड़ के नीचे पांच लोग दब गए, जिसमें एक की मौत हो गई। मृतक की पहचान गर्दनीबाग थाना क्षेत्र के यारपुर निवासी गुड्डू राम के पुत्र अभय कुमार (24) के रूप में की गई है।

घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि अभय मीट खरीदने जा रहा था। तभी आंधी के साथ तेज बारिश होने लगी। बारिश और आंधी शुरू होते ही वह सामने फ़ास्ट फूड की दूकान में चला गया। आंधी इतनी जबर्दस्त थी कि वह जिस फूटकर दूकान में भींगने से बच रहा था उसी दूकान के पीछे स्थित एक विशाल पेड़ गिर गया। पेड़ के गिरने से न सिर्फ फास्ट फूड की दूकान क्षतिग्रस्त हो गई, बल्कि सड़क के उस पार तक के दूकान को तहस-नहस कर दिया।

पूरा का पूरा सड़क भी जाम हो गया।

पेड़ गिरते ही आसपास के लोग चीखने-चिल्लाने लगे। वहीं एक दुकानदार दौड़ते हुए गर्दनीबाग थाना पहुंचा और पेड़ के नीचे पांच लोगों के दबने की सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही गर्दनीबाग थाना कि पुलिस हरकत में आई और त्वरित कार्रवाई करते हुए रेस्क्यू में जुट गई। काफी मशक्कत के बाद चार लोगों को सकुशल बाहर निकाल लिया गया, जबकि एक शख्स की मौत हो गई। हालांकि उसे पास के निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में वे प्रभावित परिवारों के साथ हैं। मुख्यमंत्री ने मृतक के परिजनों को चार-चार लाख रूपये अनुग्रह अनुदान देने के निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की है कि सभी लोग खराब मौसम में पूरी सतर्कता बरतें। खराब मौसम होने पर आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किये गये सुझावों का अनुपालन करें। खराब मौसम में घरों में रहें और सुरक्षित रहें। विदित हो कि वज्रपात से भोजपुर में एक, पटना में एक, समस्तीपुर में एक और पूर्वी चंपारण में एक तथा आंधी-तूफान और तेज बारिश से पेड़ गिरने के कारण दबकर पटना में 02 एवं वैशाली में एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई है।

दिल्ली-फरीदाबाद मेमू रेल सेवा से हजारों दैनिक यात्रियों को मिलेगी राहतः सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के अनुरोध पर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दिल्ली और फरीदाबाद के बीच नई मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (एमईएमयू) रेल सेवा के संचालन को मंजूरी दे दी है। इस निर्णय का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री को धन्यवाद दिया और कहा कि यह नई सेवा दिल्ली और फरीदाबाद के बीच प्रतिदिन यात्रा करने वाले हजारों लोगों को महत्वपूर्ण राहत प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि फरीदाबाद और आसपास के इलाकों से बड़ी संख्या में लोग काम, शिक्षा, व्यापार और अन्य उद्देश्यों के लिए प्रतिदिन दिल्ली आते-जाते हैं। लंबे समय से निवासी और नियमित यात्री अतिरिक्त और अधिक सुविधाजनक रेल संपर्क की मांग कर रहे थे। मौजूदा परिवहन नेटवर्क पर भारी दबाव के कारण यात्रियों को अक्सर भीड़भाड़, देरी और असुविधा का सामना करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि एमईएमयू (मेमू) सेवा शुरू होने से यात्रियों को एक तेज, किफायती और अधिक सुलभ सार्वजनिक परिवहन विकल्प मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि दिल्ली सरकार नागरिकों की दैनिक आवागमन संबंधी समस्याओं के समाधान और परिवहन अवसंरचना में सुधार के लिए केंद्र सरकार के साथ मिलकर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि 'डबल इंजन वाली सरकार' के नेतृत्व में दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में परिवहन और कनेक्टिविटी से संबंधित परियोजनाएं गति पकड़ रही हैं। उनके अनुसार, नई रेल सेवा से न केवल यात्रियों का यात्रा समय बचेगा बल्कि सड़क यातायात पर दबाव भी कम होगा। मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट भारतीय रेलवे द्वारा संचालित एक आधुनिक इलेक्ट्रिक यात्री ट्रेन सेवा है, जो मुख्य रेलवे मार्गों पर अल्प और मध्यम दूरी की यात्रा के लिए उपयोग की जाती है। पारंपरिक ट्रेनों के विपरीत,मेमू ट्रेनों में अलग से लोकोमोटिव नहीं होता है। इसके बजाय, ट्रेन मोटर कोचों द्वारा संचालित होती है, जिससे यह बार-बार रुकने वाले मार्गों पर अधिक कुशल होती है। ये सेवाएं मुख्य रूप से शहरों और आसपास के कस्बों के बीच कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए डिज़ाइन की गई हैं, न कि शहर के भीतर यात्रा के लिए। मेमू ट्रेनें आम तौर पर 100 से 110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलती हैं और दैनिक यात्रियों, कार्यालय जाने वालों और छात्रों के लिए परिवहन का एक तेज, किफायती और सुविधाजनक साधन मानी जाती हैं। इनकी डिजाइन से यात्रियों का चढ़ना और उतरना आसान हो जाता है, जिससे कम दूरी की यात्रा सुगम और अधिक कुशल हो जाती है। आधुनिक मेमू ट्रेनें एलईडी लाइटिंग, जीपीएस आधारित यात्री सूचना प्रणाली, बायो-टॉयलेट, सीसीटीवी कैमरे और ऊर्जा-कुशल तकनीक जैसी सुविधाओं से भी लैस हैं।

मणिपुर : भारत-म्यांमार सीमा पर उग्रवादी हमला, असम राइफल्स ने ग्रामीणों को सुरक्षित निकाला

इंफाल। मणिपुर के कमजोंग जिले में भारत-म्यांमार सीमा के पास उग्रवादी हमले के बाद तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है। इस बीच शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए असम राइफल्स ने संवेदनशील इलाकों में लगातार गश्त और सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है।

रक्षा प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने बताया कि गुरुवार तड़के भारत-म्यांमार सीमा के पास जेड चोरो और नामली इलाके के सामने भारी गोलीबारी और विस्फोट की घटनाएं सामने आई थीं। उन्होंने कहा कि हालात बेहद चुनौतीपूर्ण होने के बावजूद असम राइफल्स के जवान तुरंत प्रभावित इलाकों में पहुंचे और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए हिंसा को बढ़ने से रोकने की कोशिश की।

ऑपरेशन के दौरान कई रेस्क्यू टीमें तैनात की गईं। हिंसा से प्रभावित 10 घरों को सुरक्षित किया गया और फंसे हुए ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।

प्रवक्ता के मुताबिक, महिलाओं और बच्चों समेत 15 ग्रामीणों को सुरक्षित बचाकर अलोयो असम राइफल्स कैंप में मानवीय सहायता उपलब्ध कराई गई। वहीं नामली की एक म्यांमार निवासी महिला को प्राथमिक उपचार देने के साथ मेडिकल सहायता भी मुहैया कराई गई।

इसके बाद असम राइफल्स ने इलाके में तेजी से सैनिटाइजेशन अभियान चलाया ताकि स्थिति को सामान्य किया जा सके और आगे किसी हिंसा को रोका जा सके।

सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों ने एक सशस्त्र उग्रवादी को गिरफ्तार किया। उसके पास से एक एके-47 राइफल, मैगजीन और कारतूस बरामद किए गए। बाद में उसे स्थानीय पुलिस के हवाले कर दिया गया।

१लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने कहा कि यह घटना एक बार फिर दिखाती है कि असम राइफल्स भारत-म्यांमार सीमा पर नागरिकों की सुरक्षा और शांति बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

मणिपुर के चुराचांदपुर, तेंगनौपाल, चंदेल, कमजोंग और उखरूल जिले म्यांमार के साथ 398 किलोमीटर लंबी, बिना बाड़ वाली अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करते हैं।

वहीं मणिपुर के मुख्यमंत्री युमनम खेमचंद सिंह ने कमजोंग जिले में हुई हिंसा की कड़ी निंदा की है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'कमजोंग जिले के नामली, जेड चोरो और वांगली सीमा गांवों में हुई हिंसा बेहद चिंताजनक और अस्वीकार्य है।'

मुख्यमंत्री ने कहा कि वह स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और सुरक्षा बलों को शांति बहाल करने तथा हिंसा को फैलने से रोकने के लिए हर जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने कहा, 'सरकार सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।' पुलिस के अनुसार, गुरुवार को भारत-म्यांमार सीमा के पास कमजोंग जिले के गांवों पर कुकी उग्रवादी संगठनों से जुड़े हथियारबंद आतंकियों ने हमला किया था। हमलावरों ने कसोम खुल्लेन थाना क्षेत्र के तहत आने वाले तांगखुल नागा बहुल गांवों नामली, वांगली और चोरो को निशाना बनाया। इस दौरान कई घरों में आग लगा दी गई, जिससे ग्रामीणों को भागकर जंगलों में शरण लेनी पड़ी।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि ये पहाड़ी गांव भारत-म्यांमार सीमा से एक किलोमीटर से भी कम दूरी पर स्थित हैं। हमले के दौरान भागने की कोशिश में खिन हतवे यी नामक बुजुर्ग महिला घायल हो गईं।

घटना के तुरंत बाद असम राइफल्स समेत सुरक्षा बल प्रभावित इलाकों में पहुंचे और हालात को नियंत्रण में लेने के लिए अभियान शुरू किया।

पश्चिम बंगाल 10वीं बोर्ड रिजल्ट घोषितः 86.83 प्रतिशत स्टूडेंट्स उत्तीर्ण

टॉप 10 में 131 छात्रों ने बनाई जगह

कोलकात। पश्चिम बंगाल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (डब्ल्यूबीबीएसई) ने शुक्रवार को कक्षा 10वीं (माध्यमिक) बोर्ड परीक्षा 2026 के परिणाम घोषित कर दिए हैं। पश्चिम बंगाल बोर्ड की ओर से जारी नतीजों के मुताबिक, इस वर्ष कुल 86.83 प्रतिशत छात्रों ने बोर्ड की परीक्षा में सफलता हासिल की है।

ऐसे में जिन छात्र-छात्राओं ने इस बोर्ड की परीक्षाओं में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी और रिजल्ट जारी होने का इंतजार कर रहे थे, वे अब बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट के अलावा डिजिलॉकर ऐप पर जाकर अपने मार्क्स चेक कर सकते हैं। पश्चिम बंगाल 10वीं बोर्ड की परीक्षा में इस वर्ष कुल 131 छात्रों ने टॉप-10 में अपनी जगह बनाई है। इनमें 103 लड़के और 20 लड़कियां हैं। वहीं, परीक्षा में शामिल कुल छात्रों में से केवल 1.46 प्रतिशत से ज्यादा उम्मीदवारों ने 90 फीसदी से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। इस वर्ष पश्चिम बंगाल माध्यमिक बोर्ड परीक्षा में लड़कों ने लड़कियों से बेहतर प्रदर्शन करते हुए बाजी मारी है। टॉपर्स की बात करें तो 99.71 प्रतिशत के साथ अभिनव भद्रा ने पूरे राज्य में पहला स्थान प्राप्त किया है। दूसरे स्थान पर प्रियतोष मुखर्जी है, जिन्होंने 99.43 फीसदी अंक हासिल किए हैं। वहीं, तीसरे स्थान पर तीन छात्रों ने 99.29 प्रतिशत नंबर के साथ अपनी जगह बनाई है, उनमें अंकन कुमार, सौर्य जाना, और मैनाक मंडल के नाम शामिल हैं। पश्चिम बंगाल 10वीं बोर्ड परिणाम चेक करने के लिए उम्मीदवार सबसे पहले डब्ल्यूबीबीएसई की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं। होमपेज पर जाने के बाद 'मध्यमा परीक्षा (एसई) परिणाम - वर्ष 2026' लिंक पर क्लिक करें। इसके बाद एक नया पेज खुलेगा, वहां रोल नंबर और डेट ऑफ बर्थ दर्ज करें। इसके बाद रिजल्ट स्क्रीन पर खुल जाएगा। नतीजे को चेक करने के बाद मार्कशीट डाउनलोड कर लें। भविष्य के लिए मार्कशीट का प्रिंट आउट भी निकालकर रख लें। बता दें कि इस वर्ष पश्चिम बंगाल 10वीं की बोर्ड परीक्षाएं 2 फरवरी से 12 फरवरी के बीच राज्य भर में 2,500 से अधिक परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई थीं, जिसमें लगभग 9.71 लाख स्टूडेंट्स शामिल हुए थे। वहीं, पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष का परिणाम थोड़ा बेहतर रहा है। लास्ट ईयर माध्यमिक परीक्षा में छात्रों का कुल पासिंग प्रसिशत 86.56 फीसदी रहा था।

दिल्ली : द्वारका एएटीएस ने अंतरराज्यीय कारजैकिंग गैंग पकड़ा, कठुआ से तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। द्वारका जिले की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड (एएटीएस) ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए अंतरराज्यीय कारजैकिंग गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने करीब 800 किलोमीटर तक पीछा करने के बाद जम्मू-कश्मीर के कठुआ से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये आरोपी 25 अप्रैल को एक घंटे के भीतर दो सशस्त्र लूट की वारदातों को अंजाम देकर फरार हो गए थे।

पुलिस की ओर से शुक्रवार को जारी एक प्रेस नोट में बताया गया कि 25 अप्रैल को सबसे पहले विकासपुरी इलाके में बदमाशों ने एक दुकानदार से बंदूक की नोक पर 15 हजार रुपये लूटे। इसके तुरंत बाद द्वारका नॉर्थ थाना क्षेत्र में वेगास मॉल के पास एक दंपति से फोर्ड इकोस्पोर्ट कार छीन ली। दोनों घटनाओं के बाद द्वारका जिले की पुलिस हरकत में आई और एएटीएस टीम ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। जांच के दौरान सामने आया कि दोनों वारदातों के पीछे एक ही गैंग का हाथ था, जो बेहद सुनियोजित तरीके से काम कर रहा था। गिरोह के सदस्य लगातार लोकेशन बदलकर पुलिस से बचने की कोशिश कर रहे थे। तकनीकी निगरानी और खुफिया इनपुट के आधार पर पुलिस ने करीब 10 दिनों तक कई राज्यों में सर्च ऑपरेशन चलाया।

इंस्पेक्टर मनीष यादव के नेतृत्व में और एसीपी ऑप्स सुभाष मलिक की निगरानी में, साथ ही एडिशनल डीसीपी-1 निहारिका भट्ट के मार्गदर्शन में, टीम ने लगातार कार्रवाई जारी रखी। करीब 5 दिनों तक जम्मू-कश्मीर में ऑपरेशन चलाने के बाद, पुलिस ने कठुआ में आरोपियों को ट्रैक कर लिया। 7 मई को करीब 15 किलोमीटर तक चली हाई-स्पीड कार चेज के बाद तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों की पहचान साहिल (28), अंसुल उर्फ गोलू (30) और उनके साथी हिमांशु (24) के रूप में हुई है, जो हरियाणा के रहने वाले हैं। पुलिस के मुताबिक अंसुल उर्फ गोलू कुख्यात नीतू दबोदिया गैंग से भी जुड़ा हुआ है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई फोर्ड इकोस्पोर्ट कार और फरार होने में इस्तेमाल की गई महिंद्रा ऋक्क गाड़ी बरामद कर ली है। अधिकारियों का कहना है कि यह पूरा ऑपरेशन द्वारका एएटीएस टीम के समन्वय, तकनीकी दक्षता और लगातार प्रयासों का परिणाम है। फिलहाल पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है और अन्य आरोपियों व लूटे गए सामान की बरामदगी के लिए प्रयास जारी हैं।

उत्तर प्रदेश में 'जीरो टॉलरेंस' से दंगों और फिरौती पर लगे लगाम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश, जिसे वर्ष 2017 से पहले 'दंगा प्रदेश' कहा जाता था, जहां सपा सरकार में वर्ष 2012 से 2017 के बीच एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार प्रतिदिन 19 दंगे होते थे, उसी उत्तर प्रदेश में पिछले नौ वर्षों में एक भी दंगा नहीं हुआ। इस अवधि में कुछ अराजक तत्वों द्वारा जरूर दंगा भड़काने की कोशिश की गई, लेकिन योगी सरकार में सख्त कानून व्यवस्था ने दंगाइयों के मंसूबों पर पानी फेर दिया। स्थिति बिगड़ने से पहले ही दंगा विरोधी सख्त कार्रवाई करते हुए ऐसे अराजक तत्वों को सलाखों के पीछे धकेला गया। इतना ही नहीं, जिस उत्तर प्रदेश में कभी व्यापारियों को आए दिन फिरौती के लिए अगवा कर लिया जाता था, उसी प्रदेश में वर्ष 2024 की एनसीआरबी रिपोर्ट के अनुसार फिरौती के लिए अपहरण की एक भी घटना नहीं हुई।

वर्ष 2012 से 2017 के बीच प्रदेश में हर दिन अपहरण की 33 घटनाएं दर्ज की गईं। एनसीआरबी की वर्ष 2024 रिपोर्ट के अनुसार, फिरौती के लिए अपहरण के मामले में उत्तर प्रदेश की अपराध दर (क्राइम रेट) शून्य दर्ज की गई है। देश के अन्य राज्यों की तुलना में उत्तर प्रदेश इस मामले में सबसे बेहतर स्थिति में दिखाई देता है। रिपोर्ट के अनुसार, नगालैंड में यह अपराध दर 0.7, मणिपुर में 0.6, अरुणाचल प्रदेश में 0.3 और मेघालय में 0.2 दर्ज की गई, जबकि उत्तर प्रदेश में यह आंकड़ा शून्य रहा। रिपोर्ट यह भी बताती है कि वर्ष 2023 में भी यूपी में इस श्रेणी में क्राइम रेट शून्य था।

यह बदलाव योगी सरकार की अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति, सक्रिय पुलिसिंग और संगठित अपराधों पर लगातार कार्रवाई से संभव हुआ है। पुलिस द्वारा गैंगस्टर एक्ट, माफिया की संपत्तियों की जब्ती और अपराधियों की आर्थिक कमर तोड़ने जैसे सख्त कदमों का असर धरातल पर दिखाई दे रहा है।

उत्तर प्रदेश में पिछले नौ वर्षों में दंगे की एक भी घटना नहीं हुई। कुछ अराजक तत्वों द्वारा दंगा भड़काने की कोशिश जरूर की गई, लेकिन योगी सरकार में सख्त कानून व्यवस्था ने दंगाइयों के मंसूबों पर पानी फेर दिया। मामूली हिंसक घटनाओं के उग्र रूप लेने से पहले ही अराजक तत्वों के खिलाफ दंगा विरोधी सख्त कार्रवाई करते हुए उन्हें सलाखों के पीछे धकेल दिया गया। एनसीआरबी की 2024 रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में बलवा की अपराध दर 1.1 दर्ज की गई, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह दर 2.2 रही। यहां यूपी में बलवा की अपराध दर 1.1 दर्ज होने का आधार वही मामले हैं, जिनमें दंगा भड़काने की कोशिशों को योगी सरकार ने समय रहते विफल कर दिया और अराजक तत्वों के खिलाफ दंगा भड़काने की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी सार्वजनिक मंचों से कहते हैं, 'नो कर्फ्यू-नो दंगा, यूपी में सब चंगा।' एनसीआरबी रिपोर्ट में मणिपुर में बलवा की अपराध दर 8.4, महाराष्ट्र में 6.4, कर्नाटक में 5.4, हरियाणा में 5.3 और हिमाचल प्रदेश में 4.7 दर्ज की गई है।

उत्तर प्रदेश में एक समय ऐसा था जब दंगे, अपहरण और फिरौती जैसी घटनाएं आम चर्चा का विषय बन चुकी थीं। विशेष रूप से वर्ष 2012 से 2017 के बीच सपा सरकार के दौरान प्रदेश में कानून व्यवस्था को लेकर लगातार सवाल उठते रहे। उस दौरान एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में 25 हजार से अधिक दंगे हुए।

दिल्ली : शाहदरा साइबर पुलिस ने साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़ किया, 14 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के शाहदरा जिले में साइबर पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन वाले साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश किया। इस कार्रवाई के दौरान 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जो ऑनलाइन ठगी के जरिए लोगों को करोड़ों रुपए का चूना लगा रहे थे। जांच में अब तक 8 करोड़ रुपए से अधिक के फ्रॉड लिंक सामने आए हैं।

दरअसल, 25 अप्रैल को साइबर थाना शाहदरा को सूचना मिली थी कि गीता कॉलोनी के एक होटल में कुछ संदिग्ध लोग साइबर धोखाधड़ी में शामिल हैं। सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया और एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने होटल में छापा मारकर अलग-अलग कमरों में ठहरे 12 संदिग्धों को पकड़ा। पूछताछ में उन्होंने एक संगठित साइबर फ्रॉड सिंडिकेट में शामिल होने की बात कबूल की।

इस ऑपरेशन को साइबर थाना प्रभारी विजय कुमार के नेतृत्व में अंजाम दिया गया। टीम में इंस्पेक्टर श्वेता शर्मा, एसआई श्याम बिहारी, एसआई विवेक, एएसआई राजदीप समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। पूरी कार्रवाई एसीपी ऑप्स मोहिंदर सिंह की निगरानी में हुई।

जांच में यह खुलासा हुआ कि यह गिरोह तेलंगाना, पंजाब, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, बिहार, असम और मध्य प्रदेश जैसे कई राज्यों में फैला हुआ था। गिरोह के सरगना प्रदीप उर्फ 'अल्फा' और तेजपाल सिंह उर्फ 'किंग' टेलीग्राम ग्रुप्स के जरिए पूरे नेटवर्क को संचालित कर रहे थे। बाद में पुलिस ने लुधियाना से दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिससे कुल गिरफ्तारी 14 हो गई।

पुलिस जांच में यह सामने आया कि एक बैंक खाते से जुड़ी 40 एनसीआरपी शिकायतों में करीब 1.5 करोड़ रुपए की ठगी हो चुकी है। इसी तरह एक कैनरा बैंक एटीएम कार्ड 3 करोड़ रुपए के फ्रॉड से जुड़ा मिला है। कुल मिलाकर इस गिरोह द्वारा की गई ठगी का आंकड़ा 8 करोड़ रुपए से ज्यादा पहुंच चुका है।

गिरोह का तरीका बेहद संगठित और तकनीकी रूप से उन्नत था। ये लोग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और जॉब पोर्टल्स पर नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं को निशाना बनाते थे। वर्क फ्रॉम होम, पार्ट टाइम और आकर्षक हाई सैलरी वाली नौकरियों का लालच देकर उनकी बातचीत शुरू करते थे। बाद में जानबूझकर व्हाट्सएप से टेलीग्राम पर शिफ्ट कर लेते थे ताकि पुलिस ट्रैकिंग मुश्किल हो जाए। फर्जी कंपनी प्रोफाइल, ऑफर लेटर और टास्क बेस्ड कमाई का झांसा देकर पहले छोटी-छोटी रकम भुगतान करके पीड़ित का भरोसा जीतते थे और फिर बड़ी रकम ठगने में सफल हो जाते थे। गिरोह फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बैंक खाते खुलवाता था और उनमें ठगी की गई रकम ट्रांसफर करवाता था। इसके बाद पैसे को तेजी से एक खाते से दूसरे खाते में ट्रांसफर करके लेयरिंग की जाती थी। अंत में रकम एटीएम, यूपीआई या क्रिप्टोकरेंसी के जरिए निकाल ली जाती थी। ठगी के बाद गिरोह पीड़ितों को तुरंत ब्लॉक कर देता था।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में सामान बरामद किया है, जिसमें 18 मोबाइल फोन, 19 सिम कार्ड, 1 लैपटॉप, 3 एटीएम कार्ड, 4 चेक बुक और 2 स्टाम्प शामिल हैं। इस मामले में बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर नंबर 20/2026 दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अब इस गिरोह के अन्य सदस्यों और अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन की जांच कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

पुष्पा साहू बनीं माध्यमिक शिक्षा मंडल की सचिव रोक्तिमा यादव को कोरिया कलेक्टर की कमान

रायपुर। राज्य शासन ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के कार्यभार में फेरबदल करते हुए नई नियुक्तियां जारी की हैं। इस आदेश के तहत शिक्षा और जिला स्तर पर महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। वर्ष 2012 बैच की आईएएस अधिकारी पुष्पा साहू को सचिव, माध्यमिक शिक्षा मण्डल के पद पर नियुक्त किया गया है। ज्ञातव्य है कि 6 मई 2026 को जारी आदेश के तहत सुश्री पुष्पा साहू को कलेक्टर जिला-कोरिया पदस्थ किया गया था, जिसमें जिसमें आंशिक संशोधन करते हुए सचिव, माध्यमिक शिक्षा मण्डल के पद पर पदस्थ किया गया है। वर्ष 2016 बैच की आईएएस अधिकारी रोक्तिमा यादव को जिला-कोरिया का नया कलेक्टर नियुक्त किया गया है। वे आगामी आदेश तक अस्थाई रूप से इस पद की जिम्मेदारी संभालेंगी। 6 मई 2026 को जारी आदेश के तहत रोक्तिमा यादव, द्वारा आयुक्त, उच्च शिक्षा के पद पर पदस्थ किया गया था, जिसमें आंशिक संशोधित करते हुए कलेक्टर जिला-कोरिया पदस्थ किया गया है। वर्ष 2019 बैच की आईएएस अधिकारी रीता यादव को आयुक्त, उच्च शिक्षा के पद पर पदस्थ किया गया है। इसके साथ ही उन्हें प्रबंध संचालक, राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। उनके पदभार संभालते ही इस पद को वरिष्ठ वेतनमान के संवर्गीय पद के समकक्ष माना जाएगा।

गायत्री नगर का श्री जगन्नाथ मंदिर भक्तिरस में रहेगा सराबोर

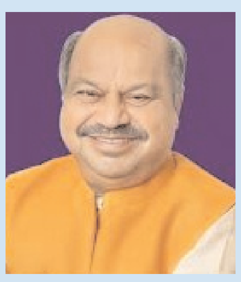

रायपुर। राजधानी रायपुर के गायत्री नगर स्थित पावन श्री जगन्नाथ मंदिर परिसर में 9 एवं 10 मई 2026 को श्रद्धा, भक्ति और सनातन संस्कृति से ओतप्रोत विराट अखंड हरिनाम संकीर्तन नामयज्ञ का आयोजन होने जा रहा है। श्री जगन्नाथ सेवा समिति रायपुर द्वारा आयोजित इस भव्य धार्मिक महोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। आयोजन समिति एवं जगन्नाथ सेवा समिति ने प्रदेशभर के धर्मप्रेमी नागरिकों एवं श्रद्धालुओं से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर पुण्य लाभ अर्जित करने का आग्रह किया है। श्री जगन्नाथ सेवा समिति के अध्यक्ष एवं रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक पुरन्दर मिश्रा ने बताया कि यह आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक चेतना और सामाजिक एकता का महापर्व है। उन्होंने कहा कि हरिनाम संकीर्तन मनुष्य के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, मानसिक शांति और आध्यात्मिक जागृति का संचार करता है। कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर 'हरे राम, हरे राम, राम-राम, हरे-हरे... हरे कृष्ण, हरे कृष्ण, कृष्ण-कृष्ण हरे-हरे...' महामंत्र के अखंड संकीर्तन से निरंतर गुंजायमान रहेगा। संकीर्तन की मधुर स्वर लहरियां श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर करेंगी। आयोजन की शुरुआत 8 मई 2026 को शाम 4:30 बजे भव्य कलश यात्रा के साथ होगी। पारंपरिक वेशभूषा एवं धार्मिक ध्वजों के साथ निकाली जाने वाली यह शोभायात्रा आकर्षण का केंद्र रहेगी। इसके पश्चात 9 मई को दोपहर 12 बजे महामंत्र नाम उच्चारण एवं अखंड हरिनाम संकीर्तन प्रारंभ होगा। वहीं 10 मई, रविवार को पूर्णाहुति, विशेष बैठक तथा विशाल महाप्रसाद (भंडारा) का आयोजन किया जाएगा। पूर्णाहुति के उपरांत दोपहर 2 बजे श्रद्धालुओं एवं समिति सदस्यों की बैठक भी आयोजित होगी।

लिवर हेल्थ के लिए 'प्रिवेंटिव हेपेटोलॉजी' पर एक महत्वपूर्ण सम्मेलन की घोषणा

रायपुर। इंडियन सोसाइटी ऑफ गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी (ढ्ढस्त्र) छत्तीसगढ़ चैप्टर, एसोसिएशन ऑफ फिजीशियन्स ऑफ इंडिया (ह्रक्कढ्ढ) के साथ मिलकर 10 मई 2026 को रायपुर में 'प्रिवेंटिव हेपेटोलॉजी' पर एक महत्वपूर्ण सम्मेलन आयोजित कर रहा है। इसका उद्देश्य राज्य के डॉक्टरों को लिवर सिरोसिस को रोकने के आसान और प्रभावी तरीकों की जानकारी देना है। इस सम्मेलन में देश के जाने-माने विशेषज्ञ शामिल होंगे, जो बीमारी की समय पर पहचान, सही जीवनशैली और बेहतर इलाज के तरीकों पर मार्गदर्शन देंगे। इसमें डॉक्टरों को जांच, जोखिम को पहचानने और सामाजिक स्तर पर जागरूकता बढ़ाने के बारे में जानकारी मिलेगी। इस मौके पर 'छत्तीसगढ़ लिवर शील्ड कंसोर्टियम' की भी शुरुआत की जाएगी। यह एक ऐसा मंच होगा, जो पूरे राज्य में लिवर से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम के लिए जागरूकता, प्रशिक्षण और सहयोग को बढ़ावा देगा। अपोलो हॉस्पिटल, बिलासपुर से आयोजन अध्यक्ष डॉ. देविंदर सिंह विरदी ने कहा, 'लिवर सिरोसिस समय पर जागरूकता और उचित कदमों से रोका जा सकता है। यह सम्मेलन और छत्तीसगढ़ लिवर शील्ड कंसोर्टियम हमारे राज्य कि लिवर के स्वास्थ्य की सुरक्षा की दिशा में एक सशक्त पहल है।' सीनियर गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल रायपुर से आयोजन सचिव डॉ. ललित निहाल ने कहा, देश भर के प्रख्यात लिवर विशेषज्ञों को एक मंच पर लाकर हम फैटी लिवर शराब से जुड़े लिवर की बीमारियाँ वायरल हेपेटाइटिस और उसके रोकथाम के लिए संगठन (छत्तीसगढ़ लिवर शील्ड) बनाने जा रहे है।

बिजली सप्लाई को बेहतर बनाने नई तकनीकों का करें उपयोग : सुबोध सिंह

अधिकारी से लाइनमेन तक हों एआई तकनीक से लैस

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार सिंह ने डंगनिया स्थित मुख्यालय में जनरेशन, ट्रांसमिशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बिजली हर व्यक्ति के जीवन की मूलभूत आवश्यकता बन चुकी है और उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराना पावर कंपनीज़ की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

सिंह ने अधिकारियों से कहा कि विद्युत व्यवस्था को आधुनिक, तेज एवं उपभोक्ता केंद्रित बनाने के लिये नवीन टेक्नोलॉजी एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अधिकतम उपयोग किया जाए। उन्होंने डाटा बेस्ड डिसिजन मेकिंग पर जोर देते हुए कहा कि आधुनिक एआई तकनीक का उपयोग कर विद्युत आपूर्ति, फॉल्ट मॉनिटरिंग, लोड प्रबंधन, उपभोक्ता शिकायत निवारण एवं सिस्टम मॉनिटरिंग को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।सिंह ने कहा कि पावर कंपनीज़ में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नई तकनीकों एवं आधुनिक कार्यप्रणाली से लैस किया जाना चाहिए, ताकि कार्य क्षमता, मॉनिटरिंग सिस्टम और उपभोक्ता सेवाओं की गुणवत्ता में व्यापक सुधार किया जा सके।

उन्होंने तीनों कंपनियों के अधिकारियों की अलग-अलग बैठक लेकर विभिन्न योजनाओं एवं कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

बैठक में नए भवन निर्माण कार्यों में तेजी लाने, लंबित परियोजनाओं को समय-सीमा में पूर्ण करने तथा उपभोक्ता सेवाओं को और अधिक मजबूत बनाने के निर्देश दिए गए।अध्यक्ष श्री सिंह ने टोल फ्री कॉल सेंटर नंबर 1912 को और अधिक दक्ष बनाने तथा शिकायतों के निराकरण के रिस्पांस टाइम में तेजी लाने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना पावर कंपनीज़ की प्राथमिक जिम्मेदारी है। बैठक में जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक एसके कटियार, ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला, डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक भीमसिंह कंवर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अस्पतालों की बदहाली पर कांग्रेस का जंगी प्रदर्शन

रायपुर। स्वास्थ्य सेवाओं में विस्तार और अस्पतालों की बदहाल व्यवस्था को लेकर कांग्रेस नेताओं ने आज सीएमएचओ कार्यालय के सामने जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार और सुधार नहीं किया गया तो कांग्रेस आने वाले दिनों में बड़ा आंदोलन करेगी। जरूरत पड़ी तो स्वास्थ्य मंत्री और मुख्यमंत्री आवास का घेराव भी किया जाएगा।

रायपुर जिला अध्यक्ष श्रीकुमार मेनन के नेतृत्व में किए गए इस प्रदर्शन में कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक डॉक्टर राकेश गुप्ता और पूर्व विधायक विकास उपाध्याय के अलावा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भी शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान श्रीकुमार मेनन ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है, और आम जनता को इलाज के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय जो व्यवस्थाएं बेहतर तरीके से संचालित हो रही थीं, वर्तमान सरकार में वे पूरी तरह चरमरा गई हैं। उन्होंने कहा कि रायपुर के 70 में से 45 वार्डों में हमर क्लीनिक योजना शुरू की गई थी, जिससे छोटी-मोटी बीमारियों के लिए लोगों को बड़े अस्पतालों की ओर न जाना पड़े, लेकिन वर्तमान में इन क्लीनिकों की हालत खराब है और वहां स्टाफ की भारी कमी है।

छत्तीसगढ़ में 5 दिन तक जारी रहेगा अंधड़-बारिश का दौर

रायपुर। छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी के बीच मौसम का मिजाज एक बार फिर बदल गया है। मौसम विभाग ने आगामी 5 दिनों तक प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में अंधड़ और बारिश की स्थिति बने रहने की चेतावनी दी है। अगले 24 घंटों के लिए विभाग ने विशेष विज्ञप्ति जारी की है जिसमें बताया गया है कि राज्य में 40 से 50 किमी प्रति घंटे की सीमा से तेज हवाएं चल सकती हैं। इस परिवर्तन का मुख्य कारण ऊपरी हवा में बने समुद्री परिसंचरण और द्रोणिका का प्रभाव है, जो कि यंत्र आ रही है और बादल बन रहे हैं।

मौसम में इस बदलाव के बावजूद तापमान में बड़ी गिरावट की संभावना कम है। विभाग के अनुसार अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे 2 से 4 डिग्री तक की बढ़ोतरी हो सकती है। पिछले 24 घंटों में ही 2 डिग्री की वृद्धि दर्ज की गई है। दिन के हिसाब से प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई, जिसमें चारामा में 30 मिमी और गरियाबंद में 10 मिमी बारिश हुई। वर्तमान राजनांदगांव में 41 डिग्री सेल्सियस के साथ राज्य का सबसे गर्म जिला बना हुआ है, जबकि पेंड्रा रोड में न्यूनतम तापमान 20.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

राजधानी रायपुर में भी आज का मौसम का असर। शहर में आंशिक रूप से बादल छाए रहते हैं और शाम या रात के समय ग्रेगर-चमक के साथ बहारें का अनुमान है। रायपुर में अधिकतम तापमान 40 डिग्री और न्यूनतम 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। का कहना है कि ग्राउंड-चमक के साथ अंधड़ खराब मौसम के दौरान बिजली और बिजली के खंभों से नागरिक सुरक्षा की दृष्टि से दूर रहने की सलाह दी गई है।

बारिश में कहीं भी जल भराव हुआ, जोन कमिश्नर सीधे जवाबदेह रहेंगे

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम में महापौर मीनल चौबे ने बारिश पूर्व जल भराव की समस्या दूर करने सुगम निकास प्रबंधन शहर में कायम करने सख्त निर्देश आवश्यक बैठक लेकर दिए. महापौर ने कहा कि बारिश पूर्व सभी नालों की अच्छी तरह ह्यद्द सफाई करवाने के कार्य को गंभीरता से करवाएं. बारिश में कहीं भी जल का भराव हुआ, तो इसके लिये सम्बंधित जोन कमिश्नर और जोन स्वास्थ्य अधिकारी सीधे जवाबदेह रहेंगे।

महापौर मीनल चौबे ने रायपुर नगर निगम के जोन अध्यक्षगणों को बुलाकर शहर में बारिश पूर्व नालों की सफाई को लेकर जोन कमिश्नरों, जोन स्वास्थ्य अधिकारियों, स्वच्छता निरीक्षकों सहित नगर निगम सभापति सूर्यकान्त राठौड़, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष गायत्री सुनील चंद्राकर, अपर आयुक्त स्वास्थ्य विनोद पाण्डेय, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणीग्रही, जोन अध्यक्ष साधना प्रमोद साहू, श्वेता विश्वकर्मा, मुरली शर्मा, अम्बर अग्रवाल, बद्री प्रसाद गुप्ता, प्रीतम सिंह, ठाकुर, गोपेश साहू, सचिन बी. मेघानी की उपस्थिति रही।

महापौर मीनल चौबे ठ्ठद्द निर्देश दिए कि व्यवहारिक रूप से आवश्यक होने पर जोन अधिकारी स्वच्छता का कार्य सफाई में बाधक पाटों को हटाकर बारिश पूर्व करवाएं, इसमें कोई लापरवाही कदापि सहन नहीं की जाएगी. सभी जोन कमिश्नर अपने जोन में आपदा प्रबंधन उपकरण की जाँच और परीक्षण तत्काल करें और आवश्यकतानुसार उनकी मरम्मत करवाकर उन्हें तैयार करवा लें। विशेष ध्यान रखें कि शहर में बारिश में किसी भी स्थान पर जल का भराव ना होने पाए। अन्यथा की स्थिति में नगर निगम द्वारा जिम्मेदारी तय करके सम्बंधित अधिकारियों पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर ने आईपीएल मैच की तैयारियों का लिया जायजा

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने 10 एवं 13 मई को शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले आईपीएल मैच की तैयारियों का जायजा लिया।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने निर्देश दिए कि स्टेडियम में आने वाले दर्शकों की सुरक्षा और सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। ऑनलाइन बुकिंग के बाद रायपुर पहुंचने वाले दर्शकों की भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त वॉलिंटियर तैनात किए जाएं। किसी भी आपात स्थिति में तत्काल सहायता के लिए फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस की व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जाए। उन्होंने छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ (सीएससीएस) को निर्देशित किया कि शासन के सभी विभागों द्वारा तय एसओपी का पालन करते हुए आवश्यक अनुमतियां प्राप्त करें। 10 मई 2026 को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम मुंबई इंडियंस और 13 मई 2026 को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स के मध्य मैच खेला जाएगा। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन, प्रभारी रायपुर ग्रामीण एसपी मनीषा ठाकुर, एडीएम उमाशंकर बंदे, अपर कलेक्टर कीर्तिमान सिंह राठौर, एसडीएम अभिलाषा पैंकरा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कबाड़ में जान फूंक दी जशपुर के 'वेस्ट टू बेस्ट' इको पार्क ने, नवाचार और संरक्षण का बना छत्तीसगढ़ में मॉडल

रायपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले ने स्वच्छता और नवाचार की दिशा में एक अनूठी मिसाल पेश की है। जिले के दुलदुला जनपद पंचायत के समीप विकसित किया गया 'इको पार्क' आज न केवल स्थानीय पर्यटन का केंद्र बना हुआ है, बल्कि 'वेस्ट टू बेस्ट' (कबाड़ से जुगाड़) की अवधारणा को धरातल पर उतारने वाला एक उत्कृष्ट मॉडल भी बन गया है। अनुपयोगी और बेकार समझी जाने वाली सामग्रियों से सजी इस सुंदर संरचना ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति एक नई सोच जागृत की है।

कबाड़ से तैयार हुई कलाकृतियां

इस पार्क की सबसे बड़ी विशेषता इसका निर्माण है। यहाँ फेंके गए पुराने टायरों, लोहे के कबाड़ और अन्य बेकार वस्तुओं का इस्तेमाल कर अत्यंत आकर्षक कलाकृतियां बनाई गई हैं। लोहे के बेकार पार्ट्स से घोड़ा, मयूर और तितली जैसी सजीव आकृतियां गढ़ी गई हैं। इसी तरह पुराने टायरों को रंग-बिरंगे झूलों में तब्दील कर दिया गया है, जो बच्चों के आकर्षण का मुख्य केंद्र हैं।

स्वास्थ्य और मनोरंजन का संगम

इको पार्क को केवल सजावट तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसे एक संपूर्ण सामुदायिक केंद्र के रूप में विकसित किया गया है। युवाओं और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक नागरिकों के लिए आधुनिक ओपन जिम की सुविधा दी गई है। इसी तरह बच्चों के लिए झूलों और विभिन्न खेल सामग्रियों का प्रबंधन किया गया है। यह स्थान परिवारों के लिए शाम बिताने और मनोरंजन का पसंदीदा स्पॉट बनकर उभरा है।

प्रशासन ने सराहा नवाचार, दिए हरियाली बढ़ाने के निर्देश

हाल ही में जिला प्रशासन ने पार्क का बारीकी से निरीक्षण किया। कबाड़ के इस रचनात्मक उपयोग की प्रशंसा करते हुए ?परिसर में व्यापक पौधरोपण कर इसे और अधिक हरित बनाने का निर्णय लिया गया। ?नियमित साफ-सफाई और सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। ?आमजन के लिए सुविधाओं में निरंतर विस्तार करने के साथ यह पार्क समाज को स्वच्छता, पुनर्चक्रण (ऋद्गष्4ष्द्यद्बठ्ठद्द) और पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी बनने की प्रेरणा देता है। स्थानीय निवासियों और विशेषज्ञों का मानना है कि दुलदुला का यह इको पार्क राज्य के अन्य विकासखंडों के लिए एक पथप्रदर्शक का कार्य करेगा। यह साबित करता है कि कम लागत और रचनात्मक सोच के साथ हम पर्यावरण संरक्षण और जन-सुविधाओं का बेहतर समन्वय कैसे कर सकते हैं।

कैट छत्तीसगढ़ में वरिष्ठ व्यापारियों को मिली बड़ी जिम्मेदारी

रायपुर। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (ष्ट्रढ्ढञ्ज) द्वारा छत्तीसगढ़ में संगठन को और अधिक मजबूत एवं प्रभावशाली बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए प्रदेश नेतृत्व की नई टीम को विस्तार दिया है।

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.सी. भरतिया, राष्ट्रीय महामंत्री एवं लोकसभा सांसद प्रवीण खंडेलवाल, राष्ट्रीय चेयरमेन बृजमोहन अग्रवाल तथा राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन अमर पारवानी की अनुशंसा एवं प्रदेश कोर कमेटी की सहमति एवं मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ इकाई के नए वरिष्ठ पदाधिकारियों का आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से यह महत्वपूर्ण निर्णय लेकर मनोनयन किया गया। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य श्री अमर पारवानी ने जानकारी देते हुए बताया कि संगठन के विस्तार एवं व्यापारी हितों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के उद्देश्य से निम्नानुसार नियुक्तियाँ की गई हैं।

प्रदेश चेयरमेन- जितेन्द्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, प्रदेश वाइस चेयरमेन- सुरिंदर सिंह, जीवत बजाज, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष- राजेंद्र जग्गीवासु माखीजा, राम मंधान भरत जैन, राकेश ओचवानी शंकर बजाज।

कैट के राष्ट्रीय वाईस चेयरमैन अमर पारवानी एवं प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन ने बताया कि कैट छत्तीसगढ़ लगातार प्रदेश के व्यापारियों के बीच अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है तथा आने वाले समय में संगठन प्रत्येक व्यापारी की आवाज बनकर कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि नवगठित टीम स्थानीय स्तर से लेकर राष्ट्रीय मंच तक व्यापारियों की समस्याओं एवं मांगों को प्रभावी रूप से उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

संक्षिप्त खबरें

वन भूमि में चला प्रशासन का बुलडोजर

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ में अंबिकापुर के महामाया पर्वत रिजर्व वन क्षेत्र में लंबे समय से अवैध कब्जे की मिल रही थी जिसके बाद प्रशासन का बुलडोजर चला है। इसी के तहत क्रम क्रमांक 2581 और 2582 में बने 157 मकानों को हटाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इनमें डबरीपानी और नवागढ़ क्षेत्र के व्यवसाय शामिल हैं। वन विभाग ने मार्च 2026 में सभी कब्ज़ाधारियों की अंतिम अधिसूचना जारी की और 27 मार्च तक ज़मीन खाली करने के निर्देश दिए गए। तय समय सीमा पर कब्जा न करने के बाद भी अब प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है। बताया जा रहा है कि इस मामले को लेकर भाजपा सरकार में शामिल डॉ. अशोक जोसेफ ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव से भी शिकायत की थी, जिसके बाद कार्रवाई में तेजी आई। गुरुवार की रात ही वन विभाग की टीम इलाके में पहुंची और लोगों को घर खाली करने के नोटिस दिए।

ऑनलाइन आईपीएल सट्टा रैकेट का भांडाफोड़

बेमेतरा। मोबाइल के माध्यम से ऑनलाइन क्रिकेट आईपीएल सट्टा रैकेट पर थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा टीम ने बड़ी कार्रवाई की हैं ऑनलाइन सट्टा के एक प्रकरण में 10 आरोपियों से 10 नग स्क्रीन टच मोबाइल और 40 हजार नगद रकम जप्त किया है।

इस पूरे मामले का खुलासा करते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव ने बताया कि बेमेतरा पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि बेमेतरा निवासी महेंद्र सोनी के द्वारा बीटीआई ग्राउंड कोबिया में मोबाइल से ऑनलाइन क्रिकेट आईपीएल में सट्टा खेला जा रहा है, सूचना के आधार पर रेड करवाई की गई कार्रवाई के दौरान आरोपी के मोबाइल फोन में ऑनलाइन आईपीएल क्रिकेट सट्टा खेलते पकड़ा गया पूछताछ के बाद अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है ये सभी आरोपी बेमेतरा जिला के निवासी हैं जिनपर विधिवत कार्रवाई की जा रही है।

विश्व रेडक्रॉस दिवस पर पुलगांव दुर्ग में वृद्धाश्रम स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

दुर्ग। रजिस्ट्रार एवं अध्यक्ष इंडियन रेडक्रास सोसायटी जिला दुर्ग अभिजीत सिंह के निदेशक एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं सचिव इंडियन रेडक्रास सोसायटी जिला दुर्ग डॉ. मनोज दानी के निदेशक एवं जिला प्रशासक समिति इंडियन रेडक्रास सोसायटी जिला दुर्ग के अध्यक्ष डॉ. शरद पाटणकर के नेतृत्व में वृद्धाश्रम उपसमिति के तत्वाधान में 08 मई 2026 को विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा दुर्ग द्वारा संचालित वृद्धाश्रम पुलगांव जिला दुर्ग में वृद्धजनो स्वास्थ्य जांच शिविर एवं सामूहिक भोजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी का भारत में उदय वर्ष 1918 से 1920 (स्पेनिश फ्लू) महामारी की अवधि में हुआ तथा संवैधानिक 1920 में प्राप्त हुआ। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की 100 वर्ष से अधिक की यात्रा के दौरान 08 मई को विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर रेडक्रॉस के जन्मदाता सर जीन हेनरी ड्यूनेंट को याद किया गया। इस अवसर पर विभाग कार्यक्रम में एलीगेंट मैगज़ीन, रेडक्रॉस सोसाइटी के विशेषाधिकार, स्वास्थ्य एवं वृद्धाश्रम के अधिकारी/कर्मचारी एवं वृद्धजनो को अध्यक्ष डॉ. शरद पाटणकर द्वारा विश्व रेडक्रॉस दिवस के बारे में बताया गया और साथ ही वृद्धाश्रम पुल गांव के चौराहे के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

छत्तीसगढ़ की 35 बेटियां झारखंड में बंधक

बेटियों को सुरक्षित वापस लाने में जुटा प्रशासन

कांकेर। नौकरी के नाम पर झारखंड में छत्तीसगढ़ के 35 युवतियों को बंधक बनाए जाने का मामला सामने आया है. एक युवती के फोन से गांव के युवक को भेजे गए मदद के संदेश के बाद मामले का खुलासा हुआ. परिजनों ने शासन-प्रशासन से बेटियों की सुरक्षित वापसी की मांग की है. मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन और पुलिस संबंधित जिले के अधिकारियों से संपर्क कर जांच व तलाशी शुरू कर दी है. बताया जा रहा है कि 35 लोगों में 15 कांकेर और बाकी युवतियां छत्तीसगढ़ के अन्य जिले की है.

मिली जानकारी के अनुसार सभी को नौकरी दिलाने का झांसा दिया गया, जिसके बाद सभी झारखंड पहुंच गई, लेकिन अब उन्हें जबरन बंधक बनाकर काम लिया जा रहा है. इस दौरान दुर्गुकोंदल इलाके के खुटगांव की एक युवती ने अपने परिचित के एक युवक को मोबइल पर संदेश भेजकर अपनी आपबीती बताई. युवती ने बताया कि उसे और अन्य युवतियों को झारखंड के गढ़वा जिले में बंधक बनाकर रखा गया है और काम लिया जा रहा है. प्रशासन को जब इस बात की जानकारी हुई प्रशासन ने त्वरित रूप से संज्ञान में लिया और गढ़वा जिला प्रशासन से संपर्क कर खोजबीन की कार्यवाही शुरू कर दी है.

युवतियों को बंधक बनाने की मिली है शिकायत : कलेक्टर

इस मामले में कलेक्टर नीलेश क्षीरसागर का कहना है कि जानकारी प्राप्त हुई है कि झारखंड के गढ़वा जिले में कांकेर व अन्य जिले की युवतियां नर्सिंग व अन्य कार्य के लिए गए थे, जिसमें शिकायत आई है कि कुछ युवतियों को बधंक बनाया गया है। युवतियों को सकुशल वापस लाने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की टीम लगी हुई है।

युवतियों को वापस लाने में लगी है टीम : मंत्री राजवाड़े

इस मामले में महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े का कहना है कि उनकी कलेक्टर से बात हुई है. बताया गया है कि कुछ अपनी मर्जी से गई है, जिसमें कुछ आना चाहती है। युवतियों को वहां से लाने प्रशासन की टीम लगी हुई है. जल्द संपर्क कर आगे की कार्यवाही की जाएगी।

नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म : पिता की अपील खारिज, उम्रकैद की सजा

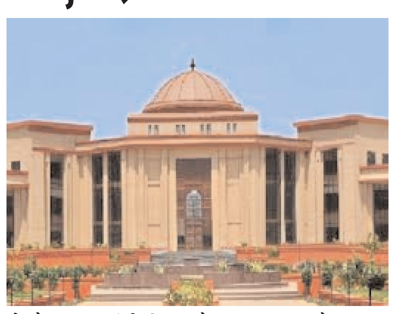

बिलासपुर। हाइकोर्ट ने नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म और अप्राकृतिक कृत्य के मामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए दोषी सौतेले पिता की उम्रकैद की सजा को बरकरार रखा है। कोर्ट ने कहा कि यदि पीड़िता की गवाही भरोसेमंद और सुसंगत हो तो केवल उसके बयान के आधार पर भी दोष सिद्ध किया जा सकता है।

चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविन्द्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने आरोपी सौतेले पिता की अपील खारिज कर दी। आरोपी ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें उसे पॉक्सो एक्ट और आईपीसी की गंभीर धाराओं के तहत उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने माना कि पीड़िता ने अपने बयान में लगातार एक जैसी बात कही और लंबी जिरह के बावजूद उसके बयान में कोई बड़ा विरोधाभास सामने नहीं आया। अदालत ने कहा कि बच्ची ने डर और धमकी की वजह से घटना छिपाई थी, लेकिन चाइल्ड लाइन टीम के संपर्क में आने के बाद उसने पूरी घटना बताई।

हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि बच्चों के साथ यौन अपराध बेहद गंभीर अपराध है। ऐसे मामलों में नरमी नहीं बरती जा सकती। कोर्ट ने आरोपी की जमानत निरस्त करते हुए चार सप्ताह के भीतर सरेंडर करने का निर्देश दिया है।

एंबुलेंस से गांजा तस्करी : 50 लाख का गांजा जब्त, 5 अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

महासमुंद। एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स और कोमाखान पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एंबुलेंस में छिपाकर ले जा रहे 77 किलो अवैध गांजा को जब्त किया है। मामले में महाराष्ट्र के 5 अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने गांजा परिवहन में प्रयुक्त एंबुलेंस, पायलेटिंग कार और 5 मोबाइल फोन समेत कुल 50 लाख 45 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की है।

पुलिस के अनुसार, ओडिशा से महासमुंद की ओर एक एंबुलेंस वाहन क्रमांक एमएच 13 सीयू 0707 में गांजा तस्करी की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर टेमरी जांच नाका में घेराबंदी कर एंबुलेंस और उसके आगे चल रही पायलेटिंग कार क्रमांक एमएच 12 एनबी 5277 को रोका गया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने एंबुलेंस में गांजा होने की बात स्वीकार की। पुलिस ने वाहन की तलाशी ली, जिसमें करीब 77 किलो गांजा बरामद हुआ।

ओडिशा से महाराष्ट्र ले जाया जा रहा था गांजा

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी गांजा को ओडिशा के बालीगुडा क्षेत्र से लेकर महाराष्ट्र के सोलापुर में खपाने की तैयारी में थे। तस्करों ने पुलिस को चकमा देने के लिए एंबुलेंस का इस्तेमाल किया था, लेकिन पुलिस की सतर्कता से उनका प्लान विफल हो गया।

गिरफ्तार आरोपी

आकाश उर्फ अक्षय जाधव (27 वर्ष), निवासी खड़की, थाना तांबुलवाड़ी, जिला धाराशिव महाराष्ट्र, लिंबाजी जाधव (33 वर्ष), निवासी खड़की, थाना तांबुलवाड़ी, जिला धाराशिव महाराष्ट्र, धनंजय लोखंडे (25 वर्ष), निवासी संतोषनगर वाडे, थाना शोलापुर, जिला शोलापुर महाराष्ट्र, प्रथमेश पिंगले (20 वर्ष), निवासी संतोषनगर वाडे, थाना शोलापुर, जिला शोलापुर महाराष्ट्र, अजय काले (25 वर्ष), निवासी कुलजारपुर नाका, धाराशिव महाराष्ट्र

जब्त संपत्ति

77 किलो गांजा – कीमत लगभग 38.50 लाख रुपये, एंबुलेंस वाहन – कीमत लगभग 8 लाख रुपये, पायलेटिंग कार – कीमत लगभग 3 लाख रुपये, 5 मोबाइल फोन – कीमत लगभग 95 हजार रुपये, कुल जब्त संपत्ति की कीमत करीब 50 लाख 45 हजार रुपये आंकी गई है।

फारेस्ट एडवायजरी कमेटी से टी.एस. सिंहदेव ने की चर्चा ऐतिहासिक रामगढ़ को लेकर दिए सुझाव

अम्बिकापुर। केंद्रीय वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की वन सलाहकार समिति की बैठक में राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड को आवंटित और अदानी के एमडीओ वाली केते एक्सटेंसन कोल ब्लॉक की वन स्वीकृति देने पर विचार होना है। छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार पूर्व में ही वन स्वीकृति की अनुशंसा केंद्र को भेज चुकि है। इस नए खदान में लगभग 7 लाख पेड़ काटे जाएँगे जिससे न सिर्फ़ समृद्ध जंगल-जमीन, जैव विविधता, हसदेव नदी और बांगो जलाशय का विनाश होगा, बल्कि छत्तीसगढ़ रेगिस्तान में तब्दील होगा।

फारेस्ट एडवायजरी कमेटी की नई दिल्ली में बैठक के पहले पूर्व उप मुख्यमंत्री टी एस सिंह देव ने कमेटी से जुड़े सदस्यों से फोन कॉल पर बात की तथा ईमेल व वाट्सएप से कई दस्तावेज भेज कर ऐतिहासिक स्थल रामगढ़ के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में पहल करते हुए कुछ महत्वपूर्ण तथ्यों की ओर ध्यान आकृष्ट कराया है, जिसके माध्यम से केते एक्सटेंशन कोल माइन जो हसदेव अरंड कोल फील्ड्स का हिस्सा है के लिये फारेस्ट क्लीयरेंस नहीं देने अथवा रिजेक्ट करने की मांग की है। पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंह देव ने फोन कॉल पर तथा दस्तावेजों के माध्यम से जो बात रखी है उनमें प्रमुख रूप से कहा है कि 1,742.155 हेक्टेयर जंगल की जमीन माइनिंग के लिये इस्तेमाल की जायेगी, जिससे लगभग 7 लाख से ज्यादा पेड़ काटे जायेंगे जो एक पुराने और साफ-सुथरे जंगल का हिस्सा है। साथ ही साथ उन्होंने कहा है कि इस इलाके में माइनिंग की वजह से पास की रामगढ़ पहाड़ियों में कई दरारें आ गई हैं, जो एएसआई के सेंट्रल प्रोटेक्टेड स्मारक का हिस्सा है। पहाड़ी की एरियल दूरी 8 किमी है। लेकिन रिपोर्ट में इसे गलत तरीके से खनन स्थल से 10 किलोमीटर से ज्यादा दूर बताया गया है। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि खदान की दूरी पहाड़ी के सबसे पास वाले किनारे से नहीं, बल्कि सबसे दूर वाले किनारे से मापी गई थी, जहाँ प्राचीन गुफाएँ मौजूद हैं। अगर यह पहाड़ी गिर जाती है, तो रामगढ़ की प्राचीन गुफाएँ और मंदिर भी इसके साथ ही नष्ट हो जाएँगे। पूर्व उपमुख्यमंत्री टी एस सिंह देव ने यह भी कहा है कि भारतीय वन्यजीव संस्थान , देहरादून ने माननीय हृत्रञ्ज के आदेश पर 2021 में अपनी रिपोर्ट हसदेव अरण्य कोयला क्षेत्र, छत्तीसगढ़ में चुनिंदा जीव समूहों पर विशेष ज़ोर के साथ जैव विविधता का आकलन(खंड II) सौंपी थी। इस रिपोर्ट में WII साफ तौर पर यह सिफारिश की है कि PEKB-I को छोड़कर, बाकी सभी नई खदानों के लिए केते एक्सटेंशन को खनन के लिये नो गो एरिया घोषित किया जाए।

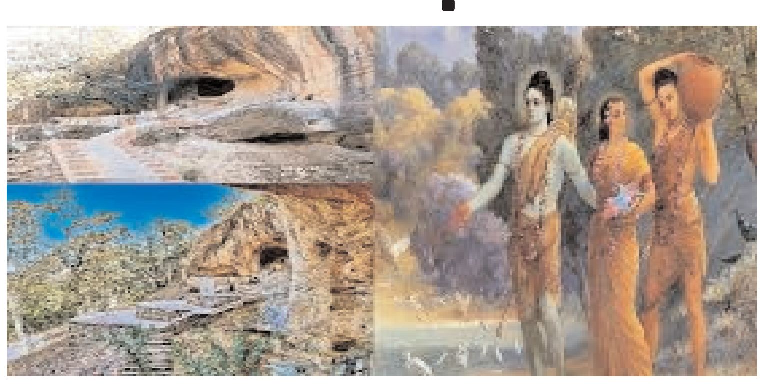

हाईवे पर हजारों पेड़ों की कटाई

धमतरी। धमतरी-जगदपुर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-30) के बीच हुई वृक्ष कटाई में बड़ी चुनौती सामने है। वन विभाग द्वारा की गई प्रारंभिक जांच में पुष्टि हुई है कि प्लांट एलाइनमेंट से बाहर के बाजारों में हजारों पेड़ों की कटाई की गई है। इस गंभीर मामले को स्मरणीय में लेते हुए वन विभाग ने दोषियों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दिए। धमतरी-जगदपुर मार्ग के फूलों के लिए वर्ष 2017 में बालोद, कांकेर, कोंडागांव और जंगली के वन क्षेत्रों की 402.423 हेक्टेयर भूमि के व्यापांतरण (डायवर्सन) की लंबाई तय की गई थी। इस परियोजना के तहत केशकाल वनमंडल में कुल 10 हजार 731 पेड़ों की कटाई की मात्रा मिली थी। इसमें फरसागांव-बटडोंगर परिक्षेत्र के 1 हजार 545 और केशकाल परिक्षेत्र के 9 हजार 186 पेड़ शामिल थे।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई के शोधकर्ताओं ने विकसित की स्वदेशी बायोडिग्रेडेबल इम्प्लांट तकनीक

भिलाई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भिलाई के शोधकर्ताओं ने बायोडिग्रेडेबल इम्प्लांट (शरीर में स्वत: घुलने वाले इम्प्लांट) विकसित करने की स्वदेशी तकनीक खोजकर चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। संस्थान के 'एडवांस्ड मटेरियल्स डेवलपमेंट एंड कैरेक्टराइजेशन ग्रुप' (स्र्छष्टत्न) ने टाइटेनियम कोटिंग के साथ मैग्नीशियम (स्र्द्द) मिश्र धातु आधारित एक ऐसा इम्प्लांट तैयार किया है, जो उपचार प्रक्रिया पूरी होने के बाद मानव शरीर के भीतर सुरक्षित रूप से घुलने में सक्षम है।

डॉ. जोस इमानुएल के मार्गदर्शन में पीएचडी छात्र विग्नेश आर. के नेतृत्व में इस शोध दल ने चिकित्सा विज्ञान की एक पुरानी चुनौती का समाधान खोजा है। दरअसल, मैग्नीशियम मिश्र धातुएं हड्डियों के उपचार के लिए बेहतरीन मानी जाती हैं, लेकिन शरीर के भीतर इनका क्षरण बहुत तेजी से होता है। शोध टीम ने एक ऐसी तकनीक स्थापित की है जो मैग्नीशियम मिश्र धातु पर टाइटेनियम की एक सघन और पतली परत चढ़ा देती है। यह सफलता धातु के घुलने की दर को नियंत्रित करने में मदद करती है, जिससे उपचार के महत्वपूर्ण चरणों के दौरान इम्प्लांट की मजबूती बनी रहती है। अपनी इस खोज के बारे में बताते हुए विग्नेश आर. ने कहा कि शोध के दौरान यह प्रमाणित हुआ है कि टाइटेनियम कोटिंग के माध्यम से बायोडिग्रेडेशन (घुलने) की दर को 7.66 मिमी/वर्ष से घटाकर 2.93 मिमी/वर्ष किया जा सकता है। इसका सीधा लाभ यह होगा कि भविष्य में मरीजों को शरीर से हड्डी के पेंच या स्टेंट निकालने के लिए दोबारा सर्जरी के दर्द और खर्च से नहीं गुजरना पड़ेगा। ये इम्प्लांट ठीक होने तक अपनी मजबूती बनाए रखेंगे और बाद में स्वत: ही शरीर में विलीन हो जाएंगे। डॉ. जोस इमानुएल ने कहा कि यह देश में उन्नत दीर्घायु वाले बायोडिग्रेडेबल इम्प्लांट विकास की दिशा में संस्थान का पहला और महत्वपूर्ण कदम है। इस अध्ययन के परिणाम हाल ही में प्रमुख वैज्ञानिक पत्रिकाओं में से एक 'डिस्कवर मटेरियल्स' में प्रकाशित हुए हैं। शोध समूह का अगला कदम पशु परीक्षणों की ओर बढ़ने से पहले बायो-डिग्रेडेशन प्रक्रिया के दौरान कोशिका वृद्धि का अध्ययन करना होगा।

पंडित प्रदीप मिश्रा की कथा कराने के नाम पर 21 लाख की ठगी

राजनांदगांव। सिहोर के प्रसिद्ध कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा की शिवपुराण कथा आयोजित कराने के नाम पर 21 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। अंबागढ़ चौकी की भोलेनाथ सेवा समिति ने छुरिया ब्लॉक के ग्राम हालेकोसा निवासी दिनेश साहू पर ठगी का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक के नाम शिकायत सौंपी है। शिकायत के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी दिनेश साहू के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है।

बताया जा रहा है कि आरोपी दिनेश साहू वही व्यक्ति है, जो हर वर्ष अपने गृह ग्राम में पंडित प्रदीप मिश्रा की कथा का आयोजन कराता रहा है। समिति के सदस्यों ने पुलिस अधीक्षक को दिए आवेदन में आरोप लगाया है कि कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा की शिव पुराण कथा कराने के नाम पर दिनेश साहू ने समिति से कुल 21 लाख रुपये नगद लिए थे। बताया गया कि कथा का आयोजन 8 मई से 14 मई 2026 तक होना तय किया गया था, लेकिन बाद में जानकारी मिली कि उक्त तिथियों में पंडित प्रदीप मिश्रा का कार्यक्रम झारखंड के रांची में निर्धारित है। शिकायत में कहा गया है कि समिति के सदस्यों ने दो अलग-अलग किश्तों में 5 लाख और 16 लाख रुपये नगद दिनेश साहू को उसकी किराना दुकान में दिए थे। आरोप है कि रकम लेने के बाद कथित तौर पर झूठी तारीख बताकर समिति को गुमराह किया गया और कथा आयोजन की तैयारियां भी शुरू करा दी गईं। पोस्टर, बैनर और निमंत्रण पत्र तक छपवा दिए गए थे।

मामले की सच्चाई जानने समिति के सदस्य गए थे सीहोर

मामले की सच्चाई जानने समिति के सदस्य मध्यप्रदेश के सीहोर स्थित कुबेरश्वर धाम भी पहुंचे, जहां कथित तौर पर पंडित प्रदीप मिश्रा के कार्यालय से जानकारी मिली कि अंबागढ़ चौकी की कथा के लिए कोई राशि जमा नहीं की गई है।

संपादकीय

बच्चों की ज़िन्दगी को निगल रही मोबाइल संस्कृति

आसिम अनमोल

बच्चों की दुनिया कितनी मासूम हुआ करती थी। बच्चों को खुद नहीं पता होता था कि वो कब सोएंगे कब जागेंगे। क्या खाएंगे क्या पिएंगे। कितना चुप रहेंगे और कितना बोलेंगे। अपनी रूचि के अनुसार कहाँ घूमने जाएँगे और कहाँ नहीं। यह सब देवता समान माता पिता ही तय करते थे। माता पिता की हर एक आज्ञा का पालन बच्चों के द्वारा पूरी सहजता पूरे सम्मान से ख़ुशी ख़ुशी किया जाता था। आज के मशीनी युग में बच्चों की दुनियाँ को लेकर बच्चों की प्रायं घट रही हर गतिविधियों का हर दृश्य उल्टा पुल्टा ही देखने को मिल रहा है। इसके पीछे अपने भविष्य को दांव पर लगाते बच्चों का मोबाइल की दुनियाँ में निरंतर चिपके रहना अपने आपमें बहुत ही दुःखद है। बच्चें जिनका कोमल मन यह समझने में सक्षम ही नहीं है कि जिस डिजिटल दुनियाँ में वो खोए हुए हैं ,वो सारी वर्चुअल व्यवस्था ही बच्चों की सोचने समझने की सलाहियत और मानसिकता को पूरी तरह तहस नहस कर रही है। सर्वे बताते हैं कि आधुनिकता में खोए हुए आज के आधुनिक बच्चे घरेलू खेलों से दूर होते जा रहे हैं। जो बच्चे पहले प्ले ग्राउंड में खेलने जाते थे। लूडो ,कैरम , आइस पास , इंडोर गेम में दिलचस्पी लेते थे। आज वो स्मार्ट फ़ोन से चिपके रहते हैं। माता पिता की ज़रूरी आवाज़े भी उनके कानों को बुरी लगती हैं। मोबाइल के अंधे प्रेम के आगे बच्चे अपने माता पिता का खुलेआम अनादर कर रहे हैं। बच्चों को अपने आसपास हो रही क्रिया कलाप से भी कोई मतलब नहीं रहता। आजकल के बच्चे स्क्रीन स्क्रॉल के एडिक्ट होते जा रहे हैं। स्मार्ट गैजेट्स यानी छोटे छोटे तकनीकी उपकरण ने हर उम्र के लोंगो की ज़िन्दगी तबाह कर दी है। इसी लिए बच्चों के अंदर तनाव , चिंता ,चिड़चिड़ापन और अवसाद बच्चों के विहेवियर में साफ़ दिख रहा है। आज के बच्चें इतने स्क्रीन डोमिनेटेड लाइफ स्टाइल के ग़ुलाम होते जा रहे हैं कि वे अलग तरीक़े से कुछ कम्युनिकेट करना चाहते हैं। आख़िर ऐसी कौन सी बातचीत है जो बच्चे आज के समय में जीवन को खतरे में डालकर करना चाह रहे हैं। वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर बिखरी हल्की सामग्री बच्चों के दिलों दिमाग़ पर बहुत ग़लत प्रभाव डाल रही है। यही मुख्य कारण है कि बच्चें अपने ही माता पिता से नज़दीकी का एक अच्छा रिश्ता नहीं बना पा रहे हैं। बच्चों का बाल मन जो अपने अभिभावक के द्वारा दी गई अच्छी परवरिश की तरफ़ आकर्षित होना चाहिए वो नाजुक बाल मन मोबाइल चलाने की प्रतिस्पर्धा में ख़र्च हो रहा है। सोचनीय प्रश्न है ऐसी स्थिति में जो बच्चें मानसिक रूप से पूरी तरह हार रहे हैं। उनके क़ीमती जीवन स्तर को विजय के शिकर तक पहुँचाने की बहुत बड़ी एक पारिवारिक और सामाजिक चुनौती सामने आ गई है। बच्चों की दुनियाँ जो मोबाइल तक सिमट रही है उसके पीछे बच्चों का ज़्यादा देर तक रात को जागना भी ज़िम्मेदार है। बच्चों के अंदर स्मार्टफ़ोन का बढ़ता उपयोग एक गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। हाल ही में शोधकर्ताओं द्वारा किए गए एक अध्ययन में साफ़ आया है कि छात्र – छात्राएँ स्कूलों के दौरान भी मोबाइल का उपयोग करने से नहीं हिचक रहे हैं । बच्चों द्वारा पाठ्यक्रम कम पढ़ा जा रहा है। मोबाइल के अंदर आभासी दुनियाँ की हिंसक सामग्री की स्टडी बड़ी ज़िम्मेदारी से की जा रही है। शिक्षण संस्थानों तक में बच्चों की नज़रे मोबाइल पर प्रति दिन लगभग सत्तर – पचहत्तर बार जाती हैं जो बच्चों के हित में नहीं कही जा सकतीं। इन सब चीज़ों से बच्चों का अध्ययन , प्रदर्शन ,ध्यान , और आत्म विश्वास बुरी तरह कमज़ोर होता है। इससे बच्चों की पढ़ाई करने के फोकस पर भी पूरी तरह से ध्यान हट जाता है। कुल मिलाकर बच्चों के संस्कारिक जीवन को बचाना है तो आधुनिक और आभासी दुनियाँ के बारे में बच्चों को जागरूक करना नितांत आवश्यक है। बच्चों के अंदर मोबाइल देखने की ललक को आप त्वरित ठीक नहीं कर सकते। इसके लिए बच्चो के अंदर संतुलित और डिजिटल अनुशासन के बारे में जागरूक करना बहुत ज़रूरी है।

मनुष्य का पहला विद्यालय है माँ

गोलेन्द्र पटेल

माँ जीवन की ज्योति है! मातृ दिवस केवल फूल, शुभकामनाओं और भावुक संदेशों का उत्सव नहीं है; यह मनुष्य की सभ्यता, संस्कृति और संवेदना के सबसे मूल स्रोत को स्मरण करने का दिन है। यह उस स्त्री के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है, जिसने अपने शरीर, श्रम, सपनों और जीवन को जलाकर अगली पीढ़ियों के लिए भविष्य का दीपक बनाया। संसार की प्रत्येक भाषा में 'माँ' शब्द सबसे पहले सीखे जाने वाले शब्दों में है, क्योंकि मनुष्य का पहला विद्यालय माँ की गोद ही होती है। वह केवल जन्म देने वाली नहीं, बल्कि जीवन को अर्थ देने वाली सत्ता है। इसी कारण भारतीय परम्परा में कहा गया, 'मातृदेवो भव। पितृदेवो भव। आचार्यदेवो भव। अतिथिदेवो भव।।' यह वाक्य केवल धार्मिक श्रद्धा नहीं, बल्कि मानव सभ्यता का नैतिक उद्घोष है कि माँ मनुष्य के अस्तित्व का प्रथम आधार है।

माँ की ममता को किसी एक परिभाषा में बाँधा नहीं जा सकता। वह भाषा से बड़ी अनुभूति है। सच तो यह है कि मनुष्य स्वयं एक शब्द हो सकता है, पर माँ पूरी भाषा होती है। उसकी गोद में शिशु केवल दूध नहीं पीता, बल्कि विश्वास, सुरक्षा, धैर्य और प्रेम का पहला पाठ सीखता है। कड़कती धूप में माँ शीतल छाया की तरह होती है; जीवन के अंधेरों में दीपक की तरह; निराशा के क्षणों में साहस की तरह। संसार में मनुष्य जितना भी कठोर क्यों न हो जाए, उसकी स्मृतियों में माँ हमेशा सबसे कोमल जगह घेरती है। यही कारण है कि बचपन की सबसे उजली स्मृतियों में अक्सर माँ का चेहरा, उसका आँचल, उसकी डाँट, उसकी थपकी और उसकी लोरियाँ उपस्थित रहती हैं। किन्तु मातृ दिवस का अर्थ केवल भावुक होकर माँ की तस्वीर साझा कर देना नहीं होना चाहिए। यदि समाज सचमुच माँ का सम्मान करना चाहता है, तो उसे उन परिस्थितियों को बदलना होगा जिनमें करोड़ों माताएँ अपना जीवन काटती हैं। विशेषकर दलित-बहुजन, श्रमिक, किसान और वंचित वर्ग की माताओं का जीवन केवल ममता का नहीं, बल्कि कठोर संघर्ष का इतिहास है। वे ईंट ढोती हुई माँएँ हैं, खेतों में काम करती हुई माँएँ हैं, दूसरों के घरों में श्रम करती हुई माँएँ हैं, जो अपनी भूख मारकर बच्चों का पेट भरती हैं। उनके हिस्से में अक्सर सम्मान नहीं, अपमान आता है; शिक्षा नहीं, अभाव आता है; विश्राम नहीं, अंतहीन श्रम आता है। समाज माँ को 'देवी' तो कहता है, लेकिन वास्तविक जीवन में उसी स्त्री को पितृसत्ता, गरीबी, जातिगत भेदभाव और अशिक्षा की बेड़ियों में जकड़ देता है। यह विडम्बना है कि जिन स्त्रियों के चरणों में स्वर्ग बताया गया, उन्हीं के जीवन में नरक जैसी परिस्थितियाँ मौजूद हैं। मातृ दिवस का सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या केवल पूजा से माताओं का जीवन बदल जाएगा? क्या केवल कविता या श्लोक पढ़ लेने से किसी माँ के आँसू रुक जाएँगे? क्या केवल 'माँ महान है' कह देने से वह सुरक्षित, शिक्षित और स्वतंत्र हो जाएगी? यदि नहीं, तो हमें भावुक आदर्शवाद से आगे बढ़कर सामाजिक परिवर्तन की दिशा में सोचना होगा। भारतीय समाज में माँ के प्रति सम्मान की एक समृद्ध परम्परा रही है। 'नास्ति मातृसमा छाया नास्ति मातृसमा गतिः।/ नास्ति मातृसमं त्राणं नास्ति मातृसमा प्रपा।।' जैसे श्लोक माँ को संसार की सबसे बड़ी छाया और आश्रय बताते हैं। 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।' माँ और मातृभूमि को स्वर्ग से भी महान मानता है। इन वचनों में निहित संवेदना अत्यंत सुंदर है, किन्तु इनका वास्तविक अर्थ तभी सार्थक होगा जब समाज हर माँ को गरिमामय जीवन देगा। यदि कोई माँ अपने बच्चों को छुआछूत, भुखमरी, अपमान और हिंसा के बीच पालने को मजबूर है, तो केवल शास्त्रीय वंदनाएँ पर्याप्त नहीं हैं। माँ का सम्मान तभी सच्चा होगा जब उसकी सामाजिक स्थिति बदलेगी।

आज का समय हमें आत्ममंथन के लिए भी बाध्य करता है। आधुनिक जीवन की दौड़ में मनुष्य अपनी माँ से दूर होता जा रहा है। महानगरों की चमक में बूढ़ी माँओं के लिए जगह छोटी पड़ती जा रही है। जिन माँओं ने बच्चों का बचपन अपने हिस्से के सुख त्यागकर सँवारा, वही माँएँ बुढ़ापे में अकेलेपन, उपेक्षा और वृद्धाश्रमों की पीड़ा झेल रही हैं। यह केवल पारिवारिक संकट नहीं, बल्कि संवेदनहीन होती सभ्यता का संकेत है। संतान बचपन में माँ के प्रेम को अधिकार समझती है, पर जब माँ को सहारे की आवश्यकता होती है, तब वही संतान अक्सर जिम्मेदारियों से मुँह मोड़ लेती है। यह विसंगति मातृ दिवस को और अधिक गंभीर बना देती है। माँ के प्रति प्रेम का अर्थ केवल भावुक स्मृतियों में डूबना नहीं, बल्कि उसके श्रम और त्याग को समझना भी है। माँ वह स्त्री है जो अपने हिस्से की भूख बच्चों के हिस्से की रोटी में बदल देती है। वह अपने सपनों को स्थगित कर बच्चों के भविष्य का निर्माण करती है। उसकी उँगलियों के स्पर्श में चिकित्सक की तरह उपचार की क्षमता होती है। उसकी डाँट में भी करुणा छिपी होती है। वह टूटती है, पर परिवार को टूटने नहीं देती। वह रोती है, पर बच्चों के सामने मुस्कुराती है। इसी कारण माँ केवल जैविक संबंध नहीं, बल्कि मानवीय सभ्यता की नैतिक आत्मा है। मातृ दिवस हमें यह भी याद दिलाता है कि माँ का सम्मान केवल निजी नहीं, राजनीतिक और सामाजिक प्रश्न भी है। जब तक महिलाओं को शिक्षा, संपत्ति, निर्णय और स्वतंत्रता का अधिकार नहीं मिलेगा, तब तक मातृ सम्मान अधूरा रहेगा। किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति उसकी स्त्रियों की स्थिति से मापी जाती है। इसलिए मातृ दिवस पर सबसे बड़ी श्रद्धांजलि यही होगी कि हम स्त्रियों के अधिकारों, उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और आत्मनिर्णय के लिए संघर्ष करें। विशेष रूप से दलित-बहुजन माताओं के संघर्ष को समझना और उनके साथ खड़ा होना आज की ऐतिहासिक आवश्यकता है। माँ केवल घर की चारदीवारी तक सीमित अस्तित्व नहीं है; वह सभ्यता की निर्माता है। नील नदी से लेकर गंगा तक, मिस्र से भारत तक, हर संस्कृति की जड़ों में माँ की उपस्थिति है। मानव इतिहास की हर बड़ी यात्रा में स्त्रियों का मौन श्रम शामिल है। उन्होंने खेतों में अन्न उगाया, घरों में जीवन बचाया, बच्चों में संस्कार डाले और समाज को संवेदना दी। यदि माँ न होती, तो न भाषा होती, न संस्कृति, न मनुष्यता। इसलिए मातृ दिवस का वास्तविक अर्थ यही है कि हम माँ को केवल 'त्याग की मूर्ति' कहकर उसके कष्टों को सामान्य न बना दें, बल्कि उसके श्रम को सम्मान दें, उसकी स्वतंत्रता को स्वीकार करें और उसके जीवन को गरिमा प्रदान करें। माँ को पूजा की वस्तु नहीं, अधिकार सम्पन्न मनुष्य के रूप में देखना ही आधुनिक और मानवीय दृष्टि है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम मातृ दिवस को बाज़ारवादी उत्सव से निकालकर सामाजिक चेतना के दिवस में बदलें। यह संकल्प लेने का दिन होना चाहिए कि कोई माँ अशिक्षा, गरीबी, हिंसा और अपमान में जीवन जीने को मजबूर न रहे। हर माँ को सम्मान, सुरक्षा और स्वतंत्रता मिले। हर माँ का बुढ़ापा स्नेह और गरिमा से भरा हो। हर बच्चा यह समझे कि माँ का ऋण केवल शब्दों से नहीं, संवेदनशील व्यवहार से चुकाया जा सकता है। माँ अनंत है। वह समय और शब्दों से परे है। उसके बिना न मनुष्य का अस्तित्व है, न समाज का। इसलिए मातृ दिवस केवल एक दिन नहीं, बल्कि मनुष्यता की आत्मा को पहचानने का अवसर है। 'मई में माई की याद' केवल मातृ दिवस की भावुक स्मृति नहीं, बल्कि स्त्री के श्रम, संघर्ष, स्वप्न, अस्मिता और अधिकारों को पहचानने की सामाजिक चेतना है। यह उन माताओं, विशेषकर दलित-बहुजन, श्रमिक और वंचित वर्ग की स्त्रियों को स्मरण करने का अवसर है, जिन्होंने जाति, गरीबी और पितृसत्ता के बीच भी जीवन और समाज को सँभाला। मेरी दृष्टि से माँ का सम्मान केवल पूजा या महिमामंडन में नहीं, बल्कि उसकी शिक्षा, स्वतंत्रता, सुरक्षा, समान अधिकार और सामाजिक गरिमा सुनिश्चित करने में निहित है।

'मई में माई की याद' दरअसल संवेदना से आगे बढ़कर न्याय, सशक्तिकरण और परिवर्तन का संकल्प है। सच्चा मातृ वंदन तभी होगा जब संसार की हर माँ भयमुक्त, सम्मानित, शिक्षित और स्वतंत्र होगी। वही मातृ दिवस की सबसे बड़ी श्रद्धांजलि होगी। क्योंकि मातृ दिवस भावुक स्मृति नहीं, सामाजिक चेतना का दिवस है। जय जननी। मातृशक्ति को कोटि-कोटि नमन!

पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन है वैचारिक बदलाव का संकेत

पश्चिम बंगाल में भाजपा की सफलता को अनेक लोग डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों से भी जोड़कर देख रहे हैं। डॉ. मुखर्जी केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि भारतीय एकता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने विभाजनकारी राजनीति का विरोध किया और राष्ट्रीय एकात्मता को सर्वोपरि माना।

पश्चिम बंगाल के हालिया विधानसभा चुनाव परिणामों को केवल एक राजनीतिक दल की जीत या हार के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। यह परिणाम उस वैचारिक संघर्ष का प्रतीक बनकर उभरे हैं, जो लंबे समय से बंगाल की राजनीति के भीतर सुलग रहा था। वर्षों तक बंगाल को एक ऐसे राज्य के रूप में प्रस्तुत किया गया, जहां कथित रूप से जाति, धर्म और पहचान की राजनीति नहीं चलती, बल्कि विचारधारा, वर्ग-संघर्ष और बंगालियत की राजनीति प्रभावी रहती है। किंतु 2026 के चुनाव परिणामों ने इस स्थापित धारणा को गहराई से चुनौती दी है। यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक मनोविज्ञान में आए परिवर्तन का भी संकेत है। मतदाता अब केवल भावनात्मक नारों या वैचारिक रोमांटिसिज्म के आधार पर मतदान नहीं कर रहा, बल्कि वह अपनी सांस्कृतिक पहचान, सुरक्षा, सामाजिक संतुलन और भविष्य को भी ध्यान में रख रहा है। यही कारण है कि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की अभूतपूर्व सफलता को अनेक विश्लेषक एक प्रकार के 'सांस्कृतिक पुनर्जागरण' के रूप में देख रहे हैं।

पिछले कुछ वर्षों में पश्चिम बंगाल की राजनीति में 'बंगाली अस्मिता' और 'हिंदू पहचान' के बीच एक वैचारिक द्वंद्व स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा था। तृणमूल कांग्रेस ने स्वयं को बंगाल की संस्कृति और क्षेत्रीय गौरव का संरक्षक बताया, जबकि भाजपा ने राष्ट्रीयता, हिंदुत्व और सांस्कृतिक चेतना को अपने राजनीतिक विमर्श का केंद्र बनाया। वास्तव में बंगाल की ऐतिहासिक चेतना कभी संकुचित नहीं रही। यह वही भूमि है जहाँ से स्वामी विवेकानंद, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय, रवींद्रनाथ ठाकुर और नेताजी सुभाषचंद्र बोस जैसे महापुरुषों ने भारतीय राष्ट्रवाद को नई दिशा दी। 'वंदे मातरम्' का उद्घोष भी इसी भूमि से निकला। इसलिए जब बंगाल में राष्ट्रीयता और सांस्कृतिक अस्मिता की चर्चा होती है, तो वह केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं रह जाता, बल्कि भावनात्मक और ऐतिहासिक संदर्भ भी ग्रहण कर लेता है। भाजपा ने इसी ऐतिहासिक चेतना को पुनः जागृत करने का प्रयास किया। दुर्गापूजा, रामनवमी, हनुमान जयंती और हिंदू धार्मिक प्रतीकों को लेकर जिस प्रकार की राजनीतिक बहसें पिछले वर्षों में सामने आईं, उन्होंने हिंदू समाज के एक बड़े वर्ग को यह महसूस कराया कि उसकी सांस्कृतिक अभिव्यक्तियां राजनीतिक विवाद का विषय बन रही हैं। परिणामस्वरूप एक बड़ा वर्ग अपनी पहचान के प्रश्न पर अधिक मुखर हुआ।

पश्चिम बंगाल की राजनीति लंबे समय से अल्पसंख्यक वोट बैंक के इर्द-गिर्द घूमती रही है। विपक्ष लगातार यह आरोप लगाता रहा कि ममता बनर्जी सरकार ने संतुलित शासन के बजाय तुष्टिकरण की राजनीति को बढ़ावा दिया। चाहे इमाम भत्ता का मुद्दा हो, धार्मिक आयोजनों को लेकर प्रशासनिक निर्णय हों या सीमावर्ती जिलों में बदलता जनसांख्यिकीय संतुलन-इन सभी विषयों ने धीरे-धीरे हिंदू समाज के भीतर असंतोष को जन्म दिया।

प्रेरक प्रसंग

कर्म बनाम भाग्य

नील मणि

मैं और सिया पार्क में टहल रहे थे। पत्तों पर ओस की नमी थी और बातचीत का विषय जाने कैसे उस शाश्वत प्रश्न पर टिक गया— कर्म बड़ा या भाग्य?

कभी भाग्य का पलड़ा भारी लगता, तो कभी कर्म का। तभी सिया ने अपने भतीजे की संघर्ष भरी यात्रा सुनाई ।उसका भतीजा, बारहवीं पास करते ही, सपनों में रंग भरने लगा। सपना था— देश की वर्दी पहनने का।

एन.डी.ए. की परीक्षा दी। नाकामी मिली। फिर दोबारा दी, तीसरी बार दी— पर सफलता दूर ही रही, लेकिन हिम्मत नहीं टूटी। उसने बी.टेक में प्रवेश ले लिया और साथ-साथ हर छठे महीने सी.डी.एस. के पेपर देता रहा। हर असफलता के बाद माता-पिता का धैर्य और प्रोत्साहन उसे सँभालता। वे हमेशा कहते— 'हार मत मानो, कोशिश जारी रखो।' यही हौसला उसकी असली ताकत बना।

और फिर, जब तेरहवीं बार उसने परीक्षा दी— तो किस्मत नहीं, उसकी लगातार की गई कोशिशें जीत गयीं। उसे आई.एम.ए. में प्रवेश मिला।

सच ही कहते हैं— 'अगर कुछ पाने का जुनून हो, तो पूरी कायनात आपको उसे दिलाने की कोशिश में लग जाती है। '

हर कोशिश जीत के और करीब ले जाती है। भाग्य इंतज़ार करवा सकता है पर कर्म दरवाज़ा खोलता है।

व्यंग्य केसरी

भारत महान : लाइन में लगो, मुस्कुराओ!

भारत एक अद्भुत देश है। यहाँ आदमी पैदा होते ही दो चीज़ें सीख जाता है—पहली, जुगाड़; दूसरी, लाइन में लगना। अस्पताल में जन्म लेते ही बच्चा शायद यही सोचता होगा— 'किस लाइन में आया हूँ भाई?

हमारे यहाँ हर चीज़ का अपना गौरवशाली इतिहास है। सड़क पर गड्ढे हों तो कहा जाता है— 'ये विकास के प्रारंभिक लक्षण हैं।' बिजली चली जाए तो लोग मोमबत्ती जलाकर राष्ट्रभक्ति महसूस करने लगते हैं। पानी न आए तो समझ लीजिए सरकार आपको योग और संयम सिखा रही है।

भारत में चुनाव किसी त्योहार से कम नहीं होते। नेता जी पाँच साल तक जनता को भूलकर विदेशों में 'देशहित' सोचते रहते हैं, फिर चुनाव आते ही अचानक उन्हें गरीबों के घर की चाय बहुत स्वादिष्ट लगने लगती है। जिस नेता को पाँच साल तक अपने क्षेत्र का रास्ता नहीं पता होता, वह चुनाव से पहले हर गली में ऐसे घूमता है जैसे वहीं पैदा हुआ हो।

यहाँ भाषणों में देश चाँद पर पहुँच चुका है, लेकिन मोहल्ले की नाली अभी भी स्वतंत्रता संग्राम लड़ रही होती है। नेता कहते हैं— 'हमने देश बदल दिया।' जनता सोचती है— 'हाँ, पेट्रोल के दाम देखकर तो लग ही रहा है।

भारतीय ट्रैफिक अपने आप में विश्व धरोहर है। लाल बत्ती यहाँ केवल सजावट के लिए होती है। बाइक वाला ऐसे निकलता है जैसे वीडियो गेम खेल रहा हो। कार वाला हॉर्न बजाकर मानता है कि सड़क उसके पिताजी की निजी संपत्ति है। और अगर कोई नियम से गाड़ी चला दे, तो बाकी लोग उसे शक की नज़र से देखते हैं— 'लगता है नया-नया लाइसेंस बना है!

हमारे देश में सलाह मुफ्त मिलती है। आपको खाँसी हो जाए तो पड़ोसी हल्दी वाला दूध लेकर पहुँच जाएगा। बेरोजगार हों तो रिश्तेदार कहेंगे— 'सरकारी नौकरी की तैयारी करो।' और अगर नौकरी मिल जाए, तो वही लोग पूछेंगे— 'बस इतनी ही तनख्वाह? '

भारत में सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को विशेषज्ञ बना दिया है। सुबह क्रिकेट का कोच, दोपहर में अर्थशास्त्री और शाम होते-होते विदेश नीति का सलाहकार। व्हाट्सऐप यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर तो ऐसे ज्ञान बाँटते हैं कि न्यूटन भी कब्र में करवट बदल ले।

फिर भी, इस देश में कुछ ऐसा है जो लोगों को बाँधे रखता है। यहाँ त्योहारों में गली चमक उठती है, दुख में पड़ोसी साथ खड़ा मिलता है, और चाय की दुकान पर बैठे लोग दुनिया की सबसे बड़ी समस्याएँ पाँच मिनट में हल कर देते हैं।

भारत विरोधाभासों का देश है—जहाँ आदमी ट्रैफिक में गाली भी देता है और मंदिर पहुँचकर शांति की प्रार्थना भी करता है। यहाँ लोग सरकार को कोसते भी हैं और अगले दिन उसी नेता के साथ सेल्फी लेने के लिए लाइन में भी लग जाते हैं। सच तो यह है कि भारत केवल एक देश नहीं, बल्कि एक स्थायी व्यंग्य है— जिस पर हम सब हँसते भी हैं, झुंझलाते भी हैं, और फिर गर्व से कहते हैं— 'मेरा भारत महान!

अशोक मतवाला
107 सनसेट ड्राइव
टेक्सास अमेरिका

इतिहास

इतिहास के पन्ने पलटते हुए आज हम नौ मई तक आ पहुंचे हैं। यह दिन कई मायने में खास है। मुगल बादशाह शाहजहां द्वारा अपनी बेगम मुमताज महल की याद में बनाया गया मोहब्बत का अजीम शाहकार ताजमहल नौ मई के दिन ही बनकर पूरा हुआ था। इसके अलावा नौ मई का दिन एक दुखद घटना का गवाह भी बना जब 1993 में आज के दिन ही दक्षिण अमेरिकी देश इक्वाडोर के नाम्बिजा क्षेत्र में भूस्खलन से तीन सौ लोगों की मौत हुई। देश-दुनिया के इतिहास में नौ मई की तारीख पर दर्ज अन्य महत्वपूर्ण घटनाओं का सिलसिलेवार ब्योरा इस प्रकार है

1502: दुनिया के सबसे बड़े खोजी यात्री और नयी दुनिया के खोजकर्ता माने जाने वाले क्रिस्टोफर कोलंबस ने एशिया का रास्ता तलाश करने के लिए स्पेन के कादिज से अपनी चौथी यात्रा शुरू की।

1540: कई सालों तक मुगल शासक अकबर से संघर्ष करने वाले मेवाड़ के महाराणा प्रताप का जन्म।

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने के चलते शेयर बाजार लाल निशान में बंद, सेंसेक्स 516 अंक लुढ़का

मुंबई। अमेरिका और ईरान के बीच नए सिरे से तनाव बढ़ने के कारण नकारात्मक वैश्विक संकेतों के चलते हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। यह लगातार दूसरा कारोबारी सत्र है जब प्रमुख बेंचमार्क निफ्टी50 और सेंसेक्स में गिरावट देखी गई।

इस दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 516.33 अंकों यानी 0.66 प्रतिशत की गिरावट के साथ 77,328.19 पर बंद हुआ, तो वहीं एनएसई निफ्टी50 150.50 अंक (0.62 प्रतिशत) गिरकर 24,176.15 पर पहुंच गया।

दिन के दौरान, सेंसेक्स 77,631.94 पर खुलकर एक समय 77,146.43 के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया था। वहीं निफ्टी 24,233.65 पर खुलकर 24,126.65 के इंट्रा-डे लो पर पहुंच गया। व्यापक बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.15 प्रतिशत की गिरावट आई तो वहीं निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 0.22 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

विभिन्न सेक्टर्स की बात करें तो निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा 1.21 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली। इसके अलावा, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी मीडिया, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी पीएसयू बैंक में 3.06 प्रतिशत, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 1.52 प्रतिशत, निफ्टी मेटल में 0.87 प्रतिशत, निफ्टी प्राइवेट बैंक में 0.82 प्रतिशत, निफ्टी ऑयल एंड गैस में 0.94 प्रतिशत और निफ्टी ऑटो में 0.29 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

निफ्टी 50 पैक में टाइटन, अपोलो हॉस्पिटल, एशियन पेंट्स, टाटा कंज्यूमर, अदाणी पोर्ट्स, इंफोसिस और एचसीएल टेक के शेयरों में करीब 4.8 प्रतिशत से 1.3 प्रतिशत तक की तेजी देखने को मिली, और ये टॉप गेनर्स की लिस्ट में शामिल रहे, जबकि सबसे ज्यादा एसबीआई के शेयरों में 6.7 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इसके साथ ही कोल इंडिया, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, ओएनजीसी और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर भी गिरावट के साथ ट्रेड करते नजर आए।

शुक्रवार के कारोबारी सत्र में बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल मार्केट कैप पिछले सत्र के 475 लाख करोड़ रुपए से घटकर 473 लाख करोड़ रुपए हो गया। यानी एक दिन में निवेशकों के करीब 2 लाख करोड़ रुपए डूब गए।

एसबीआई का मुनाफा वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में बढ़कर 19,684 करोड़ रुपए रहा

मुंबई। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने शुक्रवार को वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए। बैंक का स्टैंडअलोन मुनाफा सालाना आधार पर 5.6 प्रतिशत बढ़कर 19,683.75 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पिछले वित्त वर्ष में समान तिमाही में 18,642.59 करोड़ रुपए था।

कंपनी के कंसोलिडेटेड मुनाफे में सालाना आधार पर मामूली 1.1 प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली है और यह मार्च तिमाही में 20,161.30 करोड़ रुपए रहा है, जो कि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 19,941.39 करोड़ रुपए पर था। बैंक का परिचालन मुनाफा सालाना आधार पर 11.45 प्रतिशत और तिमाही आधार पर 15.7 प्रतिशत कम होकर 27,704 करोड़ रुपए रहा।

मार्च तिमाही में एसबीआई की शुद्ध ब्याज से आय 4.1 प्रतिशत बढ़कर 44,380 करोड़ रुपए हो गई है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 42,618 करोड़ रुपए थी। एसबीआई का घरेलू शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) घटकर 2.93 प्रतिशत हो गया, जो वार्षिक आधार पर 21 आधार अंक और पिछली तिमाही से 18 आधार अंक कम है। तिमाही के दौरान परिसंपत्ति गुणवत्ता में और सुधार हुआ। सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) वार्षिक आधार पर 4.46 प्रतिशत घटकर 73,452 करोड़ रुपए रह गई, जिससे सकल एनपीए अनुपात एक वर्ष पहले के 1.82 प्रतिशत से सुधरकर 1.49 प्रतिशत हो गया। शुद्ध एनपीए अनुपात में भी मामूली क्रमिक वृद्धि के बावजूद सुधार होकर यह 0.39 प्रतिशत हो गया, जबकि एक वर्ष पहले की इसी तिमाही में यह 0.47 प्रतिशत था। नतीजों पर एसबीआई चेयरमैन सीएस शेट्टी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि हमारे विदेश में मौजूद शाखाएं अच्छा प्रदर्शन कर रही है और उनके एडवांस में सालाना आधार पर 20 प्रतिशत (डॉलर में 8 प्रतिशत) की बढ़ोतरी हुई है। वहीं, वित्त वर्ष 26 में घरेलू क्रेडिट-डिपॉजिट रेश्यो 73.08 प्रतिशत पर रहा है। इसमें 3.37 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

उन्होंने कहा कि बैंक के पास भविष्य की क्रेडिट मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। साथ ही ग्रॉस एनपीए कम बना हुआ है और दो दशकों के निचले स्तर पर है।

नतीजों के बाद एसबीआई के शेयर में तेज गिरावट देखी गई और यह 6.74 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,018.40 रुपए पर बंद हुआ।

स्विगी का वित्त वर्ष 2025-26 में घाटा 33 प्रतिशत बढ़कर 4,154 करोड़ रुपए पहुंचा

मुंबई। ऑनलाइन खाना डिलीवर करने वाली कंपनी स्विगी लिमिटेड ने शुक्रवार को अपनी चौथी तिमाही के नतीजे जारी करते हुए बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में उसका कुल शुद्ध घाटा बढ़कर 4,154 करोड़ रुपए हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष में कंपनी का घाटा 3,117 करोड़ रुपए था।

हालांकि, 31 मार्च 2026 को समाप्त चौथी तिमाही में कंपनी का घाटा घटकर 800 करोड़ रुपए रह गया, जो पिछले साल की इसी तिमाही में 1,081 करोड़ रुपए था।

ऑनलाइन फूड और ग्रॉसरी डिलीवरी प्लेटफॉर्म ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में परिचालन से उसकी आय (रेवेन्यू) 45 प्रतिशत बढ़कर 6,383 करोड़ रुपए पहुंच गई, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 4,410 करोड़ रुपए थी।

वहीं, कंपनी की कुल आय 46.74 प्रतिशत बढ़कर 6,649 करोड़ रुपए रही, जो एक साल पहले इसी अवधि में 4,531 करोड़ रुपए थी।

कंपनी के खर्चों की बात करें तो विज्ञापन और बिक्री प्रमोशन पर खर्च बढ़कर 1,577 करोड़ रुपए हो गया। यह पिछले साल की समान अवधि के 1,161 करोड़ रुपए की तुलना में 36 प्रतिशत ज्यादा है।

स्विगी के प्रबंध निदेशक और समूह मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) श्रीहरशा मजेटी ने कहा कि कंपनी की क्विक कॉमर्स सेवा इंस्टामार्ट अब यूनिट इकॉनॉमिक्स सुधारने और परिचालन क्षमता मजबूत करने पर ध्यान दे रही है।

उन्होंने कहा, 'क्विक कॉमर्स के अगले चरण में केवल ग्राहकों की जरूरत पूरी करना ही नहीं, बल्कि उनकी जरूरतों का पहले से अनुमान लगाना महत्वपूर्ण होगा। हमारी यूनिट इकॉनॉमिक्स हर तिमाही में बेहतर हो रही है और हम तय समयसीमा के अनुसार योगदान मार्जिन ब्रेकईवन की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

इंस्टामार्ट का ग्रॉस ऑर्डर वैल्यू यानी जीओवी तिमाही के दौरान सालाना आधार पर 68.8 प्रतिशत बढ़कर 7,881 करोड़ रुपए पहुंच गया। वहीं, फूड डिलीवरी कारोबार में जीओवी 9,005 करोड़ रुपए रहा और कुल ऑर्डर संख्या 18.3 मिलियन तक पहुंच गई।

इस बीच, शुक्रवार को स्विगी के शेयर बीएसई पर 0.68 प्रतिशत की बढ़त के साथ 281.30 रुपए पर बंद हुए। कंपनी के शेयर ने पिछले 52 हफ्तों में 473 रुपए का उच्चतम और 256.40 रुपए का न्यूनतम स्तर छुआ है।

भारतीय निर्माण उपकरण उद्योग के निर्यात में वित्त वर्ष 2026 में 31.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2026 में भारत का निर्माण उपकरण उद्योग मजबूत बना रहा और घरेलू बिक्री में गिरावट के बावजूद निर्यात में 31.5 प्रतिशत की जोरदार वृद्धि दर्ज की गई। यह जानकारी एक रिपोर्ट में शुक्रवार को दी गई।

इंडियन कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईसीईएमए) की रिपोर्ट में कहा गया है कि बुनियादी ढांचे के धीमे निर्माण और परियोजनाओं में देरी के बावजूद निर्यात में वृद्धि ने इस क्षेत्र को मजबूत बनाए रखने में मदद की है।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा निर्माण उपकरण बाजार बना हुआ है। वित्त वर्ष 2025 में इस क्षेत्र का अनुमानित मूल्य 10 अरब डॉलर था और 2030 तक 8.3 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़कर 14.76 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।

वित्तीय वर्ष के दौरान कुल उपकरणों की बिक्री में लगभग 2 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 1,36,995 यूनिट रह गई। एसोसिएशन ने बताया कि गैर-ओईएम निर्यात को छोड़कर, घरेलू मांग में अधिकांश उपकरण श्रेणियों में लगभग 7 प्रतिशत की वार्षिक गिरावट दर्ज की गई।

आईसीईएमए के अध्यक्ष और जेसीबी इंडिया लिमिटेड के सीईओ एवं प्रबंध निदेशक दीपक शेट्टी ने कहा, 'वित्त वर्ष 2026 में देखी गई मामूली गिरावट को उद्योग की किसी संरचनात्मक कमजोरी के बजाय जमीनी स्तर पर बुनियादी ढांचे के धीमे क्रियान्वयन के संदर्भ में देखा जाना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा, 'हालांकि सरकारी पूंजीगत व्यय आवंटन ऐतिहासिक रूप से उच्च स्तर पर बना हुआ है, लेकिन परियोजना क्रियान्वयन में देरी, भूमि अधिग्रहण संबंधी चुनौतियां और धीमी वितरण प्रक्रिया ने वर्ष के दौरान उपकरणों की मांग को प्रभावित किया।

शेट्टी ने कहा कि निर्यात वृद्धि ने भारतीय निर्मित निर्माण उपकरणों की बढ़ती वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को दिखाया है और एसोसिएशन भारत के निरंतर बुनियादी ढांचे के विकास पर केंद्रित प्रयासों से प्रेरित उद्योग के दीर्घकालिक विकास पथ के प्रति आश्वस्त है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भूमि अधिग्रहण में देरी, परियोजनाओं के कम आवंटन और जल जीवन मिशन जैसे कार्यक्रमों के लिए निधि वितरण में कमी से घरेलू मांग प्रभावित हुई। इसके अलावा, ठेकेदारों के भुगतान में देरी से बुनियादी ढांचा क्षेत्र में तरलता कम हो गई और उद्योग की वित्तपोषण पर उच्च निर्भरता को देखते हुए सीईवी स्टेज वी उत्सर्जन मानदंडों के लागू होने से उपकरणों की लागत में काफी वृद्धि हुई।

आईसीईएमए के उपाध्यक्ष और केस कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के भारत और सार्क के प्रबंध निदेशक, शलभ चतुर्वेदी ने कहा, 'भारत की बुनियादी ढांचा विकास गाथा मजबूत बनी हुई है। परियोजनाओं का समय पर निष्पादन, जमीनी स्तर पर तेजी से कार्यान्वयन और ठेकेदारों के लिए बेहतर तरलता सहायता इस क्षेत्र के विकास की गति को बहाल करने में महत्वपूर्ण होगी। एसोसिएशन ने कहा कि भारतीय निर्माण उपकरण उद्योग सड़कों, रेलवे, खनन, शहरी बुनियादी ढांचे, आवास और ग्रामीण विकास में निरंतर निवेश से प्रेरित होकर दीर्घकालिक विकास संभावनाओं के प्रति आशावादी बना हुआ है। निर्यात का मजबूत आधार, सुदृढ़ घरेलू विनिर्माण प्रणाली और अवसंरचना विकास पर सरकार का निरंतर ध्यान आने वाले वर्षों में उद्योग की निरंतर वृद्धि को समर्थन देने की उम्मीद है।

हुंडई मोटर इंडिया का चौथी तिमाही का मुनाफा 22 प्रतिशत घटकर 1,255.6 करोड़ रुपए रहा

मुंबई। हुंडई मोटर इंडिया ने शुक्रवार को वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए, जिसमें कंपनी के समेकित शुद्ध मुनाफे में 22.2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, और उसका मुनाफा घटकर 1,255.6 करोड़ रुपए रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 1,614.3 करोड़ रुपए था।

हालांकि, स्टॉक एक्सचेंज में कंपनी ने बताया कि जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान उसकी परिचालन आय (रेवेन्यू) 5.4 प्रतिशत बढ़कर 18,916.15 करोड़ रुपए पहुंच गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 17,940.28 करोड़ रुपए थी।

कंपनी ने बताया कि तिमाही के दौरान उसके खर्च आय की तुलना में ज्यादा तेजी से बढ़े। कुल खर्च सालाना आधार पर 10 प्रतिशत बढ़कर 17,571.7 करोड़ रुपए हो गया, जिसका मुख्य कारण तैयार माल, प्रगति पर कार्य और स्टॉक-इन-ट्रेड की इन्वेंट्री में बदलाव रहा।

कंपनी के परिचालन प्रदर्शन पर भी दबाव देखने को मिला। ईबीआईटीडीए 22.4 प्रतिशत घटकर 1,966 करोड़ रुपए रह गया, जो पिछले साल इसी तिमाही में 2,532.7 करोड़ रुपए था।

वहीं, ईबीआईटीडीए मार्जिन भी घटकर 10.4 प्रतिशत रह गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 14.1 प्रतिशत था।

मार्जिन पर दबाव के बावजूद हुंडई मोटर इंडिया ने तिमाही के दौरान मजबूत बिक्री प्रदर्शन का दावा किया। कंपनी ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में उसने घरेलू बाजार में अब तक की सबसे ज्यादा तिमाही बिक्री दर्ज की।

कंपनी के थोक बिक्री वॉल्यूम में सालाना आधार पर 8.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जिसमें जीएसटी 2.0 सुधारों और विभिन्न उत्पाद रणनीतियों का बड़ा योगदान रहा।

ऑटो कंपनी ने बताया कि ग्रामीण बाजार में उसकी हिस्सेदारी तिमाही के दौरान रिकॉर्ड 25 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो ग्रामीण भारत में कंपनी की बढ़ती पहुंच को दर्शाता है। कंपनी के सीएनजी पोर्टफोलियो का योगदान भी रिकॉर्ड 18 प्रतिशत तक पहुंच गया। इसका कारण उपभोक्ताओं के बीच सीएनजी वाहनों की बढ़ती मांग और कमर्शियल मोबिलिटी सेगमेंट में कंपनी का विस्तार बताया गया।

भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बावजूद कंपनी का निर्यात प्रदर्शन मजबूत रहा। हुंडई मोटर इंडिया ने बताया कि चौथी तिमाही में निर्यात में सालाना आधार पर 9.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जबकि पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में निर्यात 16.4 प्रतिशत बढ़ा।

कंपनी ने कहा कि उसे वित्त वर्ष 2026-27 में घरेलू और निर्यात, दोनों बाजारों में 8-10 प्रतिशत तक वॉल्यूम वृद्धि की उम्मीद है, जिसमें नए उत्पाद, नेटवर्क विस्तार और बाजार विविधीकरण योजनाएं मददगार होंगी। कंपनी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी तरुण गर्ग ने कहा, 'भारत में संचालन के 30 साल पूरे होने पर हमें ग्राहक भरोसे, नवाचार और लगातार बेहतर प्रदर्शन पर आधारित मजबूत नींव पर गर्व है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 चुनौतीपूर्ण माहौल के बावजूद अवसरों का लाभ उठाने वाला साल रहा। जीएसटी 2.0 सुधार, रणनीतिक उत्पाद हस्तक्षेप, मजबूत निर्यात और 'क्वालिटी ऑफ ग्रोथ' पर फोकस ने कंपनी को आगे बढ़ने में मदद की।

दो दिन में 97 लाख से ज्यादा घरेलू एलपीजी सिलेंडर की डिलीवरी, ऑनलाइन बुकिंग 99 प्रतिशत पहुंची: सरकार

नई दिल्ली। सरकार ने शुक्रवार को बताया कि पिछले दो दिनों में करीब 87.66 लाख सिलेंडर बुकिंग के मुकाबले 97 लाख से ज्यादा घरेलू एलपीजी सिलेंडर की डिलीवरी की गई। वहीं, रसोई गैस की ऑनलाइन बुकिंग बढ़कर 99 प्रतिशत तक पहुंच गई है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि घरेलू एलपीजी की सप्लाई पूरी तरह सामान्य है। उपभोक्ताओं के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर भेजे गए ऑथेंटिकेशन कोड के आधार पर 95 प्रतिशत डिलीवरी की जा रही है, ताकि डिस्ट्रीब्यूटर स्तर पर गैस की हेराफेरी रोकी जा सके। पश्चिम एशिया संकट के कारण सप्लाई में आई दिक्कतों के बावजूद किसी भी रिटेल गैस एजेंसी पर गैस खत्म होने की स्थिति सामने नहीं आई है।

पिछले दो दिनों में करीब 1.11 लाख छोटे 5 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर भी बेचे गए। 3 अप्रैल से अब तक सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने 10,700 से ज्यादा जागरूकता शिविर लगाए हैं, जिनमें शहरी इलाकों में काम करने वाले प्रवासी मजदूरों को छोटे सिलेंडर के उपयोग के बारे में जानकारी दी जा रही है।

इसके अलावा, पिछले दो दिनों में 15,493 मीट्रिक टन से ज्यादा कमर्शियल एलपीजी की बिक्री हुई, जो 19 किलोग्राम वाले करीब 8.15 लाख सिलेंडरों के बराबर है। आईओसीएल, एचपीसीएल और बीपीसीएल के कार्यकारी निदेशकों की तीन सदस्यीय समिति राज्य सरकारों और उद्योग संगठनों के साथ मिलकर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कमर्शियल एलपीजी बिक्री की योजना तय कर रही है।

करीब 6.5 लाख पीएनजी कनेक्शन में गैस सप्लाई शुरू की जा चुकी है और अतिरिक्त 2.66 लाख कनेक्शन के लिए बुनियादी ढांचा तैयार किया गया है। इसके साथ कुल पीएनजी कनेक्शन की संख्या 9.16 लाख तक पहुंच गई है। वहीं, 7.08 लाख नए ग्राहकों ने नए कनेक्शन के लिए पंजीकरण कराया है।

बयान में आगे कहा गया है कि एलपीजी की जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए देश भर में लगातार कार्रवाई जारी है। गुरुवार को पूरे देश में 2,000 से ज्यादा छापेमारी की गई।

गुजरात ने बढ़ाई बैटरी ऊर्जा स्टोरेज क्षमता, 870 मेगावाट तक पहुंचा नेटवर्क

गांधीनगर। गुजरात ने नवीकरणीय ऊर्जा के उतार-चढ़ाव वाले उत्पादन को नियंत्रित करने और ग्रिड की स्थिरता को मतबूत करने के व्यापक प्रयासों के तहत पांच चालू स्थानों पर अपनी बैटरी ऊर्जा स्टोरेज क्षमता को बढ़ाकर 870 मेगावाट कर दिया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

राज्य की यह नई क्षमता वृद्धि, बैटरी ऊर्जा स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) को जल्दी अपनाने की उसकी पहल पर आधारित है। इसकी शुरुआत सबसे पहले मेहसाणा जिले के मोढेरा में हुई थी, जिसे भारत के पहले सौर-ऊर्जा संचालित गांव के रूप में मान्यता प्राप्त है, जहां सौर ऊर्जा उत्पादन को बैटरी स्टोरेज के साथ एकीकृत किया गया था। गुजरात ने इसी मॉडल का अनुसरण करते हुए धीरे-धीरे कई स्थानों पर स्टोरेज इंफ्रास्ट्रक्चर की तैनाती का विस्तार किया है। अधिकारियों के मुताबिक, अब राज्य भर में पांच स्थानों पर बैटरी स्टोरेज सिस्टम चालू हैं। हाल ही में चालू की गई सुविधाओं में अहमदाबाद जिले की साणंद तालुका के चारल स्थित एक सुविधा भी शामिल है।

अन्य चालू स्थानों में मोढेरा और कच्छ स्थित लखपत शामिल हैं, जिससे कुल स्थापित क्षमता 870 मेगावाट तक पहुंच गई है। यह विस्तार, राज्य की नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण रणनीति के तहत पहले चरणबद्ध तरीके से की गई स्थापनाओं के बाद किया गया है। मौजूदा परियोजनाओं के अलावा, अहमदाबाद, गांधीनगर, बनासकांठा, पाटन और कच्छ जिलों में 13 नई बैटरी स्टोरेज परियोजनाओं का पंजीकरण किया गया है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य स्टोरेज क्षमता को और मजबूत करना तथा ग्रिड में नवीकरणीय ऊर्जा के एकीकरण को बढ़ावा देना है, क्योंकि सौर और पवन स्रोतों से ऊर्जा उत्पादन लगातार बढ़ रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि बैटरी स्टोरेज के विस्तार का मुख्य उद्देश्य नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन, विशेष रूप से सौर ऊर्जा के उत्पादन में होने वाले उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करना है। सौर ऊर्जा का उत्पादन दिन के समय अपने चरम पर होता है, लेकिन शाम के समय इसमें गिरावट आ जाती है, जबकि आमतौर पर इसी समय बिजली की मांग बढ़ जाती है।

वैश्विक प्रयास धीमे, नवजात मृत्युदर चिंता का विषयः यूएन रिपोर्ट

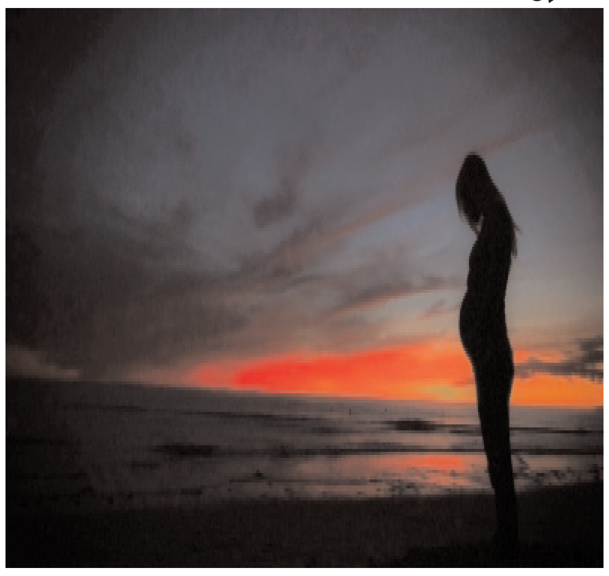

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की एक हालिया रिपोर्ट नवजात मृत्युदर की दुखद तस्वीर पेश करती है। ये कहती है कि नवजात मौतों को कम करने की वैश्विक मुहिम अब धीमी पड़ती जा रही है, जिससे लाखों बच्चों की जान पर खतरा बना हुआ है। यह रिपोर्ट 17 मार्च 2026 को जारी की गई।

रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में करीब 23 लाख नवजातों की मौत हुई (एक अनुमान के अनुसार स्थिति अब भी बदली नहीं है)। ये वे बच्चे हैं जो मात्र 28 दिन या उससे कम के होते हैं। पिछले दो दशकों में पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मौतों में कमी आई थी, लेकिन नवजातों के मामले में यह गिरावट उतनी तेज नहीं रही। यही वजह है कि अब कुल बाल मृत्यु दर में नवजातों की हिस्सेदारी बढ़ती जा रही है।

विशेषज्ञों का मानना है कि नवजात मृत्यु दर को कम करना एक जटिल चुनौती है, क्योंकि इसमें स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, समय पर देखभाल और संसाधनों की उपलब्धता जैसे कई कारक शामिल होते हैं। खासकर निम्न और मध्यम आय वाले देशों में स्थिति ज्यादा गंभीर है, जहां स्वास्थ्य ढांचा पहले से ही कमजोर है।

अफ्रीकी देशों में हालात सबसे ज्यादा चिंताजनक हैं, जहां हर साल लगभग 11 लाख नवजात अपनी जान गंवा देते हैं। मौतों के पीछे प्रमुख कारणों में समय से पहले जन्म, प्रसव संबंधी जटिलताएं और संक्रमण शामिल हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इनमें से बड़ी संख्या में मौत रोकी जा सकती है, अगर गर्भावस्था और जन्म के समय उचित देखभाल सुनिश्चित की जाए।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि पिछले कुछ वर्षों में इस क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय फंडिंग में कमी आई है। साथ ही कई देशों में राजनीतिक प्राथमिकताओं में बदलाव के चलते मातृ और शिशु स्वास्थ्य को उतना महत्व नहीं मिल पा रहा है। कोविड-19 महामारी और वैश्विक आर्थिक दबाव ने भी स्वास्थ्य सेवाओं पर अतिरिक्त असर डाला, जिससे प्रगति और धीमी हो गई।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, नवजातों की जान बचाने के लिए बड़े और जटिल उपायों की जरूरत नहीं है, बल्कि बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना ही सबसे प्रभावी कदम हो सकता है। इसमें प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की मौजूदगी में सुरक्षित प्रसव, जन्म के तुरंत बाद शिशु की देखभाल और संक्रमण से बचाव के उपाय शामिल हैं। रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि अगर सरकारें और अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं इस दिशा में तुरंत ठोस कदम नहीं उठातीं, तो 2030 तक शिशु मृत्यु दर घटाने के वैश्विक लक्ष्य हासिल करना मुश्किल हो सकता है।

नींद में 'जेंडर गैप'! क्यों महिलाएं सोती हैं कम?

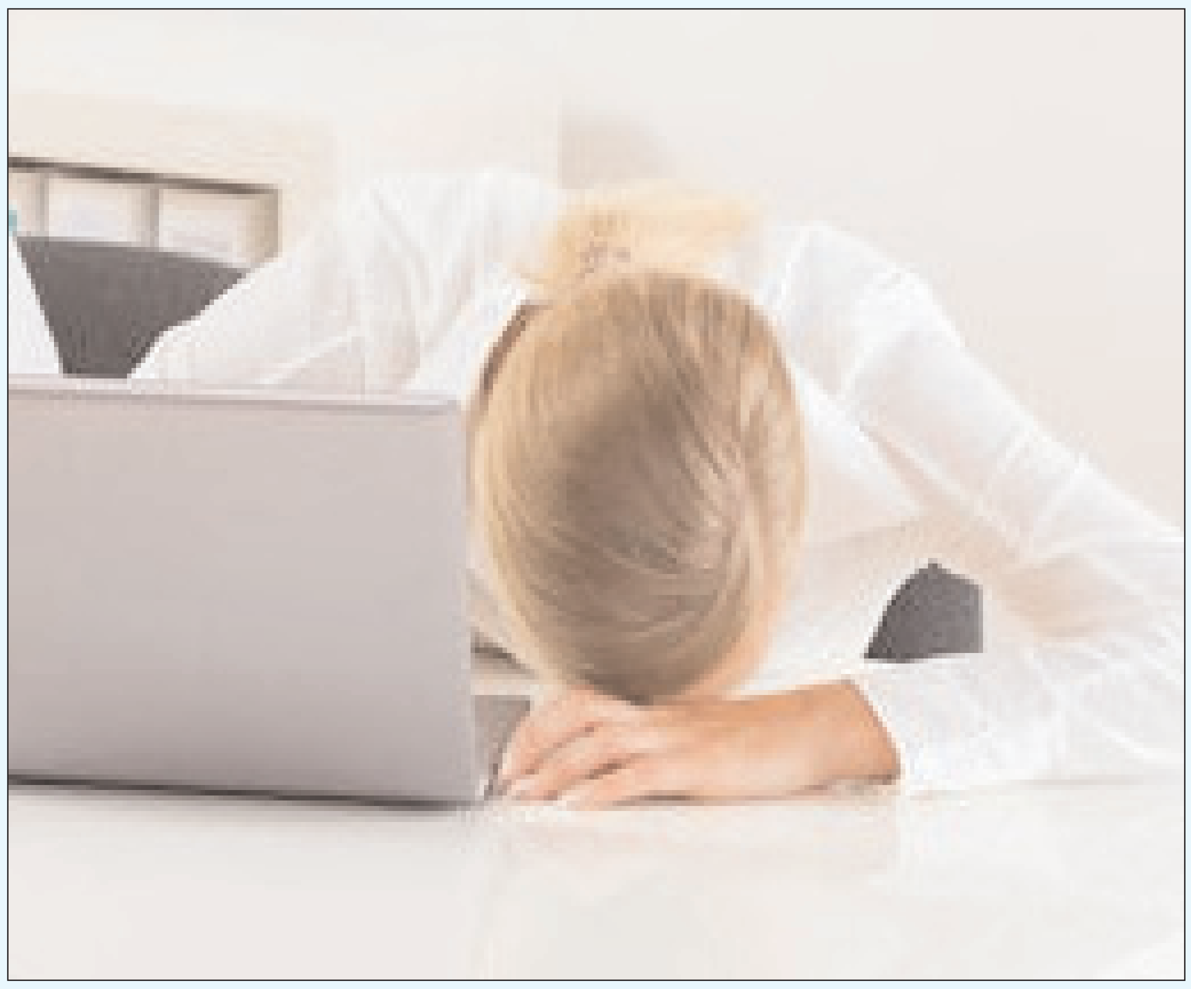

नई दिल्ली। दुनियाभर में किए गए कई अध्ययनों से एक अहम और दिलचस्प तथ्य सामने आया है कि महिलाओं और पुरुषों की नींद में स्पष्ट अंतर है, जिसे 'जेंडर स्लीप गैप' कहा जा रहा है। यह सिर्फ नींद की मात्रा का फर्क नहीं है, बल्कि उसकी गुणवत्ता और उससे जुड़े मानसिक प्रभावों का भी मामला है।

2017 के एक अध्ययन के अनुसार, 45 साल से कम उम्र की केवल 48 फीसदी माताएं ही रोजाना कम से कम 7 घंटे की नींद ले पाती हैं, जबकि बिना बच्चों वाली 62 फीसदी महिलाएं इतनी नींद लेती हैं। इससे यह साफ होता है कि मातृत्व महिलाओं की नींद पर गहरा असर डालता है।

इसी तरह 2025 में 'स्लीप साइकल' की एक वैश्विक रिपोर्ट में पाया गया कि 57 फीसदी महिलाएं औसतन सामान्य मूड के साथ जागती हैं, जो पुरुषों के मुकाबले करीब तीन अंक कम है। यह अंतर भले ही छोटा लगे, लेकिन यह लगातार नींद की कमी और खराब गुणवत्ता की ओर इशारा करता है।

महिलाओं की नींद अक्सर बार-बार टूटती है और उन्हें गहरी नींद कम मिलती है, जिससे शरीर और दिमाग को पूरा आराम नहीं मिल पाता। इसके पीछे एक बड़ा कारण जीवन के अलग-अलग चरणों में होने वाले हार्मोनल बदलाव हैं, जैसे मासिक धर्म, गर्भावस्था और मेनोपॉज, जो नींद के पैटर्न को प्रभावित करते हैं। इसके साथ ही सामाजिक कारण भी उतने ही अहम हैं। परिवार और बच्चों की देखभाल, घर और काम के बीच संतुलन, और लगातार रहने वाला मानसिक दबाव महिलाओं की नींद को और कमजोर कर देता है।

विशेषज्ञ मानते हैं कि महिलाओं का दिमाग दिनभर अधिक मल्टीटास्किंग और भावनात्मक प्रोसेसिंग करता है, जिसके कारण उन्हें रिकवरी के लिए पुरुषों की तुलना में ज्यादा नींद की जरूरत होती है।

लेकिन जब यह जरूरत पूरी नहीं होती, तो इसका असर उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर साफ दिखाई देता है।

लगातार नींद की कमी से महिलाओं में थकान, चिड़चिड़ापन, तनाव, हार्मोनल असंतुलन और दिल तथा मेटाबॉलिक बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। ऐसे में 'जेंडर स्लीप गैप' को समझना और इसे कम करने के लिए जागरूकता बढ़ाना बेहद जरूरी है, क्योंकि अच्छी नींद केवल आराम नहीं, बल्कि बेहतर स्वास्थ्य की बुनियाद है।

क्या पिनराई विजयन केरल में विपक्ष के नेता के रूप में वापसी करेंगे? इस पद के प्रमुख दावेदार कौन हैं?

केरल विधानसभा चुनाव में यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) की भारी जीत के बाद भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) इस पर विचार कर रही है कि विपक्ष का नेता कौन होगा।

हालांकि अंतिम घोषणा जल्द होने की उम्मीद है, लेकिन दौड़ अब मुख्य रूप से पिनराई विजयन और के. एन. बालगोपाल के बीच सिमट गई है।

विपक्ष के नेता के दावेदार

पिनराई विजयन (निवर्तमान मुख्यमंत्री)

पार्टी में 'अविवादित नेतृत्व' माने जाने वाले विजयन इस पद के सबसे आगे माने जा रहे हैं। केरल में ऐसे उदाहरण रहे हैं, जहां ई. एम. एस. नंबूदरीपाद जैसे वरिष्ठ नेता मुख्यमंत्री रहने के बाद विपक्ष के नेता बने थे।

हालांकि पार्टी और सहयोगी दल के कुछ वर्ग 'नए चेहरों' की मांग कर रहे हैं और उनकी उम्र व स्वास्थ्य को लेकर चिंता जता रहे हैं।

के. एन. बालगोपाल (पूर्व वित्त मंत्री)

यदि विजयन यह जिम्मेदारी नहीं लेते हैं, तो बालगोपाल को स्वाभाविक विकल्प माना जा रहा है। वे उन चुनिंदा वरिष्ठ नेताओं में हैं, जिन्होंने यूडीएफ की लहर के बावजूद अपनी सीट बरकरार रखी।

विजयन के अलावा किसी भी विकल्प के लिए उनकी स्पष्ट सहमति जरूरी होगी, जिससे यह माना जा रहा है कि नया विपक्ष का नेता उनका करीबी ही होगा।

केरल विधानसभा चुनाव में क्या हुआ?

यूडीएफ ने ऐतिहासिक वापसी करते हुए 102 सीटें जीतीं।

वहीं वाम लोकतांत्रिक मोर्चा 35 सीटों पर सिमट गया, जिससे उसका एक दशक लंबा शासन समाप्त हो गया।

जहां मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी अपने विपक्ष के नेता का फैसला कर रही है, वहीं कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ 10 मई तक मुख्यमंत्री के चेहरे का ऐलान कर सकता है। इस दौड़ में वी. डी. सतीशन और के. सी. वेणुगोपाल प्रमुख दावेदार हैं।

केरल का मुख्यमंत्री कौन बनेगा?

नवनिर्वाचित विधायकों की राय जानने के लिए नियुक्त कांग्रेस पर्यवेक्षकों ने अपनी रिपोर्ट कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को सौंप दी है और अंतिम निर्णय लेने का आग्रह किया है।

सूत्रों के अनुसार, पार्टी के अधिकांश विधायक के. सी. वेणुगोपाल को मुख्यमंत्री बनाने के पक्ष में हैं, जबकि जनता का झुकाव वरिष्ठ नेता वी. डी. सतीशन की ओर बताया जा रहा है, जो पिछली विधानसभा में विपक्ष के नेता थे।

वेणुगोपाल और सतीशन के अलावा वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला भी मुख्यमंत्री पद की दौड़ में शामिल हैं। सूत्रों का कहना है कि अंतिम निर्णय से पहले तीनों दावेदारों से बातचीत की जाएगी। यह भी बताया जा रहा है कि वेणुगोपाल मुख्यमंत्री बनने के इच्छुक हैं और पार्टी नेतृत्व के साथ अपने प्रभाव का उपयोग कर रहे हैं। राहुल गांधी के साथ उनकी निकटता भी उनके पक्ष में जा सकती है।

'स्वर्ग' जैसे तियांगोंग के लिए चीन का नया कार्गो क्राफ्ट, नासा के छूटे पसीने! ड्रैगन का क्या है प्लान?

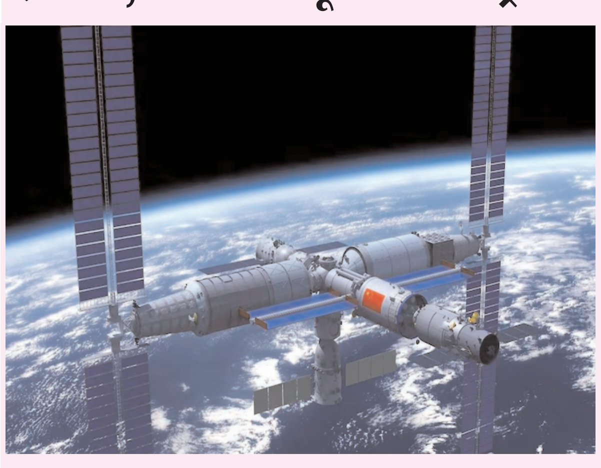

चीन की स्पेस एजेंसी ने हाल ही में अपने नए कार्गो मिशन तियानझोउ-10 को लॉन्च करने की घोषणा की है। इस कार्गो क्राफ्ट को लॉन्ग मार्च-7 रॉकेट के साथ वेनचांग लॉन्च साइट पर ले जाया गया है। यह साइट हैनान द्वीप पर स्थित है और फिलहाल वहां सभी उपकरण बिल्कुल सही स्थिति में काम कर रहे हैं। चीन इस मिशन के जरिए अपने स्पेस स्टेशन तियांगोंग के लिए रसद, ईंधन और रिसर्च का सामान भेजने वाला है। इससे पहले तियानझोउ-9 ने अपना काम पूरा कर लिया था और बुधवार को स्पेस स्टेशन से अलग होकर पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश किया। तियानझोउ-9 का मलबा सुरक्षित तरीके से समुद्र में गिराया गया। अब तियानझोउ-10 के लिए रास्ता साफ हो चुका है और जल्द ही इसे अंतरिक्ष की ओर रवाना किया जाएगा। यह मिशन चीन के उस बड़े सपने का हिस्सा है, जिसमें वह खुद को दुनिया की सबसे बड़ी स्पेस पावर के रूप में स्थापित करना चाहता है।

तियांगोंग स्पेस स्टेशन आखिर कब और कैसे बना?

चीन का अपना अंतरिक्ष स्टेशन 'तियांगोंग', जिसे 'स्वर्ग जैसा महल' भी कहा जाता है, एक लंबी योजना का नतीजा है। इस स्टेशन का निर्माण साल 2021 में शुरू हुआ था। चीन ने इसके तीन मुख्य मॉड्यूल को अलग-अलग समय पर लॉन्च किया। सबसे पहले 28 अप्रैल 2021 को 'तियान्हे' कोर मॉड्यूल लॉन्च किया गया।

इसके बाद 24 जुलाई 2022 को 'वेंटियान' और 31 अक्टूबर 2022 को 'मेंटियान' मॉड्यूल अंतरिक्ष में भेजे गए। 5 नवंबर 2022 को जब मेंटियान को अपनी स्थायी जगह पर फिट किया गया, तब यह स्टेशन पूरी तरह से तैयार हो गया।

चीन ने 1992 में ही अपने मानवयुक्त अंतरिक्ष कार्यक्रम को मंजूरी दे दी थी। तब से लेकर अब तक चीन ने चरणबद्ध तरीके से रिसर्च की और अपना रॉकेट और स्पेसक्राफ्ट विकसित किया। तियांगोंग स्टेशन पृथ्वी से करीब 340 से 450 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह लगभग उसी ऊंचाई पर है, जहां इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (इस्स) मौजूद है। हालांकि, यह आकार में आईएसएस से छोटा है, लेकिन तकनीक के मामले में इसे बेहद उन्नत माना जा रहा है।

चीन को अपना अलग स्पेस स्टेशन क्यों बनाना पड़ा?

अक्सर यह सवाल उठता है कि जब दुनिया के पास पहले से इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन मौजूद था, तो चीन ने अलग स्टेशन क्यों बनाया। इसका सबसे बड़ा कारण अमेरिकी राजनीति और सुरक्षा चिंताएं रहीं। साल 2011 में अमेरिकी कांग्रेस ने 'वोल्फ अमेंडमेंट' कानून पारित किया था। इस कानून के तहत नासा को चीनी अंतरिक्ष एजेंसी के साथ किसी भी तरह के सहयोग से रोक दिया गया।

अमेरिका को डर था कि चीन के अंतरिक्ष कार्यक्रम का सीधा संबंध उसकी सेना यानी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी से है। इस प्रतिबंध की वजह से चीन आईएसएस का हिस्सा नहीं बन सका।

चीन ने कभी भी आईएसएस में कदम नहीं रखा और उसे वहां से पूरी तरह बाहर रखा गया। ऐसे में चीन के पास एक ही रास्ता बचा था कि वह अपनी खुद की ताकत पर अंतरिक्ष स्टेशन खड़ा करे।

चीन ने इस चुनौती को अवसर में बदला और आज वह दुनिया का इकलौता ऐसा देश है, जिसके पास अपना खुद का पर्सनल स्पेस स्टेशन है। यह चीन के लिए आत्मसम्मान और तकनीकी आत्मनिर्भरता की जीत जैसा है।

तियानझोउ-10 कार्गो क्राफ्ट का मुख्य काम वहां रह रहे एस्ट्रोनॉट्स, यानी तायकोनॉट्स, के लिए सप्लाई चेन बनाए रखना है।

एस्परजिलोसिस को समझेंः शहरी भारत में पाया जाने वाला एक छिपा फेफड़ों का फंगल संक्रमण

तपेदिक, दमा, सीओपीडी और निमोनिया जैसी फेफड़ों और श्वसन से जुड़ी बीमारियां आम हैं। लेकिन एक और संक्रमण है जिसे एस्परजिलोसिस कहा जाता है, जो एक सामान्य पर्यावरणीय फंगस के कारण होता है। यह बीमारी दुनिया भर में बड़े पैमाने पर कम पहचानी जाती है।

डॉ. स्वप्निल मेहता, वरिष्ठ फेफड़ा रोग विशेषज्ञ, बताते हैं कि एस्परजिलोसिस फेफड़ों का एक फंगल संक्रमण है, जो 'एस्परजिलस' नामक फंगस से होता है। यह फंगस वातावरण में आमतौर पर पाया जाता है, लेकिन इसके बावजूद इस बीमारी की पहचान अक्सर नहीं हो पाती।

हर साल दुनिया भर में दस लाख से अधिक लोग इससे संक्रमित होते हैं। खासकर कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोग या पहले से फेफड़ों की पुरानी बीमारियों से ग्रस्त मरीज इसके अधिक शिकार होते हैं।

शहरी जीवनशैली भी इस संक्रमण के जोखिम को बढ़ा सकती है। भारत में तपेदिक, सीओपीडी, दमा और ब्रोंकिएक्टेसिस जैसी बीमारियों की अधिकता लोगों को क्रॉनिक पल्मोनरी एस्परजिलोसिस के प्रति संवेदनशील बनाती है। इसके अलावा तेज शहरी विकास, वायु प्रदूषण, नमी, एयर-कंडीशनिंग का अधिक उपयोग और धूल के संपर्क जैसे कारक भी फंगल बीजाणुओं के संपर्क का खतरा बढ़ाते हैं। एस्परजिलोसिस जितना समझा जाता है, उससे कहीं अधिक आम हो सकता है। इसका प्रभाव हल्की एलर्जी से लेकर जानलेवा स्थिति तक हो सकता है। भारत में हर साल इसके सैकड़ों हजार मामले सामने आते हैं, जिससे यह सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एक महत्वपूर्ण लेकिन कम आंका गया खतरा बन जाता है।

हालांकि गंभीर संक्रमण आमतौर पर कमजोर प्रतिरक्षा वाले लोगों में होता है, लेकिन अत्यधिक संपर्क होने पर स्वस्थ व्यक्ति भी संक्रमित हो सकते हैं।

शहरी परिस्थितियां जो जोखिम बढ़ाती हैं, उनमें हवा में मौजूद फंगल बीजाणु, प्रदूषण, निर्माण कार्य की धूल, घर के अंदर खराब वेंटिलेशन या नमी, एयर-कंडीशनर का लगातार उपयोग और धूम्रपान शामिल हैं। जिन लोगों को पहले से सांस से जुड़ी समस्याएं हैं या जिनकी प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर है, उनमें संक्रमण का खतरा अधिक होता है। आम तौर पर स्वस्थ लोग एस्परजिलस के बीजाणु सांस के साथ अंदर लेते हैं, लेकिन बीमार नहीं पड़ते। फिर भी कुछ स्थितियों में यह एलर्जिक एस्परजिलोसिस का कारण बन सकता है, खासकर दमा या एलर्जी वाले लोगों में। फेफड़ों में पुराने घाव या खाली स्थान होने पर इसके दीर्घकालिक रूप विकसित हो सकते हैं। गंभीर और आक्रामक एस्परजिलोसिस उन मरीजों में देखा जा सकता है जिनकी प्रतिरक्षा प्रणाली बहुत कमजोर होती है, जैसे कैंसर के मरीज, अंग प्रत्यारोपण करवाने वाले, लंबे समय तक स्टेरॉयड लेने वाले या गंभीर स्थिति में भर्ती मरीज। इलाज रोग के प्रकार और गंभीरता पर निर्भर करता है। एलर्जिक एस्परजिलोसिस में स्टेरॉयड और एंटी-फंगल दवाओं का उपयोग किया जाता है, जबकि अन्य मामलों में एंटी-फंगल दवाएं दी जाती हैं। कुछ मामलों में, जब फंगस का गुच्छा (फंगल बॉल) बार-बार खून बहने का कारण बनता है या दवाओं से ठीक नहीं होता, तब सर्जरी की जरूरत पड़ सकती है। इसके अलावा, फेफड़ों की मूल समस्या का इलाज, ऑक्सीजन थेरेपी और पल्मोनरी पुनर्वास दीर्घकालिक सुधार के लिए जरूरी होते हैं। इस बीमारी की पुनरावृत्ति को रोकना भी महत्वपूर्ण है। इसके लिए फेफड़ों की बीमारियों को नियंत्रित रखना, नमी और धूल वाले वातावरण से बचना, एंटी-फंगल दवाओं का पूरा कोर्स करना, नियमित जांच और जागरूकता बढ़ाना जरूरी है।

क्या अल्बर्टा कनाडा से अलग हो सकता है? तेल-समृद्ध प्रांत में अलगाव की मांग के पीछे की कहानी

कनाडा के अल्बर्टा प्रांत में अलगाव की भावना दशकों तक राजनीतिक हाशिये पर रही, लेकिन अब यह पहली बार जनमत-संग्रह (रेफरेंडम) तक पहुंचने की स्थिति में दिखाई दे रही है।

यह मामला तब चर्चा में आया जब अलगाव समर्थकों ने दावा किया कि उन्होंने लगभग 3,02,000 हस्ताक्षर चुनाव प्राधिकरण को सौंप दिए हैं, जो आवश्यक संख्या से कहीं अधिक हैं। इससे केंद्र सरकार के साथ अल्बर्टा के लंबे समय से चले आ रहे मतभेद फिर से राष्ट्रीय बहस का विषय बन गए हैं।

अल्बर्टा में क्या हुआ?

अलगाव समर्थकों ने हाल ही में हस्ताक्षर जमा कर इसे आंदोलन के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। नेताओं का कहना है कि यह स्वतंत्रता की दिशा में पहला बड़ा कदम है और इससे जनता की इच्छा स्पष्ट होती है। हालांकि, केवल हस्ताक्षर जमा करने से तुरंत जनमत-संग्रह नहीं हो जाता।

क्या वास्तव में जनमत-संग्रह हो सकता है?

तकनीकी रूप से संभव है, लेकिन इसके लिए कई प्रक्रियाएं पूरी करनी होंगी। चुनाव प्राधिकरण को पहले इन हस्ताक्षरों की जांच करनी होगी, जो फिलहाल अदालत के आदेश के कारण रुकी हुई है।

यदि अदालत की रोक हटती है और पर्याप्त हस्ताक्षर सही पाए जाते हैं, तो प्रांतीय सरकार जनमत-संग्रह की दिशा में आगे बढ़ सकती है।

प्रस्तावित सवाल होगा कि क्या अल्बर्टा कनाडा से अलग होकर एक स्वतंत्र देश बने।

हालांकि, अगर लोग 'हाँ' में मतदान भी करते हैं, तब भी अल्बर्टा स्वतः स्वतंत्र नहीं बन जाएगा। इसके बाद संघीय सरकार के साथ बातचीत, संवैधानिक विवाद और कानूनी लड़ाई की लंबी प्रक्रिया शुरू होगी।

अल्बर्टा अधिक स्वायत्तता क्यों चाहता है?

इस आंदोलन की जड़ में यह भावना है कि अल्बर्टा आर्थिक और राजनीतिक रूप से कनाडा के बाकी हिस्सों से अलग है।

लगभग 50 लाख की आबादी वाला यह प्रांत तेल उत्पादन के लिए जाना जाता है और देश की अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान देता है। अलगाव समर्थकों का आरोप है कि केंद्र सरकार अल्बर्टा के संसाधनों का लाभ उठाती है, लेकिन ऐसी नीतियां बनाती है जो उसके ऊर्जा क्षेत्र को नुकसान पहुंचाती हैं।

पर्यावरण नियम और जलवायु नीतियां भी विवाद का बड़ा कारण बनी हैं। समर्थकों का कहना है कि केंद्र में बैठे नेता अल्बर्टा की वास्तविक परिस्थितियों को समझे बिना फैसले लेते हैं, जिससे प्रांत की आर्थिक क्षमता प्रभावित होती है।

अलगाव के समर्थन की स्थिति क्या है?

हालांकि आंदोलन गति पकड़ रहा है, लेकिन समर्थन अभी भी स्पष्ट बहुमत में नहीं है। कुछ सर्वेक्षणों के अनुसार, लगभग 30 प्रतिशत लोग अलगाव के पक्ष में हैं।

मैं हमेशा अपने लिए तैयार होती हूं, किसी को इम्प्रेस करने के लिए नहीं : कृतिका कामरा

मुंबई, 8 मई (आईएएनएस)। फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में फैशन सिर्फ कपड़ों तक सीमित नहीं रह गया है बल्कि यह कलाकारों की पहचान का अहम हिस्सा बन चुका है। हर इवेंट और फोटोशूट में सितारों का लुक चर्चा का विषय बन जाता है। ऐसे में कई बार यह सवाल भी उठता है कि कलाकार खुद के लिए तैयार होते हैं या फिर पब्लिक इमेज को ध्यान में रखकर। इसी मुद्दे पर अभिनेत्री कृतिका कामरा ने खुलकर अपनी राय रखी। आईएएनएस से बातचीत में कृतिका ने कहा कि उन्होंने हमेशा अपने लिए कपड़े पहने हैं और फैशन उनके लिए आत्मविश्वास और खुशी से जुड़ा हुआ है। आईएएनएस से बात करते हुए कृतिका कामरा ने कहा, 'मुझे बहुत जल्द ही यह समझ आ गई थी कि मुझे सजना-संवरना और फैशन काफी पसंद है। मैं खुद को अच्छा महसूस कराने के लिए तैयार होती हूं। अच्छे कपड़े पहनने और खुद को अच्छे तरीके से प्रेजेंट करने का असर मेरे पूरे दिन पर पड़ता है। इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ता है और मैं अपने काम में ज्यादा सकारात्मक महसूस करती हूं। कृतिका कामरा ने आगे बताया, ''मैंने नई दिल्ली के एक डिजाइन स्कूल में फैशन कम्युनिकेशन की पढ़ाई की है। इसी वजह से मैं फैशन की दुनिया को एक अलग नजरिए से देखती हूं। मुझे यह जानने में दिलचस्पी रहती है कि किसी कपड़े को बनाने में कितनी मेहनत लगती है, किसी खास टेक्सटाइल को तैयार करने की प्रक्रिया क्या होती है और डिजाइनिंग के पीछे कितना काम छिपा होता है। जब इंसान किसी चीज की मेहनत को समझता है, तो उसके प्रति सम्मान भी बढ़ जाता है। अभिनेत्री ने कहा, ''मैं फैशन इंडस्ट्री में चल रहे नए ट्रेंड्स से भी खुद को अपडेट रखती हूं, लेकिन हमेशा से वही पहनती हूं, जिसमें मैं खुद को सहज और आत्मविश्वासी महसूस करती हूं। मैंने कभी किसी को खुश करने या इम्प्रेस करने के लिए कपड़े नहीं पहने। फैशन का असली मतलब वही है, जब इंसान अपने लिए तैयार हो और अपने व्यक्तित्व को खुलकर जी सके।'' कृतिका कामरा ने महिलाओं के नजरिए से फैशन को लेकर भी दिलचस्प बात कही। उन्होंने कहा, ''अगर मुझे किसी की तारीफ सबसे ज्यादा खुशी देती है, तो वह मेरी महिला दोस्तों या दूसरी महिलाओं की होती है। महिलाएं फैशन को बहुत अलग और बारीकी से देखती हैं। वे छोटे-छोटे डिटेल्स पर ध्यान देती हैं, इसलिए उनकी राय ज्यादा खास लगती है। मुझे महिलाओं से मिलने वाला फीडबैक सबसे ज्यादा पसंद आता है।'' उन्होंने कहा, ''काम की वजह से मुझे कई बेहतरीन डिजाइनर्स और स्टाइलिस्ट्स के साथ काम करने का मौका मिलता है। मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे इतने प्रतिभाशाली लोगों के साथ काम करने का अनुभव मिला। मैं अक्सर डिजाइनर्स और स्टाइलिस्ट्स के काम से प्रेरित होती हूं लेकिन जब मैं अपना लुक तैयार करती हूं, तो उसमें मेरी अपनी पसंद भी शामिल होती है।'' अभिनेत्री ने कहा, ''मैं अपनी टीम के साथ मिलकर तय करती हूं कि कौन-सा लुक मुझ पर अच्छा लगेगा और किस तरह मैं खुद को सबसे बेहतर तरीके से पेश कर सकती हूं। मैं फैशन को दिल से एंजॉय करती हूं और शायद यही वजह है कि मेरे फैसले काफी स्वाभाविक होते हैं।''

'इंस्पेक्टर अविनाश 2' में दिखेगा नया इमोशनल एंगल, उर्वशी रौतेला बोलीं- 'मेरे किरदार की ताकत चुप्पी में छिपा संघर्ष'

मुंबई। अभिनेत्री उर्वशी रौतेला इन दिनों अपनी वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' के दूसरे सीजन को लेकर काफी चर्चा में हैं। इस बार उनका किरदार पहले से ज्यादा भावनात्मक रूप से मजबूत दिखने वाला है। इस पर उर्वशी का कहना है कि इस बार उनके किरदार की सबसे बड़ी ताकत 'चुप्पी में छिपा संघर्ष' है। बाहर से शांत दिखने वाले मेरे किरदार के अंदर चल रहा लगातार मानसिक संघर्ष ही उसकी मजबूती है।

उर्वशी रौतेला ने अपने किरदार पूनम मिश्रा के बारे में बात करते हुए कहा, ''इस सीजन में मेरा किरदार सिर्फ एक सपोर्टिव पत्नी का नहीं है, बल्कि एक ऐसे इंसान का है, जो अंदर ही अंदर बहुत कुछ झेल रहा है। इस बार मेरे किरदार की सबसे बड़ी भावना 'साइलेंस में सर्वाइवल' (चुप्पी में छिपा संघर्ष) है, यानी ऐसा किरदार, जो बिना शोर किए, बिना अपनी भावनाओं को बाहर दिखाए, परिस्थितियों से लड़ता रहता है और खुद को संभालने की कोशिश करता है।''

उन्होंने कहा, ''क्राइम ड्रामा में आमतौर पर लोग सिर्फ हिंसा, ताकत और एक्शन देखते हैं, लेकिन असल कहानी उसके पीछे छिपे डर और अकेलेपन की होती है। मेरे किरदार के भीतर भावनात्मक अकेलापन और खुद को सुरक्षित रखने की लगातार कोशिश दिखाई देती है। मेरा किरदार बाहरी दुनिया से ज्यादा अपने अंदर के डर और संघर्ष से लड़ रहा है। यही वजह है कि इस किरदार को निभाना मेरे लिए एक अलग अनुभव रहा है।

उर्वशी ने कहा, ''मुझे इस किरदार में सबसे ज्यादा आकर्षित इमोशन्स लगे। वह खुद को रोककर, सोचकर और धैर्य के साथ आगे बढ़ती है। असली ताकत हमेशा जोर से बोलने या लड़ने में नहीं होती, बल्कि कई बार चुप रहकर भी हालात को संभालना सबसे बड़ी ताकत होती है। यही बात इस किरदार को खास बनाती है। वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' का पहला सीजन साल 2023 में रिलीज हुआ था, जिसमें मुख्य भूमिका अभिनेता रणदीप हुड्डा ने निभाई थी। यह सीरीज एक सच्ची घटना पर आधारित है और उत्तर प्रदेश के एक तेज-तर्रार पुलिस अधिकारी अविनाश मिश्रा की कहानी दिखाती है, जो राज्य में अपराध को खत्म करने के लिए काम करता है। पहले सीजन का निर्देशन नीरज पाठक ने किया था और इसमें कई कलाकारों ने अहम भूमिकाएं निभाई थीं। 'इंस्पेक्टर अविनाश 2' 15 मई से दर्शकों के लिए जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगा।

फोर्स 3 के लिए जी-जान से मेहनत कर रहे हर्षवर्धन राणे, न्यूटन के लॉ के जरिए दिखाई ट्रेनिंग की झलक

मुंबई। बॉलीवुड फिल्मों में जब भी बड़े एक्शन सीक्वेंस की बात होती है, तो कलाकारों को उसके लिए कड़ी ट्रेनिंग से गुजरना पड़ता है। कई अभिनेता अपने किरदार को दमदार दिखाने के लिए महीनों तक मेहनत करते हैं। अब अभिनेता हर्षवर्धन राणे भी अपनी आने वाली फिल्म 'फोर्स 3' के लिए कुछ इसी तरह की मेहनत करते नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर अपनी ट्रेनिंग की झलक साझा की, जिसने फैंस का ध्यान खींच लिया।

हर्षवर्धन राणे ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह फिल्म 'फोर्स 3' के एक्शन सीक्वेंस की तैयारी करते दिखाई दे रहे है। वीडियो में अभिनेता एक्सरसाइज करते नजर आ रहे हैं। वह अपनी पीठ, कंधों और हाथों की मांसपेशियों को मजबूत बनाने के लिए हैवी लिफ्टिंग कर रहे हैं। वीडियो की शुरुआत में वह रबर बैंड की मदद से एक्सरसाइज करते हैं। इस एक्सरसाइज के हाथों के पिछले हिस्से की मांसपेशियों की ट्रेनिंग होती है। इसके बाद वह बेंच पर लेटकर पीठ की एक्सरसाइज करते दिखाई देते हैं। वहीं, आखिर में वह शोल्डर श्रग्स एक्सरसाइज करते नजर आते हैं।

इस वीडियो के साथ हर्षवर्धन राणे ने एक खास कैप्शन भी लिखा। उन्होंने न्यूटन के सेकंड लॉ ऑफ मोशन के नियम का जिक्र करते हुए लिखा, ''बल बराबर होता है द्रव्यमान और गति के गुणा के।

साइकिल गैप में दिखेगी म्यूजिकल लव स्टोरी, डायरेक्टर बोले- संगीत बनेगा किरदारों की भावनाओं का पुल

चेन्नई। भारतीय सिनेमा में समय के साथ लव स्टोरीज को पेश करने का तरीका काफी बदल गया है। दर्शकों को ऐसी फिल्में ज्यादा पसंद आती है, जिसमें म्यूजिक कहानी का अहम हिस्सा होता है। इस कड़ी में निर्देशक एम आर भारती की नई फिल्म 'साइकिल गैप' काफी चर्चा में है। यह फिल्म एक म्यूजिकल ट्रायंगल लव स्टोरी है, जिसमें संगीत किरदारों की भावनाओं को जोड़ने वाला पुल बनेगा। निर्देशक एम आर भारती ने अपनी इस नई फिल्म को लेकर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा, '''साइकिल गैप' एक ऐसी रिलेशनशिप ड्रामा फिल्म है, जहां संगीत कहानी के केंद्र में रहेगा। कई बार इंसान अपनी भावनाओं को शब्दों में पूरी तरह नहीं बता पाता, लेकिन संगीत उन भावनाओं को बहुत आसानी से व्यक्त कर देता है। यही वजह है कि इस फिल्म में गानों और संगीत को बहुत खास तरीके से इस्तेमाल किया गया है।''

भारती ने कहा, ''हमने फिल्म को आज की युवा पीढ़ी के हिसाब से मॉडर्न अंदाज में बनाया है, लेकिन साथ ही इसमें पुराने दौर की क्लासिक म्यूजिकल रोमांस फिल्मों की भावनात्मक खूबसूरती को भी बनाए रखने की कोशिश की है।'' एम आर भारती पहले भी अपनी फिल्मों में गहरी और भावनात्मक कहानियां दिखाने के लिए पहचाने जाते रहे हैं। उनकी फिल्म 'अझियाधा कोलांगल 2' को दर्शकों और समीक्षकों ने काफी सराहा था। वहीं उनकी हालिया फिल्म 'ड्रीम गर्ल' ने प्यार, सपनों और यादों जैसे विषयों को एक अलग और अनोखे तरीके से पेश कर लोगों का ध्यान खींचा था। अब 'साइकिल गैप' के जरिए वह अपनी इसी भावनात्मक कहानी कहने की शैली को आगे बढ़ाने जा रहे हैं। फिल्म के निर्माता और मुख्य अभिनेता नवाज ने भी 'साइकिल गैप' को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की है। उन्होंने कहा, ''मुझे हमेशा से ऐसी म्यूजिकल लव स्टोरी पसंद रही हैं, जो सालों तक लोगों के दिलों में बनी रहती हैं। इस फिल्म को भी उसी भावना के साथ तैयार किया गया है, ताकि दर्शकों के दिमाग में किरदार और संगीत लंबे समय तक बने रहें। निर्देशक भारती की कहानियों में गहरी भावनाएं होती हैं।''

नवाज ने कहा, ''प्रोडक्शन कंपनी ट्यूब लाइट प्रोडक्शंस का मकसद ऐसी फिल्म बनाना होता है, जो युवा दर्शकों को आकर्षित करे, देखने में ताजगी भरी लगे और संगीत के मामले में भी यादगार साबित हो।''

फिल्म की स्टारकास्ट की बात करें तो इसमें नवाज के साथ अभिनेत्री शेरी अग्रवाल मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। शेरी अग्रवाल इस फिल्म के जरिए एक्टिंग में डेब्यू करने वाली है। इसके अलावा अभिनेता प्रभु शास्ता भी अहम किरदार निभाते दिखाई देंगे। 'साइकिल गैप' में संगीत देने का काम संगीतकार सतीश पद्मनाभन ने किया है। वहीं गानों को नरेश अय्यर, श्रीनिषा जयसीलन और कौशिक श्रीधरन जैसे प्रतिभाशाली गायकों ने अपनी आवाज दी है।

90 की उम्र तक फिट रहना ही असली सुपरहीरो बनना है : जैकी श्रॉफ

मुंबई। बॉलीवुड के सीनियर अभिनेता जैकी श्रॉफ एक बार फिर अपनी आने वाली फिल्म 'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म का नाम जितना अलग है, उतनी ही इसकी कहानी भी एक नए और दिलचस्प अंदाज में पेश की जा रही है।

आमतौर पर सुपरहीरो वाली फिल्मों में ताकत, उडान और लड़ाई जैसे सीन्स देखने को मिलते हैं, लेकिन इस बार सुपरहीरो का मतलब लंबी उम्र तक फिट और खुशहाल तरीके से जीने को बताया गया है। इसी सोच को लेकर जैकी श्रॉफ ने फिल्म के प्रमोशन के दौरान अपने विचार साझा किए।

जैकी श्रॉफ ने कहा, 'अगर कोई इंसान 80 या 90 साल की उम्र तक भी फिट, एक्टिव और मानसिक रूप से मजबूत रहता है, तो वही असली सुपरहीरो है। सुपरहीरो होने का मतलब सिर्फ स्क्रीन पर हीरो बनना नहीं है, बल्कि असल जिंदगी में खुद को इतना मजबूत बनाए रखना है कि उम्र भी आपको रोक न सके।

उन्होंने कहा, ''बच्चों की कल्पना और उनके सपनों को हमेशा सबसे पहले रखा जाना चाहिए, क्योंकि वही भविष्य की दिशा तय करते हैं। फिल्म भी इसी सोच के इर्द-गिर्द बुनी गई है, जहां बच्चों की दुनिया और उनकी कल्पना को अहमियत दी गई है।''

यह फिल्म जी स्टूडियोज और आमदावाद फिल्म्स के बैनर तले बनाई गई है।

मेकर्स ने इस प्रोजेक्ट को एक ऐसी कहानी के रूप में पेश किया है, जो परिवार, भावनाओं और कल्पना को एक साथ जोड़ती है। फिल्म का मकसद दर्शकों को एक नई सोच देना है, जिसमें उम्र को कमजोरी नहीं बल्कि एक अनुभव के रूप में दिखाया गया है।

हाल ही में फिल्म का टीजर रिलीज किया गया, जिसने दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। टीजर में एक बच्चे की कल्पना की दुनिया को दिखाया गया है, जहां उसका अपने दादाजी के साथ रिश्ता एक जादुई और रोमांचक सफर की तरह होता है। कहानी में एलियंस और फैंटेसी जैसी चीजें भी शामिल हैं।

फिल्म में जैकी श्रॉफ ऐसे दादाजी के किरदार में है, जो अपने पोते की कल्पना की दुनिया में पूरी तरह शामिल हो जाते है।

इस फिल्म का निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता मनीष सैनी ने किया है। उन्होंने कहानी को एक नई सोच के साथ पेश करने की कोशिश की है, जिसमें बच्चों की कल्पना, परिवार का प्यार और जीवन की सच्चाइयों को एक साथ जोड़ा गया है।

फिल्म में प्रतीक स्मिता पाटिल, भाग्यश्री दसानी, शरद सक्सेना, मिहिर गोडबोले, दुर्गेश कुमार, सहर्ष शुक्ला, शिवांश चोरघे और कुमार सौरभ जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो फिल्म 29 मई को रिलीज होगी।

बंदर का टीजर देख 'लॉर्ड बॉबी' पर गर्व करते दिखे सनी देओल, भतीजे करण बोले- 'आप कमाल लग रहे हो चाचा'

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता बॉबी देओल इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'बंदर' को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म का टीजर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर इसकी चर्चा शुरू हो गई और फैंस से लेकर फिल्म इंडस्ट्री तक हर कोई बॉबी देओल के नए अवतार की तारीफ करता नजर आ रहा है। इसी बीच अब देओल परिवार की तरफ से भी खास प्रतिक्रिया सामने आई है। बॉबी देओल के भाई और अभिनेता सनी देओल, साथ ही उनके बेटे करण देओल ने भी 'बंदर' के टीजर को लेकर उत्साह जाहिर किया।

दरअसल, शुक्रवार को सनी देओल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'बंदर' का टीजर साझा किया। टीजर शेयर करते हुए उन्होंने बेहद खास अंदाज में अपने छोटे भाई की तारीफ की। सनी देओल ने कैप्शन में लिखा, 'लुकिंग सो गुड माय लॉर्ड बॉबी।' सनी का यह पोस्ट अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वहीं, सनी देओल के बेटे और अभिनेता करण देओल ने भी अपने चाचा बॉबी देओल की तारीफ करते हुए इंस्टाग्राम पर फिल्म का टीजर शेयर किया। करण ने लिखा, 'वाह!!'बंदर' का बेसब्री से इंतजार है। बॉबी चाचा, आप कमाल लग रहे हो।' करण की इस प्रतिक्रिया ने भी फैंस का ध्यान खींचा।

दरअसल, 'एनिमल' की सफलता के बाद बॉबी देओल अब डार्क रोल निभा रहे हैं। 'बंदर' में भी उनका ऐसा ही एक अलग अवतार देखने को मिल रहा है, जिसने दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ा दी है।

फिल्म के टीजर की बात करें तो इसकी शुरुआत काफी मनोरंजक अंदाज में होती है। बॉबी देओल इसमें समीर मेहरा नाम के किरदार में नजर आते हैं, जो 70 के दशक के डिस्को स्टार जैसे लुक में दिखाई देते हैं और स्टेज पर परफॉर्म करते हैं।

हालांकि कुछ ही पलों बाद कहानी अचानक एक रहस्यमयी मोड़ लेती है। टीजर में दिखाया गया है कि बॉबी देओल का किरदार समीर मेहरा एक डेटिंग ऐप के जरिए कुछ लड़कियों से मिलता है। शुरुआत में सब कुछ सामान्य लगता है, लेकिन धीरे-धीरे वही मुलाकातें उनके लिए मुसीबत बन जाती हैं।

पटाखा प्लांट धमाका मामले में मौत का आंकड़ा 37 पहुंचा, 51 घायलों में पांच की हालत गंभीर

चांगशा। चीन के हुनान प्रांत में एक पटाखा प्लांट में हुए भीषण धमाके में हुई मौत का आंकड़ा बढ़ गया है। धमाके में मरने वालों की संख्या अब 37 हो गई है। स्थानीय अधिकारी की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, धमाके के बाद एक व्यक्ति लापता है और 51 लोग घायल हुए हैं।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, 51 घायलों में से पांच की हालत गंभीर बनी हुई है। स्थानीय समयानुसार, यह घटना सोमवार को दिन के चार बजकर 43 मिनट पर ये धमाका हुआ, जिसे 2019 से अब तक का सबसे बड़ा ब्लास्ट माना जा रहा है।

हुनान का लियुयांग चीन की पटाखों की राजधानी के तौर पर जाना जाता है। यह डिवाइस की घरेलू सप्लाई का 60 फीसदी और एक्सपोर्ट का लगभग 70 फीसदी बनाता है। 2019 में पूर्वी चीन के जिआंगसु प्रांत में एक केमिकल प्लांट में बड़ा धमाका हुआ था, जिसमें लगभग 78 लोग मारे गए थे। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, हुनान प्रांत के लिउयांग में हुए धमाके के बाद के हालात की निगरानी के लिए वाइस-प्रीमियर झांग गुओकिंग को भेजा है। झांग ने कहा कि स्टेट काउंसिल, यानी चीन की कैबिनेट, हादसे के कारणों की जांच करने और क्रिमिनल सजा दिलाने में मदद के लिए एक जांच टीम बनाएगी।

झांग ने सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वाले पटाखे बनाने वालों को सजा देने का वादा किया है। इसके साथ ही उन रेगुलेटर्स को भी सजा देने का वादा किया है जो कंपनियों की निगरानी करने के बजाय उन पर जुर्माना लगाते हैं।

सबसे ज्यादा उम्र के पीड़ित की उम्र 68 साल थी, जबकि सबसे कम उम्र के पीड़ित की उम्र बीस साल के आस-पास थी। ज्यादातर घायलों को इमरजेंसी इलाज के लिए लियूयांग पीपल्स हॉस्पिटल और लियूयांग ट्रेडिशनल चाइनीज मेडिसिन हॉस्पिटल ले जाया गया। इससे पहले चांगशा शहर के स्वास्थ्य आयोग के कम्युनिस्ट पार्टी सेक्रेटरी लियू जियायोंग ने कहा कि घायलों में से छह इंटेंसिव केयर में हैं। चेन ने कहा कि मौके पर सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन काफी हद तक पूरे हो चुके हैं। ऑपरेशन में फायर, इमरजेंसी रिस्पॉन्स, पब्लिक सिक्योरिटी और स्वास्थ्य विभाग के 1,500 से ज्यादा लोग शामिल थे।

एस. जयशंकर ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत सूरीनाम में लगाया पौधा

पारामारिबो। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सूरीनाम देश के दौरे पर हैं। उन्होंने शुक्रवार को पारामारिबो में 'प्रगति के लिए साझेदारी' विषय पर बात की। इसके साथ ही, विदेश मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत एक पौधा भी लगाया।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सूरीनाम के 'इंडिया हाउस' में 'एक पेड़ मां के नाम' पहल के तहत पौधा लगाया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ''एक पेड़ मां के नाम' के तहत सूरीनाम स्थित इंडिया हाउस में एक पौधा लगाकर मुझे बहुत खुशी हुई।'

इससे पहले, एस. जयशंकर ने 'प्रगति के लिए साझेदारी' विषय पर चर्चा की। उन्होंने इस कार्यक्रम को आयोजित करने के लिए सूरीनाम के विदेश मंत्रालय और अपने समकक्ष मेल्विन बाउवा को धन्यवाद दिया।

जयशंकर ने 'एक्स' पर सम्मेलन की तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, 'आज शाम पारामारिबो में 'प्रगति के लिए साझेदारी' विषय पर संबोधित किया। अपनी उपस्थिति के लिए विदेश मंत्री मेल्विन बाउवा का और इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए सूरीनाम के विदेश मंत्रालय का धन्यवाद।'

उन्होंने आगे लिखा, 'मैंने यह बात रखी कि एक मुश्किल दुनिया में भी प्रगति की जरूरत होती है और यह साझेदारी के जरिए सबसे अच्छे तरीके से हासिल की जा सकती है। मैंने एक भरोसेमंद साझेदार की खूबियों पर जोर दिया, जो राष्ट्रीय हितों और वैश्विक भलाई के बीच तालमेल बिठा सके। इस संदर्भ में मैंने वैश्विक राजनीति में भारत की भूमिका का जिक्र किया, जिसमें हमारी विकास साझेदारियों, वैश्विक कार्यबल, 'फर्स्ट रिस्पॉन्डर' (सबसे पहले मदद पहुंचाने वाले) के तौर पर हमारे रिकॉर्ड और नई पहलों पर खास ध्यान दिया गया।'

संक्षिप्त खबर

अमेरिकी सीनेट के प्रस्ताव में चीन को सबसे बड़ा खतरा बताया गया

वाशिंगटन। अमेरिकी सीनेटरों के दो-पार्टी समूह ने एक प्रस्ताव पेश किया है, जिसमें चीन को अमेरिका का सबसे बड़ा दुश्मन और रणनीतिक प्रतिद्वंदी बताया गया है। इसके साथ ही सीनेटरों ने बीजिंग का मुकाबला करने के लिए भारत के साथ गहरे जुड़ाव और मजबूत हिंद-प्रशांत गठबंधन की मांग की गई है। सीनेटर क्रिस कून्स और कई रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक सीनेटरों द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव में कहा गया है कि चीन के पास अमेरिका और उसके सहयोगियों की सुरक्षा, आर्थिक खुशहाली और रणनीतिक हितों को कमजोर करने का इरादा और क्षमता है।

इस प्रस्ताव में चीन पर न्यूक्लियर, साइबर, समुद्री और स्पेस एसेट्स सहित अपनी मिलिट्री क्षमताओं को तेजी से बढ़ाने का आरोप लगाया गया। इसमें कहा गया है कि बीजिंग हिंद-प्रशांत में जबरदस्ती, आक्रामक और धोखेबाज गतिविधियों का इस्तेमाल कर रहा है और ताइवान स्ट्रेट में जबरदस्ती या बलपूर्वक यथास्थिति को बदलने की कोशिश कर रहा है। इस प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि चीन सैन्य तकनीक और मटीरियल साझा करके ईरान, उत्तर कोरिया और रूस सहित अमेरिका के दुश्मनों का समर्थन करता है। लॉमेकर्स ने बीजिंग पर आरोप लगाया कि वह अमेरिकी कॉम्पिटिटिवनेस को कमजोर करने और रणनीतिक क्षेत्रों पर हावी होने के लिए सरकार के समर्थन वाली आर्थिक और औद्योगिक नीति का इस्तेमाल कर रहा है। प्रस्ताव में बौद्धिक संपदा की चोरी, जबरदस्ती तकनीकी ट्रांसफर, एक्सपोर्ट कंट्रोल और मार्केट एक्सेस में रुकावटों का जिक्र किया गया। सीनेटरों ने चेतावनी दी कि चीन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी नई तकनीक में अमेरिका से आगे निकलने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि ये तकनीक 21वीं सदी की अर्थव्यवस्था और सैन्य क्षमता को परिभाषित करेंगी। प्रस्ताव में चीन को गैर-कानूनी फेंटानिल और नाइटाजीन बनाने में इस्तेमाल होने वाले प्रीकर्सर केमिकल्स के यूएस में आने से भी जोड़ा गया। नई दिल्ली में ध्यान से देखे गए एक सेक्शन में, सीनेट ने चतुर्भुजीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) के जरिए भारत के साथ अमेरिका के जुड़ाव को बढ़ाने की मांग की। क्वाड भारत, यूनाइटेड स्टेट्स, जापान और ऑस्ट्रेलिया को एक साथ लाता है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के साथ बढ़ते तनाव के बीच इस ग्रुप को खास पहचान मिली है। प्रस्ताव में जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और फिलीपींस जैसे सहयोगियों के प्रति अमेरिका की प्रतिबद्धता को फिर से सुनिश्चित किया गया। इसने हिंद-प्रशांत साझेदारों के बीच मजबूत त्रिपक्षीय सहयोग का भी समर्थन किया और ताइवान स्ट्रेट में शांति और स्थिरता बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया। सीनेट के इस कदम में चीन के खिलाफ मजबूत रोकथाम, कड़े एक्सपोर्ट कंट्रोल, रणनीतिक अमेरिकी उद्योग में निवेश पर रोक और साउथ चाइना सी और ताइवान स्ट्रेट में नेविगेशन की आजादी बनाए रखने की कोशिशों की मांग की गई।

डॉलर के दबदबे को चुनौती : चीनी युआन के बढ़ते प्रभाव ने बढ़ाई अमेरिका की चिंता

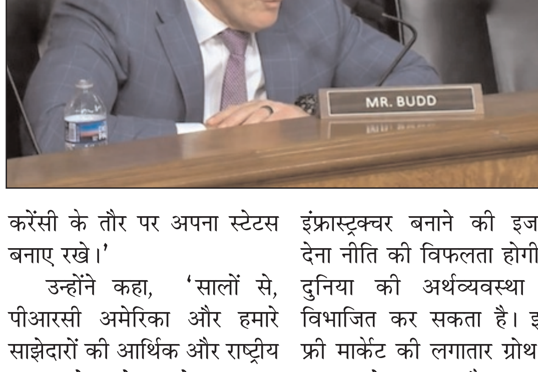

संयुक्त राष्ट्र। अमेरिकी सीनेटरों के दोनों पार्टियों के एक ग्रुप ने अमेरिकी डॉलर को दुनिया की रिजर्व करेंसी का दर्जा देने के लिए एक प्रस्ताव फिर से पेश किया है। सीनेटरों ने चेतावनी दी है कि चीन युआन के आस-पास एक दूसरा ग्लोबल फाइनेंशियल सिस्टम बनाने की कोशिशें तेज कर रहा है।

टेड बड और जीन शाहीन के पेश किए गए प्रस्ताव में कहा गया है कि युआन को इंटरनेशनल बनाने की बीजिंग की कोशिश से अमेरिका और उसके साथियों के लिए आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा का खतरा है।

प्रस्ताव के साथ जारी एक बयान में बड ने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय व्यापार में लगातार सहयोग और लगातार सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि अमेरिकी डॉलर ग्लोबल रिजर्व करेंसी के तौर पर अपना स्टेटस बनाए रखे।'

उन्होंने कहा, 'सालों से, पीआरसी अमेरिका और हमारे साझेदारों की आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा को टारगेट करते हुए अपना ग्लोबल फाइनेंशियल असर बढ़ाने की कोशिश कर रहा है।'

बड ने चेतावनी दी कि चीन को 'ग्लोबल करेंसी फ्लो को बढ़ाने और दूसरा फाइनेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने की इजाजत देना नीति की विफलता होगी जो दुनिया की अर्थव्यवस्था को विभाजित कर सकता है। इससे फ्री मार्केट की लगातार ग्रोथ को खतरा हो सकता है, खासकर विकासशील देशों में।'

उन्होंने कहा, 'अमेरिकी डॉलर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी स्थिरता और खुशहाली लाने वाली भूमिका बनाए रखनी चाहिए।'

शाहीन ने कहा कि डॉलर का दबदबा सीधे तौर पर अमेरिकी आर्थिक ताकत और ग्लोबल असर से जुड़ा है।

उन्होंने कहा, 'अमेरिकी डॉलर को ग्लोबल रिजर्व करेंसी के तौर पर बनाए रखना न सिर्फ अमेरिकी अर्थव्यवस्था की लंबे समय की स्थिरता और खुशहाली के लिए जरूरी है, बल्कि यह अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा बनाए रखने के लिए भी बहुत जरूरी है।'

शाहीन ने कहा, 'चूंकि चीन ग्लोबल करेंसी सिस्टम को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है, इसलिए यह सीनेट प्रस्ताव दोनों पार्टियों का संदेश देता है कि अमेरिका को यूएस डॉलर को ग्लोबल रिजर्व करेंसी के तौर पर बनाए रखने को प्राथमिकता देनी चाहिए।'

रूस ने यूक्रेन के साथ युद्धविराम की घोषणा की

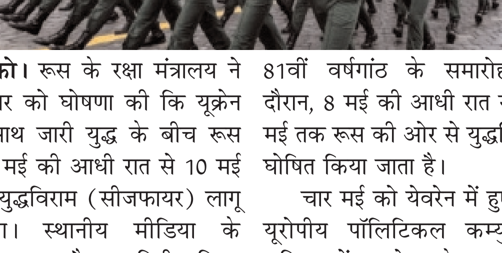

मॉस्को। रूस के रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को घोषणा की कि यूक्रेन के साथ जारी युद्ध के बीच रूस आठ मई की आधी रात से 10 मई तक युद्धविराम (सीजफायर) लागू करेगा। स्थानीय मीडिया के अनुसार, यह फैसला द्वितीय विश्व युद्ध में सोवियत लोगों की जीत की 81वीं वर्षगांठ के समारोह के दौरान लिया गया है। सरकारी रूसी न्यूज एजेंसी टास के अनुसार, रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रूसी संघ के राष्ट्रपति और सशस्त्र बलों के सुप्रीम कमांडर व्लादिमीर पुतिन के फैसले के अनुसार, महान देशभक्ति युद्ध में सोवियत लोगों की जीत की 81वीं वर्षगांठ के समारोह के दौरान, 8 मई की आधी रात से 10 मई तक रूस की ओर से युद्धविराम घोषित किया जाता है।

चार मई को येवरेन में हुए 8वें यूरोपीय पॉलिटिकल कम्युनिटी समिट में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने 9 मई को होने वाली रूस की विक्ट्री परेड का जिक्र करते हुए कहा था कि इस बार शायद परेड में सैन्य उपकरण न दिखें। अगर ऐसा होता है, तो यह कई वर्षों में पहली बार होगा। वे सैन्य उपकरण नहीं ला सकते और उन्हें डर है कि रेड स्क्वायर के ऊपर ड्रोन मंडरा सकते हैं।

शेख हसीना ने भाजपा समेत सभी विधायकों को दी बधाई, राज्य में विकास की कामना की

नई दिल्ली। बांग्लादेश अवामी लीग की प्रमुख और बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने वाले सभी उम्मीदवारों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

अवामी लीग द्वारा जारी औपचारिक संदेश में शेख हसीना ने कहा कि वह पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में विजयी हुए सभी जनप्रतिनिधियों, जिनमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार भी शामिल हैं, उन्हें हार्दिक बधाई देती हैं।

उन्होंने विशेष रूप से भाजपा के पश्चिम बंगाल नेता सुवेंदु अधिकारी को भी जीत की शुभकामनाएं दीं। अपने संदेश में शेख हसीना ने उम्मीद जताई कि सभी निर्वाचित जनप्रतिनिधि सफलतापूर्वक जनता की सेवा करेंगे और पश्चिम बंगाल के साथ-साथ पूरे भारत की समृद्धि एवं खुशहाली के लिए कार्य करेंगे। उन्होंने पश्चिम बंगाल की जनता के निरंतर विकास और कल्याण की भी कामना की।

बता दें कि पश्चिम बंगाल में पहली बार भाजपा ने जीत हासिल की है। भाजपा को 207 विधानसभा सीटों पर जीत मिली है, जिसके बाद अब बंगाल में भाजपा की सरकार बनने जा रही है। इधर, शुक्रवार को भाजपा विधायक दल की बैठक में सुवेंदु अधिकारी को बंगाल के अगले सीएम के तौर पर चुन लिए गए हैं।

ईरान जल्द ही अमेरिका और इजरायल के खिलाफ लड़ाई में बड़ी जीत का जश्न

तेहरान। अमेरिका और ईरान के बीच दो हफ्ते के सीजफायर के बाद फिर से तनाव बढ़ रहा है। दोनों तरफ से होर्मुज स्ट्रेट में हमले शुरू हो गए हैं। इस बीच ईरान के पहले उपराष्ट्रपति मोहम्मद रजा आरेफ ने दावा किया है कि ईरानी लोग जल्द ही अमेरिका और इजरायल के खिलाफ इस लड़ाई में बड़ी जीत का जश्न मनाएंगे।

इस्लाम टाइम्स के अनुसार, उपराष्ट्रपति आरेफ ने गुरुवार को स्वास्थ्य सुविधाओं और उद्योगों को हुए नुकसान का आकलन करने के दौरान कहा कि देश जल्द ही जीत का जश्न मनाएगा और होर्मुज स्ट्रेट ईरान का खास इलाका है।

नेशनल पेट्रोकेमिकल कंपनी, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान शिपिंग लाइन्स और फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन का दौरा करते हुए आरेफ ने कहा कि देश में पुनर्निर्माण आगे बढ़ रहा है और ईरानी लोगों की बड़ी जीत के साथ पाबंदियां हटा दी जाएंगी।

उन्होंने कहा, 'हम जल्द ही अपनी जीत का जश्न मनाएंगे और देश पर इतने सालों से लगे बैन और दबाव हटा दिए जाएंगे।'

शिपिंग ग्रुप का निरीक्षण करते हुए आरेफ ने कहा, 'ईरान होर्मुज स्ट्रेट के प्रबंधन को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। होर्मुज स्ट्रेट ईरान के लिए रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है। ईरानी नियंत्रण में यह जलमार्ग सुरक्षित रहेगा और इससे सभी क्षेत्रीय देशों को फायदा होगा। ईरान दबदबा नहीं, बल्कि क्षेत्रीय सहयोग चाहता है ताकि इस इलाके को आर्थिक केंद्र बनाया जा सके।'

दूसरी ओर, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि होर्मुज स्ट्रेट और उसके आसपास नई सैन्य झड़पों के बावजूद ईरान के साथ सीजफायर लागू है। लिंकन मेमोरियल रिफ्लेक्टिंग पूल के पास ट्रंप ने मीडिया से कहा, 'अगर सीजफायर नहीं होता, तो आपको इसका तुरंत पता चल जाता। आपको बस ईरान से उठती एक बड़ी चमक दिखाई देती।'

वहीं, ट्रंप ने गुरुवार को यह भी कहा कि ईरान के साथ संघर्ष समाप्त करने के उद्देश्य से अमेरिका की ओर से दिया गया प्रस्ताव केवल एक पन्ने के ऑफर से कहीं अधिक व्यापक है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब तेहरान पाकिस्तानी मध्यस्थों के जरिए वाशिंगटन से मिले संदेश की समीक्षा कर रहा है।

नाजीवाद का एक अपडेटेड वर्जन है मेड इन रूस, सुलह दिवस पर बोले राष्ट्रपति जेलेंस्की

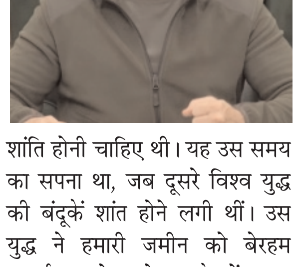

नई दिल्ली। यूक्रेन दूसरे विश्व युद्ध में नाजीवाद पर विजय को 8 मई को स्मृति और सुलह दिवस के रूप में मनाता है। रूस के विक्ट्री डे और यूक्रेन के सुलह दिवस के मौके पर दोनों देशों के बीच 8-10 मई तक सीजफायर का ऐलान किया गया, हालांकि सीजफायर के ऐलान के बाद भी हमलों की खबर सामने आई। इस मौके पर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा कि आज नाजीवाद पर याद और जीत का दिन है। वह दिन जब पूरा यूरोप 20वीं सदी के सबसे भयानक युद्ध के खत्म होने का जश्न मनाएगा।

जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'एक ऐसा युद्ध जिसके बाद सिर्फ सच्ची शांति होनी चाहिए थी। यह उस समय का सपना था, जब दूसरे विश्व युद्ध की बंदूकें शांत होने लगी थीं। उस युद्ध ने हमारी जमीन को बेरहम लड़ाई, कब्जे वाले इलाके में गलत इस्तेमाल और लोगों और जानों की बड़े पैमाने पर तबाही का मैदान बना दिया। दूसरे विश्व युद्ध में यूक्रेनी लोगों का नुकसान सबसे ज्यादा था और नाजियों को हराने में यूक्रेन के लोगों का योगदान भी सबसे ज्यादा था। यूक्रेन के लाखों लोगों ने हिटलर-विरोधी गठबंधन के देशों की अलग-अलग सेनाओं में काम करते हुए नाजीवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ी। यूक्रेन के लाखों लोग जीतने वालों में शामिल थे, जिन्होंने पूरी बुराई को हराने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दी थी।'

उन्होंने कहा, 'बदकिस्मती से 81 साल बाद हमें एक बार फिर बुराई को रोकने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, ऐसी बुराई जो उतनी ही पक्की है। ऐसी बुराई जो बर्बादी और गाली-गलौज के अलावा कुछ नहीं लाती और वैसी ही दुश्मनी की सोच पर आधारित बुराई।

भारत-बांग्लादेश समुद्री सहयोग को बढ़ावा देने के लिए आईओएस सागर चटगांव पहुंचा

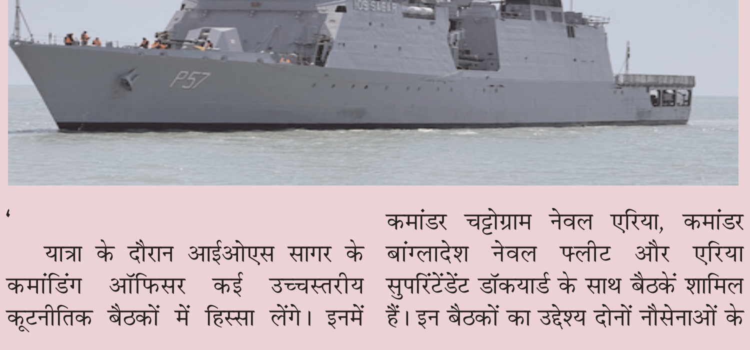

ढाका। भारत और बांग्लादेश के बीच बढ़ती समुद्री साझेदारी को दिखाते हुए इंडियन ओशन शिप (आईओएस) सागर बंगाल की खाड़ी से सफलतापूर्वक गुजरने के बाद शुक्रवार को दक्षिण-पूर्वी बांग्लादेश के चटगांव बंदरगाह पहुंच गया।

बांग्लादेश में भारतीय उच्चायोग के मुताबिक, यह महत्वपूर्ण पोर्ट कॉल आईओएस सागर 2026 बहुराष्ट्रीय तैनाती कार्यक्रम के तहत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य समुद्री उत्कृष्टता और क्षेत्रीय समन्वय को मजबूत करना है।

भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया पर बताया, बांग्लादेश के पानी में बीएनएस अली हैदर (एफ17) ने इसका स्वागत किया और उसे बंदरगाह तक एस्कॉर्ट किया गया। '

यात्रा के दौरान आईओएस सागर के कमांडिंग ऑफिसर कई उच्चस्तरीय कूटनीतिक बैठकों में हिस्सा लेंगे। इनमें कमांडर चट्टोग्राम नेवल एरिया, कमांडर बांग्लादेश नेवल फ्लीट और एरिया सुपरिंटेंडेंट डॉकयार्ड के साथ बैठकें शामिल हैं। इन बैठकों का उद्देश्य दोनों नौसेनाओं के बीच समुद्री सहयोग और पेशेवर आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है। इन बातचीत का मकसद दोनों नेवी के बीच समुद्री सहयोग और प्रोफेशनल लेन-देन को बढ़ाना है। पोर्ट कॉल में प्रोफेशनल, सोशल और यादगार इवेंट्स का एक शानदार कार्यक्रम भी शामिल है। इस पोर्ट कॉल के दौरान कई पेशेवर, सामाजिक और स्मारक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। कमांडर चट्टोग्राम नेवल एरिया शुक्रवार शाम को बांग्लादेश सशस्त्र बलों के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में स्वागत समारोह आयोजित करेगा। इसके बाद अगले दिन आईओएस सागर की ओर से डेक रिसेप्शन आयोजित किया जाएगा, जो चट्टोग्राम यात्रा की सफलता का उत्सव होगा।

दिल्ली के उपराज्यपाल टीएस संधू का संकल्प : यमुना साफ होगी

नई दिल्ली। यमुना नदी को साफ करने का संकल्प लेते हुए उपराज्यपाल टीएस संधू ने शुक्रवार को दिल्ली के भविष्य के विकास के पांच जरूरी स्तंभों के रूप में स्थिरता, समावेश, संस्कृति, नवाचार, आर्थिक विकास और करुणा की पहचान की।

जेएनयू के स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज (एसआईएस) में आयोजित एक सम्मान समारोह में उपराज्यपाल ने इस बात पर जोर दिया कि शासन व्यवस्था को जवाबदेह, सुलभ और मानवीय होना चाहिए।

एलजी ने वायु प्रदूषण, यमुना नदी की सफाई, जल निकायों का पुनरुद्धार, प्रभावी कचरा प्रबंधन, सतत गतिशीलता और हरित आवरण में वृद्धि को दिल्ली के शहरी विजन के लिए केंद्रीय मुद्दे बताया। उन्होंने कहा कि यमुना को न केवल साफ किया जाना चाहिए, बल्कि इसे इस शहर की एक जीवंत पारिस्थितिक और सांस्कृतिक जीवनरेखा के रूप में पुनर्जीवित भी किया जाना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि इसके साथ ही, मजबूत सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, पैदल चलने वालों के लिए अनुकूल सड़कें, साइकिल चलाने के लिए बुनियादी ढांचा और एकीकृत शहरी नियोजन दिल्ली के बदलाव के अगले चरण को परिभाषित करेंगे। एलजी ने इस बात पर जोर दिया कि सरकार और लोगों को केवल तात्कालिक उपायों से आगे बढ़कर दीर्घकालिक पर्यावरणीय नियोजन के प्रति प्रतिबद्ध होना होगा।

इस बात पर जोर देते हुए कि विकास और तरक्की सबको साथ लेकर चलने वाली होनी चाहिए, उपराज्यपाल ने कहा कि विकास के फायदे सबको मिलने चाहिए और अवसर भी सबके लिए सुलभ होने चाहिए। दिल्ली का भविष्य महिलाओं, बुजुर्गों, युवाओं, दिव्यांगों, प्रवासी मजदूरों, उद्यमियों, कलाकारों, छात्रों और कमजोर तबकों का भी उतना ही होना चाहिए।

संधू ने कहा कि शहरी विकास सिर्फ भौतिक बुनियादी ढांचे तक ही सीमित नहीं रह सकता, बल्कि इसे सामाजिक बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, सुरक्षा, सुलभता और गरिमा, को भी मजबूत करना होगा।

उपराज्यपाल ने कहा कि टेक्नोलॉजी और शासन-प्रशासन को मिलकर काम करना चाहिए, ताकि पारदर्शी, कुशल और नागरिक-हितैषी व्यवस्थाएं बनाई जा सकें। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य सीधा-सा होना चाहिए: ऐसा शासन जो जवाबदेह, सुलभ और मानवीय हो।

यूपी सरकार ने बाढ़ नियंत्रण और प्रबंधन की रणनीति में किया बड़ा बदलाव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार बाढ़ नियंत्रण और प्रबंधन को प्रभावी बनाने के लिए बड़े बदलाव कर रही है। सरकार बाढ़ नियंत्रण की पारंपरिक विधियों की जगह कुछ नए तरीके अपना रही है, जिससे करोड़ों रुपए की बचत होगी। साथ ही बाढ़ नियंत्रण के लिए किसानों की जमीनों का बार-बार अधिग्रहण नहीं करना पड़ेगा।

प्रदेश सरकार ने बाढ़ प्रभावित जिलों में नए तरीकों से लगभग 40.72 लाख हेक्टेयर भूमि को सुरक्षित किया और 3 करोड़ से ज्यादा लोगों को इससे फायदा मिला। इसके बाद बाढ़ नियंत्रण के नए तरीकों को विस्तार देने की तैयारी चल रही है।

अब तक बाढ़ नियंत्रण और प्रबंधन के लिए पत्थर की बड़ी मेड़, गैबियन दीवारें (लोहे की तार के बक्सों में पत्थर की दीवार), बड़े-बड़े बांध और तटबंध बनाने का ध्यान दिया जा रहा था। वहीं दूसरे तरीके में कई जगहों पर संवेदनशील क्षेत्रों में नदी और बड़े नालों से गाद निकालने, कीचड़ हटाने पर ध्यान दिया जा रहा है। ताकि नदी के मार्ग और मोड़ को पानी की अधिक क्षमता वहन करने लायक बनाया जा सके। लखीमपुर खीरी में बाढ़ सुरक्षा परियोजना के तहत इस नए तरीके को अपनाया गया। इंजीनियरों ने नदी की क्षमता बढ़ाने के लिए गाद निकाली, जिस पर महज 22 करोड़ रुपये खर्च हुए। पहले यहीं बाढ़ नियंत्रण की तैयारी में 180 करोड़ रुपये खर्च का अनुमान था। बाराबंकी में एल्गिन ब्रिज के आस-पास और सरयू क्षेत्र में भी नए तरीके से महज 5 करोड़ रुपये का खर्च आया, जिस पर पहले अन्य उपायों के जरिए 115 करोड़ रुपये के खर्च का अनुमान था।

इसी क्रम में बाढ़ नियंत्रण से जुड़े विभागों ने इंजीनियरों के साथ मिलकर घाघरा, शारदा और सुहेली नदियों के कई हिस्सों में बड़ा बदलाव किया। इन नदियों के मार्ग में करीब 9 से 16 किलोमीटर तक गाद निकालकर उनकी क्षमता में विस्तार किया गया है।

इस मॉडल से हर मानसून में तटबंध और मिट्टी के बांध बनाने के लिए बाढ़ प्रभावित जिलों में कृषि भूमि का अधिग्रहण कम होगा, जिसका सीधा फायदा किसानों को मिलेगा। योगी सरकार में 8 से ज्यादा वर्षों में लगभग 1,665 बाढ़ नियंत्रण परियोजनाएं पूरी की गई हैं। साथ ही अब तक 60 नदियों से गाद निकालने और कई नहरों का निर्माण भी किया गया है।

तृणमूल कार्यकर्ताओं को अपनी पार्टी में घुसने नहीं दूंगी : रत्ना देबनाथ

पानीहाटी। भाजपा की नवनिर्वाचित विधायक और आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में यौन उत्पीड़न और हत्या की शिकार हुई ट्रेनी डॉक्टर की मां रत्ना देबनाथ ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ता भाजपा समर्थक बनकर पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद हिंसा भड़का रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी तृणमूल कार्यकर्ता को भाजपा का हिस्सा बनने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

आईएएनएस से बात करते हुए, पानीहाटी विधानसभा सीट से जीतने वाली देबनाथ ने कहा कि ममता बनर्जी का समय अब ??खत्म हो चुका है लेकिन फिर भी उन्होंने इस्तीफा देने से इनकार कर दिया है, यह कहते हुए कि वह चुनाव नहीं हारी हैं। यह सब उनके पागलपन का नतीजा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी के कुछ कार्यकर्ता खुद पर भगवा रंग लगाकर हिंसा कर रहे हैं। मैं तृणमूल के किसी भी व्यक्ति को अपनी पार्टी में घुसने नहीं दूंगी। कोई भी उपद्रवी अंदर नहीं आ पाएगा। पानीहाटी में चुनाव के बाद भी अलग-अलग इलाकों में हिंसा हो रही है। तृणमूल के कुछ कार्यकर्ता खुद पर रंग लगाकर भाजपा समर्थक होने का दिखावा कर रहे हैं और तोड़फोड़ कर रहे हैं।

देबनाथ ने बताया कि उन्होंने दो पुलिस स्टेशनों में इन घटनाओं के बारे में शिकायत दर्ज कराई है। अधिकारियों ने कहा कि उन लोगों ने दावा किया है कि वे मेरे करीबी हैं। मैंने उनसे कहा कि 'करीबी' होने का कोई मतलब नहीं है,भले ही मैं कुछ गलत करूं, तो भी मेरे साथ कानून के हिसाब से ही बर्ताव होना चाहिए।

रत्ना देबनाथ ने पुष्टि की कि उनके विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नंबर 14 में एक बम धमाका हुआ है। चार लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। एक व्यक्ति की तो सर्जरी भी करनी पड़ी।

भाजपा नेता ने यह भी कहा कि पुलिस अधिकारियों को सूचित कर दिया गया है कि प्रशासन को बिना किसी रोक-टोक के काम करने दिया जाना चाहिए। भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी के एक सहयोगी की हत्या का जिक्र करते हुए देबनाथ ने कहा कि यह एक सोची-समझी हत्या थी। मैं यह खबर बर्दाश्त नहीं कर पाई और तब से ही मेरी तबीयत खराब चल रही है। देबनाथ ने चंद्रनाथ रथ को अच्छा इंसान बताया। उन्होंने कहा कि वह हमारे घर आते थे, सुवेंदु दा के बिना भी, और इसीलिए मैं उनकी मौत को स्वीकार नहीं कर पा रही हूं। अपने चुनाव क्षेत्र के लोगों के लिए योजनाओं के बारे में कहा कि स्थानीय लोगों ने मुझे अपनी समस्याएं बताई हैं। मैं उनके साथ एक बैठक करुंगी और उनकी समस्याओं को सुलझाने की कोशिश करुंगी।

केरल के नए सीएम की दौड़ अंतिम चरण में, एआईसीसी पर्यवेक्षकों ने 'समर्थन सूची' लीक होने की बात खारिज की

नई दिल्ली/तिरुवनंतपुरम। केरल का अगला मुख्यमंत्री कौन बनेगा, इस पर सस्पेंस गहराने के साथ ही, कांग्रेस आलाकमान ने विचार-विमर्श के निर्णायक चरण में प्रवेश कर लिया है। यह कदम तब उठाया गया जब एआईसीसी पर्यवेक्षकों ने शुक्रवार को नई दिल्ली में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को अपनी विस्तृत रिपोर्ट सौंपी।

पर्यवेक्षक अजय माकन और मुकुल वासनिक ने केरल में नए चुने गए विधायकों और वरिष्ठ नेताओं के साथ लंबी चर्चा पूरी करने के बाद, खड़गे के आवास पर व्यक्तिगत रूप से रिपोर्ट सौंपी। जानकारी के अनुसार, पर्यवेक्षकों ने हाई कमान को बताया है कि राज्य में राजनीतिक स्थिति अभी भी जटिल बनी हुई है और अंतिम चरण तक भी जोरदार लॉबिंग और गुटों का दबाव जारी रहा। प्रदेश के नए मुख्यमंत्री के बारे में घोषणा अब रविवार तक होने की उम्मीद है।

माना जा रहा है कि यह रिपोर्ट तीन जरूरी बातों का आकलन करने के बाद तैयार की गई है, विधायक के बीच अलग-अलग दावेदारों को मिला सपोर्ट, अलायंस पार्टनर्स का स्टैंड और जनता का मौजूदा मूड। अजय माकन ने बताया कि रिपोर्ट पर चर्चा शुरू हो चुकी है और साफ किया कि लीडरशिप आखिरी फैसले में बेवजह देरी नहीं करेगी।

जैसे ही हाईकमान ने बातचीत शुरू की, मीडिया के कुछ हिस्सों में फैली तस्वीरों और लिस्ट को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया, जिसमें लीडरशिप कंसल्टेशन के दौरान कांग्रेस विधायक के समर्थन की स्थिति का खुलासा करने का दावा किया गया था।

लीक हुई तस्वीरों ने जोरदार राजनीतिक बहस छेड़ दी, जिसमें अलग-अलग ग्रुप अपने-अपने उम्मीदवारों के लिए मोमेंटम दिखाने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि, मुकुल वासनिक ने सर्कुलेट किए गए डॉक्यूमेंट्स के असली होने से साफ इनकार कर दिया।

उन्होंने साफ किया कि जो तस्वीरें शेयर की जा रही हैं, वे ऑब्जर्वर द्वारा तैयार किए गए असली या फाइनल रिकॉर्ड नहीं हैं। उन्होंने कहा कि वे कंसल्टेशन के असली नतीजे को नहीं दिखाती हैं। वासनिक के अनुसार, जो चीजें पब्लिक में सामने आईं, वे सिर्फ ऑब्जर्वर के पास मौजूद कागजों की तस्वीरें थीं, न कि कांग्रेस प्रेसिडेंट को दिया गया ऑफिशियल असेसमेंट।

डिंपल यादव ने की यूपी चुनाव में मतगणना के दिन लाइव कवरेज की मांग

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश में साल 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर जहां भाजपा नेताओं ने दावा किया है कि बंगाल के बाद अब उत्तर प्रदेश की बारी है। समाजवादी पार्टी से सांसद डिंपल यादव ने कहा कि चुनाव के लिए हमारे नेता कार्यकर्ता तैयार हैं, लेकिन हमारी मांग है कि मतगणना के दिन लाइव कवरेज हो। मैनपुरी में आईएएनएस से बातचीत करते हुए समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने अखिलेश यादव और ममता बनर्जी की मुलाकात पर कहा कि सपा के टीएमसी के साथ हमेशा अच्छे संबंध रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वहां हुई एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह कहा गया कि हम मतगणना के दिन लाइव कवरेज चाहते हैं, ठीक वैसे ही जैसे आजकल यूट्यूबर्स लाइव स्ट्रीमिंग करते हैं। यह टेक्नोलॉजी का जमाना है, इसलिए लाइव स्ट्रीमिंग अब कोई बड़ी बात नहीं रह गई है। उन्होंने इस बात की ओर इशारा किया कि जब भी चंडीगढ़ में पहले हुई घटनाओं के दौरान लाइव फुटेज उपलब्ध हुई, तो अनियमितताएं सामने आईं। इसलिए समाजवादी पार्टी यह मांग करती है कि उत्तर प्रदेश में चुनावों के दौरान मतगणना के दिन वहां से लाइव फुटेज और लाइव कवरेज हो। डिंपल यादव ने ये भी कहा कि चुनाव आयोग से वैसे हमें कोई उम्मीद नहीं है, लेकिन हम चाहते हैं कि मतगणना के दिन लाइव कवरेज होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमने देखा है कि उत्तर प्रदेश में भी चुनावों के दौरान सुरक्षा बलों का खौफ रहता है और डर का माहौल बनाया जाता है।

ग्रेटर नोएडा में कैंटर और ट्रेलर की टक्कर में एक चालक की मौत

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में एक बार फिर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। बीटा-2 थाना क्षेत्र में बीती देर रात कैंटर और ट्रेलर के बीच हुई भीषण टक्कर में कैंटर चालक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और सड़क पर लंबा जाम लग गया।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों वाहन तेज रफ्तार में थे। इसी दौरान बीटा-2 क्षेत्र में कैंटर और ट्रेलर अनियंत्रित होकर टकरा गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि कैंटर का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक उसमें बुरी तरह फंस गया। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। स्थानीय लोगों की मदद से गंभीर रूप से घायल चालक को निकालकर नजदीक के अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

शव की पहचान मूल रूप से कासगंज निवासी संत कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में हादसे की वजह तेज रफ्तार और वाहन चालक द्वारा नियंत्रण खोना माना जा रहा है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है ताकि दुर्घटना के सही कारणों का पता लगाया जा सके।

धर्मांतरण नेटवर्क पर सरकार की पैनी नजर, दोषियों पर कार्रवाई तय : चित्रा वाघ

मुंबई। महाराष्ट्र में भाजपा नेता चित्रा वाघ ने टीसीएस मामले में निदा खान की गिरफ्तारी, जबरन धर्मांतरण और 'लव जिहाद' से जुड़े आरोपों, और पश्चिम बंगाल की राजनीतिक स्थिति पर प्रतिक्रिया देते हुए राज्य सरकार और पुलिस की कार्रवाई का समर्थन किया।

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के माध्यम से धर्मांतरण गतिविधियों के संचालन की बातें सामने आई हैं, जो बेहद गंभीर विषय है और सरकार इस पर सख्ती से कार्रवाई कर रही है।

चित्रा वाघ ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि इस मामले में पहले भी कई लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि निदा खान लंबे समय से फरार चल रही थी। हाल ही में उसे संभाजीनगर से गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की घटनाओं को रोकना सरकार की जिम्मेदारी है और राज्य सरकार इस दिशा में लगातार काम कर रही है। उन्होंने दावा किया कि टीसीएस जैसी कंपनियों के नाम भी इस मामले में सामने आ रहे हैं। ऐसे मामलों में पुलिस और सरकार पूरी सख्ती के साथ कार्रवाई करेगी ताकि किसी भी प्रकार के अवैध धर्मांतरण या समाज को प्रभावित करने वाली गतिविधियों पर रोक लगाई जा सके।

'वंदे मातरम' पर एआईएमआईएम नेता वारिस पठान की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए चित्रा वाघ ने कहा कि यह भारत की आत्मा से जुड़ा गीत है और इसे सम्मान देना हर भारतीय का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम' को राष्ट्रीय गीत जैसा सम्मान मिलना देश के लिए गौरव की बात है और इसका गायन सभी नागरिकों को करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की सोच हमेशा राष्ट्रहित और भारतीय संस्कृति के सम्मान को प्राथमिकता देने वाली रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सोमनाथ दौरे को लेकर पूछे गए सवाल पर चित्रा वाघ ने कहा कि सोमनाथ मंदिर करोड़ों भारतीयों की आस्था और ऊर्जा का केंद्र है। प्रधानमंत्री मोदी का सोमनाथ जाना बेहद सकारात्मक और प्रेरणादायक कदम है। उनके कार्यकाल में सोमनाथ मंदिर के विकास और सौंदर्यीकरण का व्यापक कार्य हुआ है, जिससे मंदिर को नया स्वरूप मिला और देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं प्राप्त हुई हैं।

केनरा बैंक फ्रॉड केस : ईडी ने छह ठिकानों पर मारे छापे, करोड़ों की गड़बड़ी उजागर

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गोवा में एक बड़े बैंक धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में व्यापक कार्रवाई करते हुए छह स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई केनरा बैंक से कथित रूप से करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी से जुड़ी कंपनी क्राउन मिनरल ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन (सीएमटीसी) और उसके साझेदारों के खिलाफ की गई।

ईडी के पणजी जोनल कार्यालय द्वारा मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत की गई इस कार्रवाई के दौरान 67.50 लाख रुपये नकद, संपत्ति की बिक्री से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज और कई डिजिटल उपकरण जब्त किए गए। ईडी ने इस मामले में जांच की शुरुआत केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की एंटी करप्शन ब्रांच (एसीबी), गोवा द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर की थी। यह एफआईआर केनरा बैंक की शिकायत पर दर्ज हुई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि सीएमटीसी के साझेदारों ने फर्जी दस्तावेजों और धोखाधड़ी के जरिए बैंक की मडगांव शाखा से 7 करोड़ रुपये की क्रेडिट सुविधा हासिल की। शिकायत के अनुसार, कंपनी खुद को कच्चे लौह अयस्क के व्यापार से जुड़ी फर्म बताती थी, लेकिन बाद में सामने आया कि उसका कोई वास्तविक कारोबारी संचालन नहीं था। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि बैंक से प्राप्त ऋण राशि को व्यापारिक गतिविधियों में लगाने के बजाय साझेदारों के निजी बैंक खातों में ट्रांसफर कर दिया गया। इसके अलावा, कैश क्रेडिट सीमा के नवीनीकरण और उसे जारी रखने के लिए बैंक को फर्जी वार्षिक स्टॉक विवरण जमा किए गए थे।

भारत में एयरक्राफ्ट लीजिंग सेक्टर में 50 अरब डॉलर का बड़ा अवसर, लक्षद्वीप में जल्द शुरू होंगी सीप्लेन सेवाएं

नई दिल्ली। भारत का एविएशन सेक्टर तेजी से विस्तार की ओर बढ़ रहा है और आने वाले वर्षों में विमान लीजिंग और फाइनेंसिंग के क्षेत्र में बड़े निवेश की संभावनाएं दिखाई दे रही हैं। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू किंजारापु ने कहा कि भारतीय एयरलाइंस के पास वर्तमान में 1,640 विमानों की डिलीवरी लंबित है, जो अगले एक दशक में देश के लिए 50 अरब डॉलर के एयरक्राफ्ट लीजिंग अवसर पैदा करेगी। उन्होंने यह बात गांधीनगर के गिफ्ट सिटी में आयोजित इंडिया एयरक्राफ्ट लीजिंग एंड फाइनेंसिंग समिट 2.0 के दौरान कही।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते एविएशन बाजारों में शामिल हो चुका है और अब देश खुद को वैश्विक एविएशन फाइनेंसिंग और एयरक्राफ्ट लीजिंग हब के रूप में भी स्थापित करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में भारतीय एयरलाइंस के पास 1,640 विमानों की लंबित डिलीवरी है। यह आने वाले 10 वर्षों में करीब 50 अरब डॉलर के लीजिंग अवसरों में बदल सकती है। उन्होंने कहा कि भारत का कमर्शियल विमान बेड़ा 2027 तक बढ़कर 1,100 विमानों तक पहुंच सकता है, जबकि 2035 तक यह संख्या 2,250 से अधिक होने का अनुमान है। मंत्री ने आगे कहा कि एविएशन सेक्टर के इस बड़े विस्तार को समर्थन देने के लिए मजबूत घरेलू फाइनेंसिंग और लीजिंग इकोसिस्टम की जरूरत है। सरकार इसी दिशा में लगातार काम कर रही है ताकि भारतीय एयरलाइंस को वैश्विक स्तर की सुविधाएं और वित्तीय सहायता मिल सके। उन्होंने बताया कि पहले आयोजित इंडिया एयरक्राफ्ट लीजिंग एंड फाइनेंसिंग समिट में किए गए कई बड़े वादों को सरकार ने पूरा कर दिया है। इसी क्रम में 'प्रोटेक्शन ऑफ इंटरेस्ट्स इन एयरक्राफ्ट ऑब्जेक्ट्स एक्ट 2025' लागू किया गया है, जो भारत के कानूनी ढांचे को केप टाउन कन्वेंशन के अनुरूप बनाता है।

विश्व केसरी

नासा ने दिखाई गैलेक्सी एम-77 की तीन आश्चर्यजनक तस्वीरें, दिखी 'डिफ्रैक्शन स्पाइक्स' की झलक

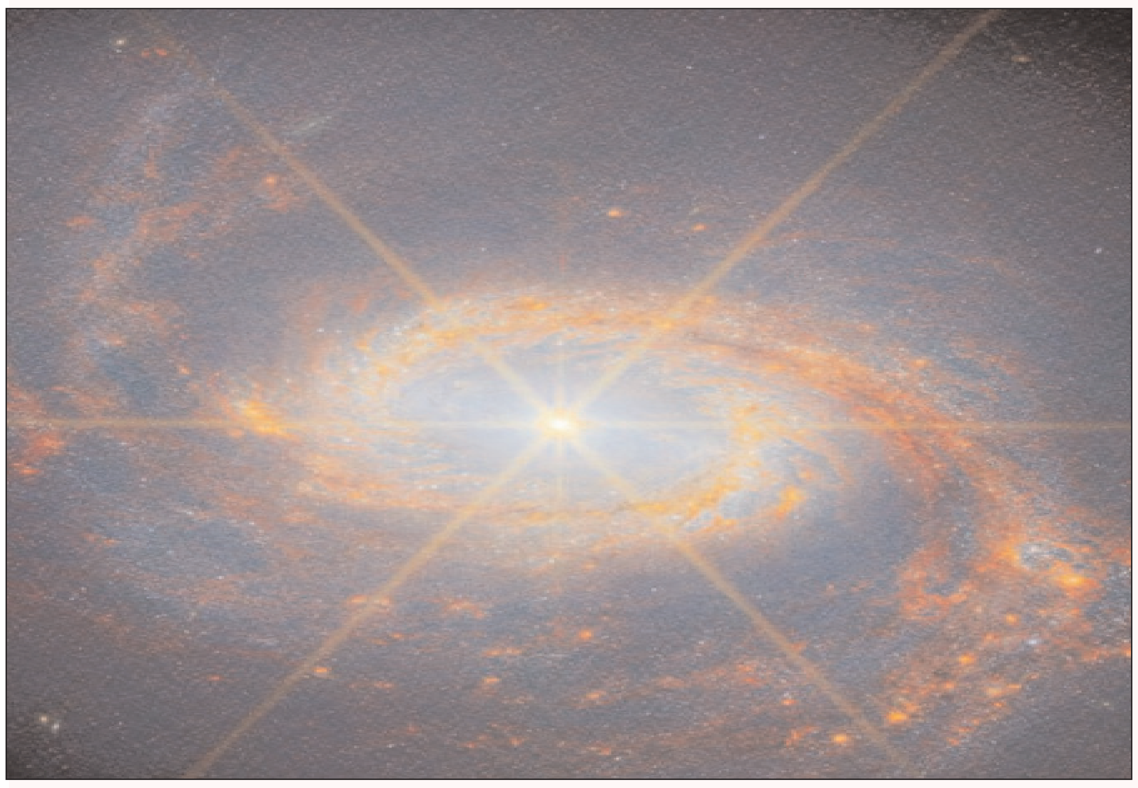

नई दिल्ली। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप की मदद से गैलेक्सी एम-77 की तीन शानदार तस्वीरें जारी की हैं। इन तस्वीरों में गैलेक्सी का केंद्र इतनी तेजी से चमक रहा है कि पूरी गैलेक्सी चमकती नजर आ रही है। सबसे खास बात इन तस्वीरों में दिखने वाले 'डिफ्रैक्शन स्पाइक्स' हैं, जो टेलीस्कोप के ऑप्टिक्स की वजह से बनने वाला एक ऑप्टिकल प्रभाव है।

ये डिफ्रैक्शन स्पाइक्स कोई गैलेक्सी की असली संरचना नहीं बल्कि टेलीस्कोप का ऑप्टिकल प्रभाव है। गैलेक्सी एम-77 सर्पिल गैलेक्सी है और सक्रिय केंद्र वाली गैलेक्सियों में से एक है। नासा की इन तस्वीरों से वैज्ञानिकों को ब्लैक होल के आसपास की गतिविधि, नए तारों के निर्माण और गैलेक्सी की संरचना को बेहतर समझने में मदद मिलेगी।

नासा ने इन तस्वीरों के साथ लिखा, 'किसी को भी अपनी चमक कम न करने दें।' गैलेक्सी एम-77 का केंद्र इतना चमकदार है क्योंकि गैस उसके केंद्रीय ब्लैक होल के चारों ओर बहुत तेज गति से घूम रही है। इस तेज घुमाव से गैस गर्म हो जाती है और भारी मात्रा में ऊर्जा व रेडिएशन निकालती है।

पहली तस्वीर-मिड-इन्फ्रारेड व्यू है। इस तस्वीर में गैलेक्सी के केंद्र से निकलने वाली तेज चमक सबसे ज्यादा आकर्षित करती है। केंद्र से छह बड़ी और दो छोटी चमकदार नारंगी किरणें बाहर की ओर निकल रही हैं। ये किरणें असल में 'डिफ्रैक्शन स्पाइक्स' हैं, जो वेब टेलीस्कोप की बनावट के कारण पैदा होते हैं। गैलेक्सी की सर्पिल भुजाओं में नारंगी रंग के चमकते बुलबुले दिख रहे हैं, जो नए बने तारों के समूह या स्टार क्लस्टर्स हैं। गैलेक्सी का बाकी हिस्सा धूल के नीले घूमते बादलों से भरा दिख रहा है।

वहीं, दूसरी तस्वीर नियर-इन्फ्रारेड व्यू है, जिसमें गैलेक्सी के केंद्र में 6 हजार प्रकाश वर्ष लंबा एक 'बार' (बार संरचना) साफ दिख रहा है। यह बार एक चमकदार छल्ले से घिरा हुआ है, जिसे 'स्टारबर्स्ट रिंग' कहा जाता है। यह छल्ला गैलेक्सी की दो सर्पिल भुजाओं के अंदरूनी सिरों से बनता है। स्टारबर्स्ट क्षेत्र वे जगहें हैं जहां नए तारे बहुत तेजी से बन रहे हैं। यहां भी केंद्र से छह लंबी चमकदार किरणें यानी डिफ्रैक्शन स्पाइक्स निकल रही हैं। तीसरी तस्वीर दोनों इन्फ्रारेड व्यूज का कॉम्बिनेशन हैं। यह तस्वीर मिड-इन्फ्रारेड और नियर-इन्फ्रारेड दोनों को मिलाकर बनाई गई है। इसमें गैलेक्सी की पूरी खूबसूरती और वैज्ञानिक महत्व एक साथ दिख रहा है। केंद्र से निकलने वाले डिफ्रैक्शन स्पाइक्स, स्टारबर्स्ट रिंग, सर्पिल भुजाएं और धूल के बादल सभी स्पष्ट नजर आ रहे हैं। वेब टेलीस्कोप की बनावट की वजह से चमकदार वस्तुओं के चारों ओर छह-प्लस-दो बिंदुओं वाला पैटर्न बनता है जबकि हबल टेलीस्कोप में चार बिंदुओं वाला पैटर्न दिखता है।

प्रसव के बाद मां की शारीरिक ही नहीं मानसिक सेहत भी जरूरी, काम के हैं ये टिप्स

नई दिल्ली। मां बनना जीवन का एक खूबसूरत समय है, ऐसे में गर्भावस्था और प्रसव के बाद हेल्थ एक्सपर्ट कई सावधानियों के साथ ही शिशु व मां की सेहत से जुड़ी कारगर टिप्स भी देते हैं। वे बताते हैं कि प्रसव के बाद मां की शारीरिक ही नहीं मानसिक सेहत भी जरूरी है।

शिशु के जन्म के बाद मां का स्वास्थ्य पहले जितना ही महत्वपूर्ण होता है। प्रसव के दौरान शरीर पर काफी दबाव पड़ता है, इसलिए बच्चे के जन्म के बाद भी मां को विशेष देखभाल, उचित पोषण और पर्याप्त आराम की जरूरत होती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि इस दौरान अगर मां की सही देखभाल की जाए तो वह जल्दी स्वस्थ हो जाती है और शिशु की देखभाल भी बेहतर ढंग से कर पाती है।

प्रसव के बाद मां को संतुलित आहार लेना चाहिए। आयरन युक्त भोजन शरीर में खून की कमी को पूरा करता है। प्रोटीन से शरीर की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। दूध, दालें, हरी सब्जियां, फल और पर्याप्त मात्रा में पानी पीना मां के शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद है। ये चीजें न सिर्फ शरीर को अंदर से मजबूत बनाती हैं बल्कि दूध उत्पादन को भी बढ़ाती हैं।

कई नई माताएं प्रसव के बाद भावनात्मक उतार-चढ़ाव, थकान या डिप्रेशन का सामना करती हैं। ऐसे में परिवार को मां की मानसिक स्वास्थ्य भी ध्यान में रखना चाहिए। सही खानपान के साथ पर्याप्त आराम और परिवार का सहयोग मां को मानसिक रूप से मजबूत बनाता है।

प्रसव के बाद कुछ हल्के योगासन मां की सेहत को सुधारने में मदद करते हैं। ये आसन कमर दर्द, थकान कम करने और शरीर को लचीला बनाने में सहायक होते हैं। हालांकि, किसी भी योगासन को शुरू करने से पहले डॉक्टर या योग विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें। शुरुआती दिनों में ज्यादा जोरदार व्यायाम न करें।क्या करें पौष्टिक और संतुलित आहार लें और खूब पानी पिएं। पर्याप्त नींद और आराम करें। साथ ही, परिवार का सहयोग लें व डॉक्टर के बताए अनुसार दवाएं और सप्लीमेंट्स लें।

प्रसव के बाद मां को कोई भी घरेलू नुस्खा आजमाने से पहले डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। स्वस्थ मां ही स्वस्थ बच्चे की नींव होती है। विशेषज्ञों का कहना है कि प्रसव के बाद मां की देखभाल सिर्फ शारीरिक नहीं बल्कि भावनात्मक रूप से भी होनी चाहिए। सही पोषण, आराम और सकारात्मक माहौल से माम जल्दी स्वस्थ हो जाती है।

यूपी में लापरवाह डॉक्टरों पर बड़ी कार्रवाई, पांच चिकित्साधिकारी बर्खास्त

लखनऊ। यूपी के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने स्वास्थ्य विभाग में लापरवाही और भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ा अभियान छेड़ते हुए शुक्रवार को कई चिकित्साधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की। ड्यूटी से लंबे समय तक गायब रहने, प्रशासनिक लापरवाही, निजी अस्पतालों के पंजीकरण में अनियमितता और मरीजों के इलाज में कोताही बरतने के आरोपों में पांच चिकित्साधिकारियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है जबकि एक मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) समेत 16 चिकित्साधिकारियों के खिलाफ विभागीय अनुशासनिक कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं।

उपमुख्यमंत्री ने चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ और सरकारी जिम्मेदारियों में लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सेवा से बर्खास्त किए गए चिकित्साधिकारियों में जिला चिकित्सालय गोरखपुर की डॉ. अलकनंदा, कुशीनगर में तैनात डॉ. रामजी भरद्वाज, बलरामपुर के डॉ. सौरभ सिंह, अमेठी के सीएचसी जगदीशपुर में तैनात डॉ. विकलेश कुमार

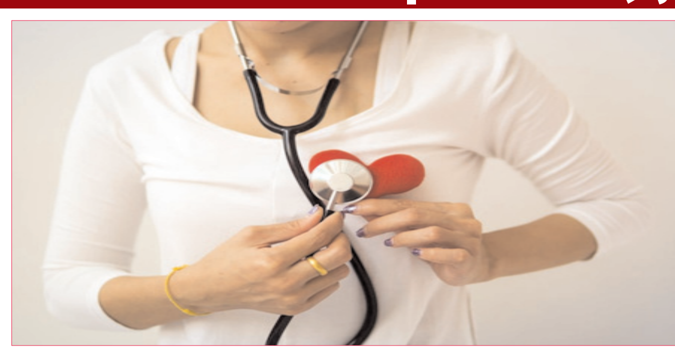

शर्मा तथा औरैया के सीएचसी दिबियापुर की डॉ. मोनिका वर्मा शामिल हैं। इन सभी पर लंबे समय से बिना सूचना ड्यूटी से अनुपस्थित रहने और चिकित्सकीय कार्यों से विरत रहने का आरोप था। स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई का सबसे बड़ा असर अंबेडकरनगर में देखने को मिला, जहां मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय कुमार शैवाल और डिप्टी सीएमओ डॉ. संजय वर्मा पर निजी अस्पतालों, नर्सिंग होम और अल्ट्रासाउंड केंद्रों के पंजीकरण एवं नवीनीकरण में अनियमितता बरतने, शासनादेशों की अनदेखी करने और पद के दुरुपयोग के आरोप सिद्ध पाए गए। शिकायतों की जांच एडीएम स्तर की तीन सदस्यीय समिति ने की, जिसके बाद दोनों अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के आदेश दिए गए। हरदोई के संडीला में चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मनोज कुमार सिंह पर अवैध रूप से संचालित निजी अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई न करने और अपने दायित्वों में लापरवाही बरतने का आरोप लगा। इस मामले में विभागीय जांच बैठाई गई है। साथ ही हरदोई के सीएमओ से यह भी जवाब तलब किया गया है कि वरिष्ठ डॉक्टरों की मौजूदगी के बावजूद कनिष्ठ चिकित्साधिकारी को वरिष्ठ पद का कार्यभार क्यों सौंपा गया। प्रयागराज के मेजा सीएचसी के अधीक्षक डॉ. शमीम अख्तर पर प्रशासनिक लापरवाही और अधीनस्थों पर नियंत्रण न रख पाने के आरोप में विभागीय कार्रवाई के साथ स्थानांतरण के आदेश दिए गए हैं।

वहीं, सुल्तानपुर के लंभुआ सीएचसी में महिला मरीज के इलाज में लापरवाही के मामले में तत्कालीन अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार सिंह, चिकित्साधिकारी डॉ. धर्मराज और फार्मासिस्ट अवधनारायण के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। मथुरा जिला चिकित्सालय में मेडिकल परीक्षण में कथित अनियमितता के मामले में इमरजेंसी मेडिकल अफसर डॉ. देवेंद्र कुमार और सर्जन डॉ. विकास मिश्रा पर भी विभागीय अनुशासनिक कार्रवाई के आदेश जारी किए गए हैं।

भारत में अब तक हंता वायरस का कोई मामला नहीं, महामारी का रूप लेने की संभावना कमः रिपोर्ट

नई दिल्ली। हंता वायरस के इंसान से इंसान में फैलने की दर काफी कम है, इसलिए इसके महामारी का रूप लेने की संभावना बेहद कम मानी जा रही है। एक नवीनतम रिपोर्ट में शुक्रवार को कहा गया कि भारत में इस वायरस के मौजूदा प्रकोप से जुड़ी कोई व्यापक या आधिकारिक रूप से पुष्टि की गई मौत सामने नहीं आई है।

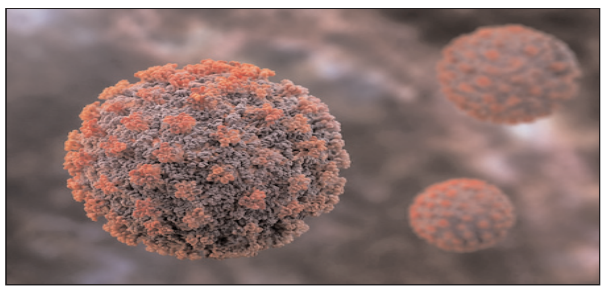

एलारा कैपिटल की रिपोर्ट में कहा गया है कि हंता वायरस की संक्रमण फैलाने की क्षमता कम होने के कारण, इसके मामले गंभीर होने के बावजूद आमतौर पर स्थानीय स्तर तक ही सीमित रहते हैं और खुद ही नियंत्रित हो जाते हैं।

रिपोर्ट में बताया गया कि दुनिया भर में हंता वायरस संक्रमण अभी भी बहुत दुर्लभ हैं और इसके लिए अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (यूएसएफडीए) द्वारा स्वीकृत कोई खास वैक्सीन या एंटीवायरल इलाज उपलब्ध नहीं है।

हंता वायरस एक आरएनए वायरस है, जो मुख्य रूप से चूहों से इंसानों में फैलता है। यह संक्रमण चूहों के पेशाब, मल या लार के सूक्ष्म कणों के सांस के जरिए शरीर में जाने से होता है। रिपोर्ट में कहा गया कि हंता वायरस के केवल कुछ विशेष प्रकार, खासकर एंडीज स्ट्रेन, में बहुत दुर्लभ मामलों में इंसान से इंसान में संक्रमण देखा गया है।

रिपोर्ट में हंता वायरस और कोविड-19 के बीच बड़ा अंतर भी बताया गया। कोविड-19 पैदा करने वाला सार्स-कोव-2 वायरस बहुत तेजी से फैला और वैश्विक महामारी बन गया था, जबकि हंता वायरस की फैलने की क्षमता काफी सीमित है। दुनिया में हंता वायरस से जुड़ी दो प्रमुख बीमारियां देखी गई हैं। पहली है हंता वायरस पल्मोनरी सिंड्रोम, जो अमेरिका में पाया जाता है और गंभीर श्वसन विफलता का कारण बन सकता है। इसमें मृत्यु दर 40 से 50 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। दूसरी बीमारी है हेमोरेजिक फीवर विद रीनल सिंड्रोम (एचएफआरएस), जो यूरोप और एशिया में पाया जाता है। यह किडनी और रक्त वाहिकाओं को प्रभावित करता है तथा गंभीर मामलों में इसकी मृत्यु दर 15 प्रतिशत तक हो सकती है।

रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2026 में क्रूज जहाज एमवी होंडियस पर एंडीज स्ट्रेन से जुड़े कुछ मामले सामने आए, जिनमें तीन लोगों की मौत हुई। हालांकि संक्रमण सीमित स्तर तक ही रहा। हंता वायरस पल्मोनरी सिंड्रोम का पहला बड़ा प्रकोप 1993 में अमेरिका के फोर कॉर्नर्स क्षेत्र (एरिजोना, न्यू मैक्सिको, कोलोराडो और यूटा) में सामने आया था, और यह संक्रमण सिन नोम्ब्रे वायरस के कारण हुआ था। उस दौरान 53 मामले सामने आए थे, जिनमें 32 लोगों की मौत हुई थी।

रिपोर्ट के अनुसार, चीन में 2004 से 2019 के बीच एचएफआरएस के लगभग 2.1 लाख मामले और करीब 1,855 मौतें दर्ज की गईं। वहीं अमेरिका में 1993 से 2022 के बीच हंता वायरस संक्रमण के कुल 864 मामले सामने आए, जिनमें लगभग 302 लोगों की मौत हुई।

गर्मी में शरीर की ताजगी और संतुलन बनाए रखने में कारगर घड़े का पानी, जानें क्या कहते हैं एक्सपर्ट

नई दिल्ली। गर्मी के बढ़ते तापमान में शरीर को ठंडक, ताजगी और संतुलन बनाए रखने का सबसे आसान, कारगर और प्राकृतिक तरीका है मिट्टी के घड़े या मटके का पानी पीना। हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि फ्रिज का ठंडा पानी अस्थायी राहत तो देता है, लेकिन मटके का पानी स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद और सुरक्षित है। खास बात है कि इसका सेहत पर कोई नकारात्मक असर नहीं होता है।

नेशनल हेल्थ मिशन के अनुसार, गर्मियों में ज्यादातर लोग राहत पाने के लिए फ्रिज का पानी पीते हैं, लेकिन इससे गला खराब होने, खांसी या पेट की समस्याएं हो सकती हैं। वहीं, मिट्टी के घड़े में रखा पानी प्राकृतिक रूप से ठंडा रहता है और शरीर को अंदर से ठंडक पहुंचाता है। इसमें मिट्टी की हल्की सौंधी खुशबू भी आती है, जो पीने में स्वादिष्ट लगती है।

एक्सपर्ट्स के अनुसार मटके के पानी के सेवन से कई फायदे मिलते हैं। इसके सेवन से शरीर का तापमान नियंत्रित रखता है और प्राकृतिक ठंडक मिलती है। पाचन क्रिया को मजबूत बनाता है। मिट्टी पानी की अशुद्धियों को सोख लेती है, जिससे शरीर के विषैले तत्व बाहर निकलते हैं। इम्युनिटी बढ़ाने में भी यह मदद करता है और शरीर के पीएच लेवल को संतुलित भी रखता है। आयुर्वेद में मटके के पानी को अमृत के समान माना जाता है। आधुनिक डॉक्टर भी इसे फ्रिज के पानी से बेहतर बताते हैं। मिट्टी के क्षारीय गुण पानी में प्राकृतिक मिनरल्स बढ़ा देते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी होते हैं। गले, पेट और आंतों के लिए यह पानी सुरक्षित है। बीमार व्यक्ति भी बिना किसी चिंता के इसे पी सकते हैं। गर्मी के मौसम में हाइड्रेटेड रहने का यह सबसे सस्ता, प्राकृतिक और प्रभावी तरीका है। मटके का पानी पूरी तरह केमिकल मुक्त होता है और शरीर को अंदर से स्वस्थ रखता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों की सलाह है कि घर में मिट्टी का घड़ा जरूर रखें और गर्मियों में रोजाना इसका पानी पिएं। इससे न सिर्फ शरीर तरोताजा रहेगा, बल्कि कई मौसमी बीमारियों से भी बचाव होगा।

मां बनने के सफर को बनाए आसान, हर ट्राइमेस्टर में करें अलग योग

नई दिल्ली। मां बनने का सफर किसी भी महिला के जीवन का सबसे खास समय होता है। इस दौरान शरीर ही नहीं, मन भी बहुत सारे बदलावों से गुजरता है। कभी थकान ज्यादा होती है, कभी भावनाएं ज्यादा संवेदनशील हो जाती हैं, तो कभी शरीर नए अनुभवों के साथ खुद को ढाल रहा होता है। ऐसे में सही तरीके से किया गया योग इस पूरे सफर को आसान और संतुलित बना सकता है।

आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर पोस्ट कर बताया कि गर्भावस्था के हर स्टेज पर शरीर की जरूरतें अलग होती हैं, इसलिए योग भी उसी हिसाब से करना चाहिए। यही वजह है कि ट्राइमेस्टर-विशेष योग को आज बहुत सुरक्षित और उपयोगी माना जाता है।

मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान की मानें तो पहला ट्राइमेस्टर वह समय होता है जब शरीर नई स्थिति में खुद को एडजस्ट कर रहा होता है। इस दौरान हल्की-फुल्की गतिविधियां और सूक्ष्म व्यायाम बहुत मदद करते हैं, जैसे गर्दन को धीरे-धीरे आगे-पीछे और दाएं-बाएं घुमाना, कंधों को हल्के से घुमाना, घुटनों और टखनों की हलचल करना। इसके अलावा, ताड़ासन, वृक्षासन, दंडासन, सुखासन और शवासन जैसे सरल आसन किए जा सकते हैं। इस समय गहरी और शांत सांस लेने वाले अभ्यास जैसे नाड़ी शोधन प्राणायाम, भ्रामरी प्राणायाम और शीतली प्राणायाम मन को भी शांत रखते हैं। ध्यान और शांति पाठ इस स्टेज में मानसिक संतुलन देने में मदद करते हैं।

दूसरा ट्राइमेस्टर अक्सर सबसे स्थिर और आरामदायक माना जाता है। इस समय शरीर थोड़ा ज्यादा सक्रिय हो सकता है, इसलिए योग अभ्यास भी थोड़ा बढ़ाया जाता है। इसमें ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, वीरभद्रासन और कटी चक्रासन जैसे खड़े होकर किए जाने वाले आसन शामिल होते हैं। बैठकर किए जाने वाले आसनों में बद्धकोणासन, शशांकासन, मार्जरी आसन और सुखासन बहुत फायदेमंद होते हैं। दीवार के सहारे विपरीत करणी और शवासन शरीर को आराम देते हैं।

सर्पदंश में गलत घरेलू उपाय जानलेवा, एक्सपर्ट से जानें क्या करें, क्या नहीं

नई दिल्ली। बेमौसम बरसात या ग्रामीण इलाकों में सांप का निकलना आम बात है। वहीं, कई बार सर्पदंश या सांप काटने की स्थिति नजर आती है, जो जानलेवा भी हो सकती है। एक्सपर्ट बताते हैं कि सर्पदंश वास्तव में एक गंभीर मेडिकल इमरजेंसी है। घबराहट में या गलत घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल करने से स्थिति और बिगड़ सकती है। सही जानकारी और तुरंत सही कदम उठाने से सर्पदंश के मरीज की जान बचाई जा सकती है।

नेशनल हेल्थ मिशन का कहना है कि सर्पदंश के मामले में समय सबसे महत्वपूर्ण है। देश में हर साल बड़ी संख्या में लोग सांप के काटने का शिकार होते हैं। कई बार लोग डर के मारे या झाड़-फूंक पर भरोसा करते हुए कीमती समय गंवा बैठते हैं, जिससे स्थिति गंभीर हो जाती है। सही समय पर उपचार मिलने से ज्यादातर मामलों में मरीज को बचाया जा सकता है।

सांप काटने पर घाव को साफ पानी से धोएं। मरीज से अंगूठी, कड़ा, जूता या कोई भी टाइट कपड़ा तुरंत हटा दें। मरीज को शांत रखें और ज्यादा हिलने-डुलने से बचाएं। बिना किसी देरी के नजदीकी सरकारी अस्पताल पहुंचें।

हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि सांप काटने पर घाव पर चीरा न लगाएं। घाव पर कसकर पट्टी या बंधन न बांधें। जहर चूसने की कोशिश कभी न करें। झाड़-फूंक, देशी नुस्खे या किसी भी तरह के घरेलू उपाय पर समय बर्बाद न करें।

सर्पदंश के बाद सबसे बड़ा खतरा घबराहट और गलत इलाज से होता है। जहर शरीर में तेजी से फैल सकता है, इसलिए मरीज को जितना हो सके कम हिलाएं। घाव को चीरा लगाने या जहर चूसने से संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है और स्थिति और खराब हो सकती है।

ऐसे में स्वास्थ्य विभाग की सलाह है कि सांप काटने पर तुरंत नजदीकी सरकारी अस्पताल जाएं जहां एंटी-वेनम सीरम और जरूरी इलाज उपलब्ध होता है। निजी क्लिनिक या घरेलू उपचार पर भरोसा करने की बजाय सरकारी अस्पताल जाना ज्यादा सुरक्षित है।

सांपों वाले इलाकों में सतर्क रहें। रात के समय चलते समय टॉर्च का इस्तेमाल करें और लंबी घास या अंधेरी जगहों से बचें। अगर सांप दिख जाए तो उसे छेड़ें नहीं, दूर हट जाएं।

आईपीएल 2026: फिन एलन का तूफानी शतक, केकेआर ने डीसी को हराकर लगाया जीत का 'चौका'

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के 51वें मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए शुक्रवार को दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को 8 विकेट से हराया। अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में डीसी से मिले 143 रनों के लक्ष्य को केकेआर ने आसानी से 2 विकेट खोकर 14.2 ओवर में हासिल कर लिया। यह केकेआर की लगातार चौथी जीत है।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी केकेआर की शुरुआत कुछ खास नहीं रही। कप्तान अजिंक्य रहाणे 9 गेंदों में 13 रन बनाने के बाद रन आउट होकर पवेलियन लौटे। वहीं, अंगकृष रघुवंशी को अक्षर पटेल ने सिर्फ एक रन के स्कोर पर क्लीन बोल्ड किया। हालांकि, इसके बाद फिन एलन और कैमरून ग्रीन ने मोर्चा संभाला।

दोनों ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए शतकीय साझेदारी निभाई। दोनों ने मिलकर तीसरे विकेट के लिए 64 गेंदों में 116 रनों की अटूट साझेदारी की। एलन ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 47 गेंदों में नाबाद 100 रन बनाए। अपनी इस पारी में एलन ने 5 चौके और 10 छक्के लगाए। वहीं, ग्रीन 27 गेंदों में 2 छक्कों की मदद से 33 रन बनाकर नाबाद रहे। गेंदबाजी में डीसी की तरफ से एकमात्र विकेट कप्तान अक्षर पटेल की झोली में आया।

इससे पहले, दिल्ली कैपिटल्स ने 20 ओवर में 8 विकेट गंवाकर स्कोरबोर्ड पर 142 रन लगाए। पाथुम निसांका और केएल राहुल ने मिलकर टीम को सधी हुई शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 49 रन जोड़े। राहुल 14 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए। नीतीश राणा बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 8 रन बनाकर आउट हुए।

समीर रिजवी को सुनील नरेन ने 3 रनों के स्कोर पर पवेलियन भेजा। वहीं, ट्रिस्टन स्टब्स (2 रन) और कप्तान अक्षर पटेल (11 रन) का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा। पाथुम निसांका ने 29 गेंदों का सामना करते हुए 5 चौके और 3 छक्कों की मदद से 50 रन बनाए। वहीं, अंत के ओवरों में आशुतोष शर्मा ने 28 गेंदों में 39 रनों का योगदान दिया। गेंदबाजी में केकेआर की ओर से कार्तिक त्यागी ने 4 ओवर में सिर्फ 25 रन देकर 2 विकेट चटकाए, जबकि अनुकूल रॉय ने 31 रन देकर 2 विकेट निकाले। दिल्ली कैपिटल्स की यह इस सीजन की सातवीं हार है, जिसके चलते टीम का प्लेऑफ में पहुंच पाने का रास्ता बेहद मुश्किल हो गया है।

टीम का एकजुट प्रदर्शन आरसीबी के खिलाफ जीत की वजह: एलएसजी कप्तान ऋषभ पंत

लखनऊ। आईपीएल 2026 में गुरुवार का दिन लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के लिए अच्छा रहा। अपने घरेलू मैदान इकाना स्टेडियम में एलएसजी ने पहले बल्लेबाजी और बाद में शानदार गेंदबाजी करते हुए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ जीत दर्ज की। एलएसजी को लगातार 6 हार के बाद यह जीत मिली। मैच के बाद एलएसजी के कप्तान ने जीत का श्रेय पूरी टीम को दिया।

ऋषभ पंत ने कहा, 'यह जीत हमारे लिए बेहद अहम रही। पूरी टीम लंबे समय से एकजुट होकर अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश कर रही थी, और इस मैच में वह नजर आया। सीजन हमारे लिए आसान नहीं रहा, लेकिन टीम ने लगातार मेहनत जारी रखी। बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में संतुलित प्रदर्शन करना हमारा लक्ष्य था, और इस मुकाबले में हम काफी हद तक सफल रहे।

पंत ने कहा, 'मैच के दौरान कुछ फैसले चुनौतीपूर्ण थे, खासकर शाहबाज की जगह राठी को चुनना। उस समय टीम दबाव में थी, लेकिन हमें अपने गेंदबाजों पर भरोसा था। शेफर्ड के खिलाफ राठी का मैचअप सही साबित हुआ और उसने आत्मविश्वास के साथ जिम्मेदारी निभाई। पंत ने विस्फोटक शतकीय पारी खेलने वाले सलामी बल्लेबाज मिशेल मार्श की तारीफ करते हुए कहा, 'उनकी पारी शानदार रही। उन्होंने जिस तरह परिस्थिति के अनुसार बल्लेबाजी की, उससे टीम को मजबूती मिली। पूरे सीजन में हमारी सबसे बड़ी ताकत गेंदबाजी रही है।

अक्षर पटेल के प्रदर्शन में गिरावट की वजह कप्तानी का दबाव: इरफान पठान

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में शुक्रवार की शाम को दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच मुकाबला होने वाला है। सीजन की शुरुआत लगातार 2 जीत के साथ करने वाली डीसी की मौजूदा स्थिति चिंताजनक है। प्लेऑफ की उम्मीद बनाए रखने के लिए डीसी को यह मुकाबला हर हाल में जीतना होगा। डीसी के खराब प्रदर्शन की एक वजह कप्तान अक्षर पटेल का खराब फॉर्म भी रही है। पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने अक्षर के खराब प्रदर्शन की वजह कप्तानी का दबाव बताया है।

जियोहॉटस्टार पर 'चैंपियंस वाली कमेंट्री' पर बात करते हुए पठान ने कहा, 'अक्षर अभी कप्तानी, गेंदबाजी और बल्लेबाजी को एक साथ संतुलित करने की कोशिश में ओवरलोडेड लग रहे हैं।

पठान ने कहा, 'प्रदर्शन अच्छा न होने की स्थिति में आप हमेशा कप्तान की ओर देखते हैं। अक्षर पटेल, जो इस सीजन में टीम की कप्तानी कर रहे हैं, भी ऐसी ही स्थिति में हैं। एक बात जो मैंने महसूस की है, वह यह है कि कभी-कभी टीम की कप्तानी करते समय, वह गेंद से खुद को रोक लेते हैं। वह ऐसे गेंदबाज हैं जो पावरप्ले में नियमित तौर पर गेंदबाजी कर सकते हैं। मुझे चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी वाला मैच याद है, जहां उन्होंने थोड़ी देर से गेंदबाजी की थी। वह पावरप्ले के दौरान पहले आ सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया।

पूर्व क्रिकेटर ने कहा, 'कप्तान के तौर पर कई जिम्मेदारियां संभालने की कोशिश करते हुए अक्षर की बल्लेबाजी में गिरावट आई है और वह अपनी गेंदबाजी पर भी फोकस नहीं दे पा रहे।

पठान ने कहा, 'कभी-कभी वह अपनी गेंदबाजी को आगे नहीं बढ़ा पाते क्योंकि वह दूसरे गेंदबाजों से बेस्ट निकलवाने के बारे में सोचते रहते हैं। मुझे नहीं लगता कि उन्हें अपनी गेंदबाजी को नजरअंदाज करना चाहिए क्योंकि वह एक शानदार गेंदबाज हैं। अक्षर पटेल ने सीजन में 10 मैचों में 8.25 के इकॉनमी रेट से 9 विकेट लिए हैं। बल्लेबाजी में उनका औसत और भी खराब है। वह 7 पारियों में सिर्फ 33 रन बना सके हैं। दिल्ली को अगर बाकी 4 मैच जीतकर प्लेऑफ की उम्मीद बनाए रखनी है, तो अक्षर पटेल को अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों से अहम योगदान देना होगा। टीम 10 मैचों में 4 मैच जीतकर अंकतालिका में सातवें स्थान पर है।

प्लेइंग इलेवन से बाहर रहना निराशाजनक है: डेविड मिलर

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में शुक्रवार की शाम दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच मुकाबला होने वाला है। डीसी क्या अपने प्लेइंग इलेवन में धाकड़ बल्लेबाज डेविड मिलर को जगह देगी, यह एक बड़ा सवाल है। मिलर पिछले 2 मैचों से प्लेइंग इलेवन से बाहर हैं।

प्लेइंग इलेवन में सिर्फ 4 विदेशी खिलाड़ी ही खेल सकते हैं। टीम में संतुलन के दृष्टिकोण से डीसी इन 4 में मिलर को मौका नहीं दे पा रही है। डीसी ने टॉप ऑर्डर में पाथुम निसांका को मौका दिया है। मध्यक्रम में ट्रिस्टन स्टब्स हैं, जबकि गेंदबाजी में मिचेल स्टार्क और लुंगी एंगिडी को शामिल किया गया है। इस वजह से मिलर को बाहर बैठना पड़ रहा है। टी20 के बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक मिलर के लिए प्लेइंग इलेवन से बाहर होना निराशाजनक है।

ईएसपीएनक्रिकइंफो की एक रिपोर्ट के मुताबिक मिलर ने कहा, 'निश्चित तौर पर यह निराशाजनक है। हर खिलाड़ी हर मैच खेलना चाहता है, लेकिन आईपीएल का स्ट्रक्चर ऐसा है कि सिर्फ चार विदेशी खिलाड़ी ही अंतिम एकादश में खेल सकते हैं। ऐसे में टीम कॉम्बिनेशन बेहद अहम हो जाता है। मिलर ने कहा, 'यह मेरा पहला आईपीएल नहीं है। वह टूर्नामेंट की परिस्थितियों को अच्छी तरह समझते हैं। उनका काम अब टीम के खिलाड़ियों को सकारात्मक ऊर्जा देना और अपने मौके के लिए तैयार रहना है।

मध्यक्रम के धाकड़ बल्लेबाज मिलर ने कहा, 'अब हमारे लिए हर मैच करो या मरो जैसा है। हमें क्वालीफाई करने के लिए चार में से चार मैच जीतने होंगे। हमने पूरी तरह खराब क्रिकेट नहीं खेली, लेकिन कुछ छोटे-छोटे फेज में टीम के तौर पर गलतियां की हैं, जिनका नुकसान उठाना पड़ा है।

अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम की पिच पर मिलर ने कहा, 'इस सीजन पिच का व्यवहार अलग रहा है। कभी हाई स्कोरिंग मुकाबले हुए तो कभी बल्लेबाजी मुश्किल रही। बल्लेबाजी इकाई ने लगातार विकेट गंवाकर खुद को दबाव में डाला है। अहम मौकों पर छोड़े गए कई कैच भी टीम पर भारी पड़े हैं।

सीएसके में कैसे हुई थी अश्विन की एंट्री? पूर्व स्पिनर ने साझा किया दिलचस्प किस्सा

नई दिल्ली। भारत के पूर्व स्पिन गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन ने अपने आईपीएल करियर और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ शुरुआती दिनों को याद करते हुए एक दिलचस्प किस्सा साझा किया। अश्विन ने बताया कि जब 2009 की नीलामी में सीएसके ने श्रीलंका के महान स्पिनर मुथैया मुरलीधरन को टीम में शामिल किया, तब उन्हें लगा था कि अब उनके लिए टीम में जगह बनाना मुश्किल हो जाएगा।

चेन्नई के रहने वाले 39 वर्षीय अश्विन ने अपनी घरेलू फ्रेंचाइजी, चेन्नई सुपर किंग्स, के साथ आईपीएल में अपना सफर शुरू किया था और दो खिताब भी जीते। 2025 की नीलामी में अश्विन की घर वापसी हुई और उन्हें सीएसके ने 9.75 करोड़ रुपये में खरीदा। वहीं, 2026 के सीजन की शुरुआत से पहले अश्विन ने अपने रिटायरमेंट का ऐलान किया।

अश्विन ने सीएसके में अपने चयन का रास्ता बनाने का श्रेय अपने दिवंगत गुरु वीबी चंद्रशेखर को भी दिया। उन्होंने 'जियोस्टार' के साथ बात करते हुए बताया, 'मैं उनका हमेशा शुक्रगुजार रहूंगा। लोग आपकी जिंदगी में आते हैं, आपके लिए एक रास्ता बनाते हैं, और फिर आगे बढ़ जाते हैं और मेरे लिए वह इंसान वीबी चंद्रशेखर थे। वह अब हमारे बीच नहीं हैं और उनकी जिंदगी बहुत जल्दी चली गई। चेन्नई के लीग क्रिकेट में, मैं पचायप्पा के मैदान पर एमआरएफ के खिलाफ केम्पलास्ट के लिए खेल रहा था, जब टी20 फॉर्मेट नया था और लोगों को लगता था कि स्पिनरों का कोई रोल नहीं है, खासकर फिंगर स्पिनरों का।

उन्होंने आगे कहा, 'ऑक्शन के दौरान सीएसके ने पहले ही मुथैया मुरलीधरन को चुन लिया था, और मुझे लगा कि मेरे मौके चले गए। फिर चेपॉक के मैदान में उसी टूर्नामेंट का फाइनल आया, यह केमप्लास्ट बनाम इंडिया सीमेंट्स था, जिसके पास सीएसके का मालिकाना हक था। मैंने 6 विकेट झटके। काशी विश्वनाथन और क्रिस श्रीकांत वहां थे, और जब मुझे प्लेयर ऑफ द मैच मिला, तो श्रीकांत ने कहा कि क्या सीएसके ने तुम्हें नहीं चुना? अरे काशी, उसे ले लो, तुम्हें अच्छे खिलाड़ी चुनने चाहिए।

यूरोपा लीग: एस्टन विला ने फाइनल में बनाई जगह

बर्मिंघम। जॉन मैकगिन और एमिलियानो बुएंडिया के शानदार प्रदर्शन की बदौलत एस्टन विला ने यूईएफए यूरोपा लीग 2026 के फाइनल में जगह बना ली। सेमीफाइनल के दूसरे लेग में विला ने नॉटिंघम फॉरेस्ट को 4-0 से हराया और 4-1 के कुल स्कोर के साथ फाइनल में जगह बनाई। एस्टन विला का सामना 20 मई को इस्तांबुल के बेसिकटास पार्क में फ्रीबर्ग से होगा।

विला पार्क में खेले गए मुकाबले में मैच की शुरुआत में नॉटिंघम फॉरेस्ट ने ओमारी हचिंसन के जरिए दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन जल्द ही एस्टन विला ने खेल पर नियंत्रण कर लिया। पॉ टोरेस का प्रयास गोलकीपर स्टीफन ऑर्टेगा ने शानदार तरीके से बार के ऊपर भेजा, जबकि यूरी टिलेमान्स और ओली वॉटकिंस भी शुरुआती मौकों को गोल में नहीं बदल सके।

पहला गोल आखिरकार वॉटकिंस ने किया। एमिलियानो बुएंडिया ने शानदार ड्रिब्लिंग करते हुए डिफेंस को छकाया और गेंद वॉटकिंस तक पहुंचाई, जिन्होंने आसान फिनिश के साथ टीम को बढ़त दिलाई। इस गोल के बाद विला का आत्मविश्वास और बढ़ गया। दूसरे हाफ में मेजबान टीम ने और तेजी दिखाई। पॉ टोरेस की शर्ट खींचने पर विला को पेनल्टी मिली, जिसे बुएंडिया ने शानदार तरीके से गोल में बदल दिया। इसके बाद कप्तान जॉन मैकगिन ने तीन मिनट के भीतर दो बेहतरीन गोल दागकर मैच पूरी तरह खत्म कर दिया। दोनों मौकों पर उन्होंने सटीक बाएं पैर के शॉट लगाए, और स्टेडियम में मौजूद प्रशंसकों को जश्न मनाने का मौका दिया। एस्टन विला के कोच उनाई एमरी ने जीत के बाद टीम की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'मुझे गर्व है कि हमने यह मैच जिस तरह खेला। इस्तांबुल में फाइनल खेलना बेहद खास होगा। अब हमें इस पल का आनंद लेना चाहिए, लेकिन साथ ही फाइनल और प्रतिद्वंद्वी फ्रीबर्ग का पूरा सम्मान भी करना होगा। इस जीत के साथ एस्टन विला अब अपनी तीसरी यूरोपीय ट्रॉफी जीतने से सिर्फ एक कदम दूर है। 1982 में यूरोपियन कप जीतने वाली विला टीम 44 साल बाद किसी बड़े यूईएफए फाइनल में पहुंची है।

आईसीसी: अप्रैल महीने की श्रेष्ठ महिला खिलाड़ी पुरस्कार की दौर में वोल्वार्ट, दुलानी और कार्डोसो

दुबई। दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम की कप्तान लौरा वोल्वार्ट, श्रीलंका की बल्लेबाज इमेशा दुलानी और ब्राजील की ऑल-राउंडर लौरा कार्डोसो को अप्रैल महीने की श्रेष्ठ महिला खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए नामित किया गया है।

पिछले तीन महीने के अंदर दो पुरस्कार जीत चुकी वोल्वार्ट ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे और भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। इस वजह से वह न सिर्फ अप्रैल महीने की श्रेष्ठ महिला खिलाड़ी के रूप में नामित हैं, बल्कि इसे जीतने की दौर में सबसे आगे हैं।

वोल्वार्ट ने दो वनडे मैचों में 69.00 की औसत से 138 रन बनाए, जिसमें न्यूजीलैंड के खिलाफ लगातार दो पारियों में 69-69 रन शामिल हैं। इसके बाद उन्होंने भारत के खिलाफ 5 टी20 मैचों में 82.50 की औसत से 330 रन बनाए। अप्रैल महीने में उनका सबसे बड़ा पल भारत के खिलाफ तीसरे टी20 में आया, जब उन्होंने 53 गेंदों पर 115 रन बनाकर साउथ अफ्रीका को 192 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए नौ विकेट से जीत दिलाई थी। उनकी इस पारी में 14 चौके और पांच छक्के शामिल थे।

श्रीलंका की ओपनर दुलानी को आईसीसी विमेंस चैंपियनशिप सीरीज में बांग्लादेश पर 2-1 की जीत में 116 रन बनाने के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। इसके बाद उन्होंने दो टी20 मैचों में 82 रन बनाए, जिसमें सीरीज के पहले मैच में 40 गेंदों पर 55 रनों की तेज पारी भी शामिल है। इसी प्रदर्शन के आधार पर उन्हें अप्रैल महीने की श्रेष्ठ महिला खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए नामित किया गया है।

ब्राजील की लौरा कार्डोसा का इस पुरस्कार के लिए चुना जाना एक बड़ी उपलब्धि है। वह उस देश से संबंध रखती हैं, जहां क्रिकेट अभी शुरू ही हुआ है। कार्डोसा ने 7 टी20 मैचों में 130 से ज्यादा के स्ट्राइक-रेट से 203 रन बनाए, जिसमें बोत्सवाना और जाम्बिया के खिलाफ हाफ-सेंचुरी शामिल हैं। इसके साथ ही उन्होंने 17 विकेट भी लिए थे।

आईपीएल की पारदर्शिता बनाए रखने और खिलाड़ियों को सुरक्षित माहौल देने के लिए जल्द लागू होंगे नए नियम: राजीव शुक्ला

लखनऊ। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के वाइस प्रेसिडेंट राजीव शुक्ला ने कहा कि गवर्निंग बॉडी सभी आईपीएल खिलाड़ियों के लिए टूर्नामेंट के दौरान पारदर्शिता बेहतर करने और सुरक्षा इंतजाम को मजबूत करने के लिए कड़े नियम ला रही है।

उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों तक पहुंच को नियंत्रित किया जाएगा, ताकि किसी भी तरह की गड़बड़ी, बाहरी दखल या सुरक्षा खतरे से बचा जा सके। राजीव शुक्ला ने बताया कि अब फैंस और बिना अनुमति वाले लोगों को टीम होटल, टीम बस या खिलाड़ियों के निजी क्षेत्रों में उनसे मिलने की इजाजत नहीं होगी। उन्होंने कहा कि आईपीएल की पारदर्शिता बनाए रखने और खिलाड़ियों के लिए सुरक्षित माहौल तैयार करने के लिए ये नियम अगले कुछ दिनों में लागू किए जा सकते हैं।

बीसीसीआई ने हाल ही में सभी 10 आईपीएल फ्रेंचाइजियों को सात पन्नों की नई गाइडलाइन भेजी है। इसमें टीमों को 'हनी-ट्रैप' जैसे संभावित खतरों से सावधान रहने को कहा गया है। बोर्ड ने साफ किया है कि खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ की सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता है। इसी वजह से अब होटल और टीम से जुड़े सभी गतिविधि पर कड़ी नजर रखी जाएगी।

नई गाइडलाइन के मुताबिक, किसी भी खिलाड़ी या टीम अधिकारी के कमरे में बिना टीम मैनेजर की जानकारी और मंजूरी के कोई भी व्यक्ति नहीं जा सकेगा। चाहे वह खिलाड़ी का दोस्त, रिश्तेदार या कोई और परिचित ही क्यों न हो। सभी टीम मैनेजरों को होटल में आने-जाने वाले मेहमानों और खिलाड़ियों की गतिविधियों का रिकॉर्ड भी रखना होगा। बीसीसीआई ने यह भी कहा है कि वह समय-समय पर अचानक 'सरप्राइज चेक' करेगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी फ्रेंचाइजियां नियमों का सही तरीके से पालन कर रही हैं। इसके अलावा, बोर्ड ने खिलाड़ियों और अधिकारियों को वेपिंग और ई-सिगरेट से भी दूर रहने की चेतावनी दी है। हाल ही में राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें उन्हें ड्रेसिंग रूम में वेपिंग करते देखा गया था। इसके बाद बीसीसीआई ने सख्त रुख अपनाया है। बोर्ड ने कहा कि भारत में वेप और ई-सिगरेट का इस्तेमाल कानूनन प्रतिबंधित है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415